NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 306 लखनऊ, रविवार 23 जून 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

हरित साझेदारी, समुद्री अर्थव्यवस्था, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई...मोदी हसीना की मुलाकात में किन मुद्दों पर हुई बात, विदेश सचिव ने दी पूरी जानकारी

एजेंसी।

नई दिल्ली विदेश सचिव ने बताया कि बांग्लादेश के प्रधान मंत्री की चल रही यात्रा दोनों देशों के बीच हमारे निरंतर उच्च स्तरीय राजनीतिक जुड़ाव का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की पीएम उन अंतरराष्ट्रीय नेताओं में से एक थीं, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में 18वीं लोकसभा चुनाव के बाद 9 जून को केंद्रीय मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था। भारत और बांग्लादेश ने शनिवार को नये क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए भविष्य की योजना पर सहमति जताई और समुद्री अर्थव्यवस्था (ब्लू इकॉनमी) को बढ़ावा देने सहित कई समझौतों

पर हस्ताक्षर किए। बांग्लादेश की प्रधान मंत्री शेख हसीना की भारत की राजकीय यात्रा पर हैं। इसी को लेकर विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने बताया कि आज सुबह पीएम शेख हसीना का राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में औपचारिक स्वागत किया गया, जिसके बाद वह महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट गईं। पीएम मोदी और पीएम शेख हसीना ने हैदराबाद हाउस में एक व्यापक चर्चा संपन्न की। आज दोपहर बाद, पीएम शेख हसीना राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से मुलाकात करेंगी। विदेश सचिव ने बताया कि बांग्लादेश के प्रधान मंत्री की चल रही यात्रा दोनों देशों के बीच हमारे निरंतर उच्च स्तरीय राजनीतिक जुड़ाव का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की पीएम उन अंतरराष्ट्रीय नेताओं में से एक थीं, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में 18वीं लोकसभा चुनाव के बाद 9 जून को केंद्रीय मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था। पीएम शेख हसीना की भारत की आखिरी राजकीय यात्रा सितंबर 2022 में हुई थी, जिसके बाद सितंबर 2023 में जी–20 नेता शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अतिथि देश के रूप में उनकी यात्रा हुई। उन्होंने बताया कि पीएम शेख हसीना भारत के प्रधान मंत्री के रूप में अपने ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए पीएम मोदी को बधाई देने वाले पहले नेताओं में से एक थीं। दोनों देशों के बीच ये बैक–टू–बैक आदान–प्रदान हमारे संबंधों की विशेष प्रकृति, रणनीतिक साझेदारी और दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच विश्वास और सम्मान को रेखांकित करते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच बातचीत में हमारे द्विपक्षीय संबंधों के साथ–साथ क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर भी चर्चा हुई। दोनों नेताओं द्वारा हमारे द्विपक्षीय और उप–क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए एक नई दिशा, प्रोत्साहन और सामग्री प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की गई। इस रिश्ते को एक परिवर्तनकारी साझेदारी में बदलने के लिए..।

यूपी का मौसम पूरे प्रदेश से खत्म हुआ लू का प्रकोप, जानिए किन शहरों में कब तक आ सकता है मानसून

संवाददाता

लखनऊ करीब दो महीने के बाद यूपी लू के प्रकोप से मुक्त हो गया है। प्रदेश के अब किसी भी जिले में लू नहीं चल रही है। मानसून भी उत्तर प्रदेश में कभी भी प्रवेश कर सकता है उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में मानसून पूर्व राहतों की बारिश जारी है। राज्य के कई जिलों में शनिवार को बारिश हुई। उत्तर प्रदेश में बारिश का औसत 1.8 मिमी रहा। सर्वाधिक 27.2 मिमी बरसात बांदा में रिकार्ड हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश में जारी मानसून पूर्व बरसात के कारण दक्षिण–पश्चिमी हिस्से में अधिकतम तापमान में आई गिरावट के कारण शनिवार को प्रदेश से लू की स्थिति पूरी तरह से समाप्त हो गई। हालांकि 25 जून तक

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं–कहीं तापमान में वृद्धि की संभावना बनी हुई है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, आगामी तीन से चार दिन में मानसून का संभावित आगमन तय है। 24 जून से बरसात में बढ़ोतरी हो सकती है। इसी क्रम में 24 से 26 जून के दौरान पूर्वांचल के कुछ जिलों में भारी वर्षा होने की भी संभावना है। साथ ही वज्रपात की चेतावनी भी मौसम विभाग ने दी है।जानिए किस शहर में कितना बरसा पानी रसात (मिमी में)बलिया 3.2बांदा 27.2सोनभद्र 13.1सुल्तानपुर 5.3वाराणसी 0.5आगरा 0.3अलीगढ़ 0.3बरेली 0.8हमीरपुर 14.2जालौन 9.3झांसी 8.4ललितपुर 8.4महोबा 2.1मुजफ्फरनगर 0.6 जानिए किन शहरों में कब आएगा मानसून

मुख्यमंत्री योगी ने दिए निर्देश- समय पर और बिना त्रुटि के हर उपभोक्ता के घर तक पहुंचाएं बिजली का बिल

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी ने अफसरों को निर्देश दिया कि सही समय पर बिजली बिल जमा करने के लिए जनता को जागरूक करें। बिजली बिल के नाम पर उपभोक्ताओं को किसी भी सूरत में परेशान न किया जाए।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को ऊर्जा विभाग की महत्वपूर्ण बैठक ली। इस दौरान उन्होंने विभाग की ओर से प्रस्तुत किये गये प्रजेंटेशन का अवलोकन किया।

सीएम योगी ने कहा कि बिजली का बिल समय से जमा कराने के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने का कार्य करना अत्यंत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार लोग मोबाइल का बिल नियत समय पर जमा करते हैं उसी प्रकार बिजली का बिल भी तय समय पर जमा कराने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। इसके लिए विभाग एक सुदृढ़ मैकेनिज्म तैयार करे। सीएम योगी ने प्रदेश में स्मार्ट मीटर लगाने पर विशेष जोर दिया और कहा कि जनता को इसके लिए तैयार किया जाए। स्मार्ट मीटर आज की आवश्यकता है।मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि बिजली का बिल सही समय पर और बिना गड़बड़ी के हर उपभोक्ता के घरों तक पहुंचना चाहिए। मीटर रीडर को इसके लिए जवाबदेह बनाना बहुत जरूरी है। उपभोक्ताओं को ओटीएस के बारे में जागरूक करें, ताकि बकाया बिजली के बिल को जमा करने में मिलने वाली सहूलियत के बारे में उसे अच्छी तरह से पता हो।

50 लाख की घूस मांगने पर सहायक लेखाधिकारी निलंबित, संपत्ति प्रबंधक हटे

लखनऊ

गाजियाबाद में आवास विकास की सिद्धार्थ विहार योजना में व्यावसायिक भूखंड के आवंटन में 50 लाख रुपये की रिश्वत मांगने के मामले में सहायक लेखाधिकारी व संपत्ति प्रबंधक पर गाज गिरी है।आवास एवं विकास परिषद के व्यावसायिक भूखंड का आवंटन करने के लिए 50 लाख रुपए की घूस मांगे जाने पर गाजियाबाद संपत्ति कार्यालय के दो अफसरों पर गाज गिरी है। इनमें एक सहायक लेखाधिकारी एवं संपत्ति प्रबंधक शामिल हैं। अपर आवास आयुक्त एवं सचिव डॉ. नीरज शुक्ला ने सहायक लेखाधिकारी राजकुमार को निलंबित एवं संपत्ति अधिकारी आनंद कुमार गौतम को उनके पद से हटा दिया है। इनमें राजकुमार को गाजियाबाद एवं संपत्ति प्रबंधक को मुख्यालय लखनऊ में संबद्ध किया गया है। पूरे मामले पर जांच बैठ गई, जिसकी कमान मेरठ जोन के जोनल आयुक्त को सौंपी गई है। गाजियाबाद निर्माण खंड दो अधिशासी अभियंता को दोनों अफसरों के आरोप पत्र तैयार करने का जिम्मा दिया गया है। सचिव ने यह कार्रवाई गत शुक्रवार को वीडियो क्लिप के आधार पर की।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य पुरोहित का निधन, सीएम ने जताया शोक, बोले- सदैव स्मरणीय रहेंगे

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य पुरोहित के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने कहा कि आचार्य लक्ष्मीकांत संस्कृत भाषा व भारतीय संस्कृति की सेवा हेतु सदैव स्मरणीय रहेंगे।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित के निधन पर शोक जताया है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट श्एक्सश पर सीएम ने लिखा कि प्रभु श्रीराम उनके शिष्यों व अनुयायियों को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। सीएम योगी ने लिखा कि काशी के प्रकांड विद्वान एवं श्री राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य पुरोहित, वेदमूर्ति, आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित जी का गोलोकगमन अध्यात्म व साहित्य जगत की अपूरणीय क्षति है। संस्कृत भाषा व भारतीय संस्कृति की सेवा हेतु वे सदैव स्मरणीय रहेंगे। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और उनके शिष्यों व अनुयायियों को यह दुरूख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

एलजी वीके सक्सेना – आपदा में अपने लिए अवसर खोज रहे नेता

एजेंसी।

नई दिल्ली एलजी ने कहा कि दिल्ली के राजनीतिक नेताओं ने राजनीतिक लाभ हासिल करने के एकमात्र उद्देश्य से, पड़ोसी राज्यों पर दोषारोपण करने के लिए संकट को अवसर में बदल दिया है। दिल्ली पीने के पानी की आपूर्ति उत्तर प्रदेश और हरियाणा पर निर्भर है। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शनिवार को आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली शहर सरकार पर निशाना साधते हुए उसके मंत्रियों पर जल संकट को पड़ोसी राज्यों पर आरोप लगाने का श्अवसरश बनाने का आरोप लगाया। अपने बयान में उन्होंने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में जीएनसीटीडी के मंत्रियों की तीखी बातचीत विभिन्न स्तरों पर चिंताजनक और संदिग्ध रही है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में पेयजल आपूर्ति एक चुनौती बन गई है। एलजी ने कहा कि दिल्ली के राजनीतिक नेताओं ने राजनीतिक लाभ हासिल करने के एकमात्र उद्देश्य से, पड़ोसी राज्यों पर दोषारोपण करने के लिए संकट को अवसर में बदल दिया है। दिल्ली पीने के पानी की आपूर्ति उत्तर प्रदेश और हरियाणा पर निर्भर है। अंतरराज्यीय जल–बंटवारे की व्यवस्था जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा बनाए गए संस्थागत तंत्र के माध्यम से तय की जाती है, जिसे देश की सर्वोच्च अदालत ने बार–बार बरकरार रखा है। उन्होंने कहा कि इस ढांचे के तहत हस्ताक्षरित

समझौतों के अनुसार राज्य पानी छोड़ने के लिए बाध्य हैं। साथ ही, शहर सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य है कि शहर भर में समान आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए इस जल संसाधन का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाए। एलजी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब जल संकट को लेकर दिल्ली और हरियाणा सरकार के बीच तीखी नोकझोंक जारी है। दिल्ली की जल संसाधन मंत्री आतिशी हरियाणा सरकार पर आवश्यक मात्रा में पानी की आपूर्ति नहीं करने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार से अनिश्चितकालीन अनशन पर हैं।

पुरी में भगवान जगन्नाथ की 'स्नान यात्रा' के लिए एकत्रित हुए हजारों श्रद्धालु

एजेंसी

नई दिल्ली चक्रराज सुदर्शन के साथ भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ की मूर्तियों को मंदिर परिसर में स्थित स्नान मंडप में लाया गया, जहां उन पर 108 घड़ों का पवित्र जल डाला गया। भगवान जगन्नाथ को 35 घड़ों के जल से स्नान कराया गया, जबकि भगवान बलभद्र को 33 घड़ों, देवी सुभद्रा को 22 घड़ों और चक्रराज सुदर्शन को 18 घड़ों के जल से स्नान कराया गया।पुरी। ओडिशा के पुरी शहर में शनिवार को 12वीं सदी के मंदिर में हजारों श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ की स्नान यात्रा के लिए एकत्रित हुए। चक्रराज सुदर्शन के साथ भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ की मूर्तियों को मंदिर परिसर में स्थित स्नान मंडप में लाया गया, जहां उन पर 108

घड़ों का पवित्र जल डाला गया। भगवान जगन्नाथ को 35 घड़ों के जल से स्नान कराया गया, जबकि भगवान बलभद्र को 33 घड़ों, देवी सुभद्रा को 22 घड़ों और चक्रराज सुदर्शन को 18 घड़ों के जल से स्नान कराया गया। जल मंदिर स्थित सुना कुआं या स्वर्ण कुएं से लाया गया। पानी में जड़ी–बूटी और सुगंधित तत्व मिलाए गए और उसके बाद उस जल से स्नान बेदी में देवताओं का स्नान कराया गया। यह अनुष्ठान वार्षिक रथयात्रा उत्सव की शुरुआत का प्रतीक है। जगन्नाथ संस्कृति के शोधकर्ता पंडित सूर्यनारायण रथशर्मा ने बताया कि गजपति महाराजा राजा दिब्यसिंह देब ने स्नान अनुष्ठान के तुरंत बाद स्नान मंडप में चेरा पन्हरा (झाड़ू लगाने) की रस्म निभायी। चेरा पन्हरा के पूरा होने के बाद, देवताओं को स्नान बेदी में हाथी बेसा (हाथी की पोशाक) पहनाई गई। हाथी की पोशाक और इस अवसर पर विशेष वेशभूषा पारंपरिक रूप से राघबा दास मठ और गोपाल तीर्थ मठ के कारीगरों द्वारा तैयार की जाती है। मान्यता के अनुसार, अत्यधिक स्नान के कारण देवता बीमार पड़ जाते हैं और उन्हें अनासर गृह में ले जाया जाता है। देवताओं को अब अनासर गृह में 14 दिनों के लिए पृथकवास किया जाएगा। इस अवधि के दौरान श्रद्धालुओं को देवताओं के दर्शन करने की अनुमति नहीं होती है। ठीक होने पर, देवता नबजौबन दर्शन के अवसर पर श्रद्धालुओं के सामने आते हैं। पुलिस की लगभग 68 प्लाटून (एक प्लाटून में 30 जवान होते हैं) तैनात की गई थीं और सुचारू दर्शन के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है। अधिकांश श्रद्धालुओं ने मंदिर के सामने स्थित सड़क बड़ा डंडा से देवताओं के दर्शन किए।

कानपुर के नवनिर्वाचित सांसद रमेश अवस्थी से मिला पत्रकारों का प्रतिनिधिमंडल

पत्रकारों की समस्याओं के समाधान का पूरा प्रयास करूँगा -रमेशअवस्थी सांसद

लखनऊ(आरएनएस)।उत्तर प्रदेश जिला मान्यताप्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने कानपुर के नवनिर्वाचित सांसद रमेश अवस्थी जो कि एक सक्रिय पत्रकार भी रहे हैं से उनके लखनऊ आगमन पर VVIP गेस्ट हाउस में मुलाकात की।इस अवसर पर उनको अंगवस्त्र पहनाकर और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और उन्हें बधाई दी।

एसोसियेशन के प्रतिनिधिमंडल में उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के चेयरमैन अजीज सिद्दीकघी,महामंत्री अब्दुल वहीद ,सचिव जुबैर अहमद, छायाकार आरिफ मुकीम और रामबाबू उपस्थित रहे।प्रतिनिधि मण्डल ने पत्रकार हितों के लिए सांसद जी से वार्ता कि और पत्रकार हितों के लिए एक ज्ञापन दिया।इस मौके पर सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि मैं एक पत्रकार के रूप में पत्रकारों की समस्याओं से अवगत हूँ और आप सबकी समस्याओं को सदन में भी हम जरूर उठाएंगे।जब भी जरूरत होगी पत्रकार हितों के लिए मौजूद रहेंगे और यथासंभव मदद करेंगे। उन्होंने उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के सामाजिक कार्यों की भी तारीफ की और कहा कि आप लोग काफी सक्रिय रहते हैं इसके लिए आप सब बधाई के पात्र हैं।पत्रकारों का सामाजिक दायित्व आप सब बाखूबी पूरा कर रहे हैं।

चिकित्सा स्वास्थ्य महासंघ उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित किया गया भण्डारा'

'लखनऊ(आरएनएस)' हर वर्ष की भांति जेठ माह के अन्तिम शनिवार को बजरंग बली जी का भन्डारा बलरामपुर चिकित्सालय, लखनऊ में चिकित्सा स्वास्थ्य महासंघ उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित किया गया डा अमित सिंह, अध्यक्ष चिकित्सा स्वास्थ्य महासंघ, अशोक कुमार प्रधान महासचिव, डायरेक्टर बलरामपुर डा०पवन कुमार अरुण, सीएमएस डा०एन बी सिंह, अधीक्षक डॉ हिमांशु चतुर्वेदी जी, डा० वर्मा, डा०संजीव गुप्ता इत्यादि एवं सम्मानित प्रत्रकार अन्य गणमान्य जन तथा चिकित्सालय के कपिल वर्मा, सुनील कुमार, रजत, सर्वेश पाटिल, के के सचान,व अन्य कर्मचारी व अधिकारी सभी उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण किये । भन्डारा का आयोजन सुबह 11बजे से 4 बजे तक लगातार चलता रहा।

महिला आयोग की रिपोर्ट कानून व्यवस्था का दावा करने वाली वाली योगी सरकार के माथे पर कलंक- अजय राय

लखनऊ(आरएनएस)। राष्ट्रीय महिला आयोग ने एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें साल 2024 में 12,648 शिकायतें प्राप्त हुआ है। इसमें चौंकाने वाली बात यह है कि अकेले उत्तर प्रदेश से 6,492 शिकायतें मिली हैं, जो कि महिला आयोग के रिपोर्ट के अनुसार 55 प्रतिशत है। राष्ट्रीय महिला आयोग के द्वारा रिपोर्ट जारी करने के बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि आधी आबादी यानी प्रदेश की महिलाएं डर और असुरक्षा के साये में अपना जीवन व्यतीत करने को मजबूर है। यह रिपोर्ट न्च में कानून व्यवस्था का दावा करने वाली वाली योगी सरकार के माथे पर कलंक है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में महिला अपराध चरम सीमा पर है। महिलाएं किसी भी स्तर पर सुरक्षित नहीं हैं। मोदी सरकार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा दे रही है, लेकिन केंद्र व प्रदेश में भाजपा सरकार होने के बावजूद भी प्रदेश में महिलाओं पर अत्याचार लगातार बढ़ रहे हैं। अजय राय ने आगे कहा कि योगी सरकार प्रदेश और देश की जनता को लगातार झूठ बोलते रहे कि प्रदेश की कानून व्यवस्था ठीक है, जबकि प्रदेश में पूरी तरीके से जंगलराज कायम हो गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री करोड़ों रुपये का झूठा विज्ञापन देकर अपराधमुक्त प्रदेश होने का दावा करते हैं, लेकिन महिला आयोग के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश अपराधों में नम्बर वन है। आगे अजय राय ने कहा कि ठश्रच सिर्फ और सिर्फ झूठ बोलने की मशीन है, ये खुलेआम मंचों से महिला सशक्तिकरण के नाम पर झूठ बोलते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि ठश्रच कुलदीप सेंगर, चिन्मयानंद और बृजभूषण शरण सिंह जैसे लोगों के साथ खडे होते हैं। प्रदेश में बढ़ रहे अपराध बहुत चिंता जनक है और यह समाज के लिए बड़ा खतरा है।

कारागार मंत्री दारासिंह चौहान ने नव–नियुक्त डिप्टी जेलरों के प्रशिक्षण सत्र का किया शुभारम्भ

लखनऊ(आरएनएस)। प्रदेश के कारागार मंत्री दारासिंह चौहान ने शनिवार को कारागार मुख्यालय, लखनऊ में नव–नियुक्त डिप्टी जेलरों के अभिनंदन एवं प्रशिक्षण सत्र का शुभारम्भ किया। उन्होंने सभी नव–नियुक्त डिप्टी जेलरों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि डिप्टी जेलर कारागार की रीढ़ की हड्डी हैं और यह पद बहुत महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश राज्य के 75 नव चयनित डिप्टी जेलरों में 25 महिलाएं हैं, जिनमें से 33 डिप्टी जेलरों ने जॉइनिंग दी और इनमें 11 महिलाएं हैं। प्रमुख सचिव कारागार राजेश कुमार सिंह ने चयनित डिप्टी जेलरों के शैक्षणिक पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 33 डिप्टी जेलरों में से 12 बी.टेक, 1 एम.टेक, 4 बी.ए., 4 एम.ए., 10 बी.एससी. और 2 एम.एससी. हैं। उन्होंने बताया कि डॉ0 संपूर्णानंद संस्थान में नियमित रूप से अधिकारियों और जेल वार्डरों के लिए आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। संस्थान में प्रशिक्षण के लिए उपलब्ध संसाधनों में प्रशासनिक भवन, व्याख्यान कक्ष, व्यायामशाला, पुस्तकालय, चिकित्सालय, अतिथि गृह, इनडोर खेल परिसर, आडीटोरियम, अधिकारी छात्रावास, बंदीरक्षक छात्रावास, महिला छात्रावास, आवासीय परिसर, कंप्यूटर लैब और परेड ग्राउंड शामिल हैं। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक कारागार श्री पी. वी. रमाशास्त्री, कारागार मुख्यालय के अन्य अधिकारीगण, प्रशिक्षण संस्थान के अधिकारीगण, कर्मचारीगण तथा नव–नियुक्त डिप्टी जेलर गण उपस्थित रहे।

बिजली का बिल समय से जमा कराने के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने का कार्य करना अत्यन्त आवश्यक – मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की

लखनऊ (आरएनएस)रू मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने ऊर्जा विभाग के प्रस्तुतीकरण का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बिजली का बिल समय से जमा कराने के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने का कार्य करना अत्यन्त आवश्यक है। जिस प्रकार लोग मोबाइल का बिल नियत समय पर जमा करते हैं, उसी प्रकार बिजली का बिल भी तय समय पर जमा कराने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। इसके लिए विभाग एक सुदृढ़ मैकेनिज्म तैयार करे। स्मार्ट मीटर ईज ऑफ लिविंग के लिए यह अत्यन्त आवश्यक है। यह आज की आवश्यकता है। जनता को इसके लिए तैयार किया जाए तथा स्मार्ट मीटर की कवायद को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए पी0एम0 सूर्य घर योजना को तेज गति से अमल में लाया जाए।बिजली का बिल सही समय पर और बिना गड़बड़ी के प्रत्येक उपभोक्ता के घर तक पहुंचना चाहिए। मीटर रीडर को इसके लिए जवाबदेह बनाना बहुत जरूरी है। उपभोक्ताओं को ओ0टी0एस0 (वन टाइम सेटेलमेण्ट) के बारे में जागरूक करें, ताकि बकाया बिजली के बिल को जमा करने से मिलने वाली सहूलियत के बारे में उन्हें अच्छी तरह से पता चल सके। बिजली बिल के नाम पर उपभोक्ताओं को किसी भी स्थिति में परेशान न किया जाए। उन्होंने कहा कि पहले पांच वर्षों में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप किया गया है, अब पूरा जोर क्वालिटी मेनटेन करने पर देना होगा। मेनटेनेंस के कारण अगर बिजली कटौती की जाती है, तो कब और कितनी देर तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी, इसकी पूर्व सूचना उपभोक्ताओं को प्रदान करना आवश्यक है। इसके लिए सोशल मीडिया का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करें। बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि प्रदेश में विद्युत आपूर्ति के घण्टों में बढ़ोत्तरी हुई है। भीषण गर्मी तथा लोकल फॉल्ट को छोड़ दें, तो बीते 15 मार्च से प्रदेश सरकार 24 घंटे बिजली प्रदान करने में सफल रही है। प्रदेश में कहीं भी बिजली की कमी नहीं हुई है। प्रदेश में 3.45 करोड़ बिजली कनेक्शन हैं। वहीं विगत 02 वर्षों में 30 लाख कनेक्शन बढ़े हैं। वर्ष 2024 में अब तक 70 हजार करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है, जो कि विगत वर्ष की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा कंज्यूमर टर्नअप शहरी इलाकों में करीब 92 प्रतिशत तथा ग्रामीण इलाकों में 51 प्रतिशत है। प्रदेश में बिजली बिल का 39 प्रतिशत हिस्सा ऑनलाइन, 32 प्रतिशत विभागीय काउंटरों से और 21 प्रतिशत ई–वॉलेट तथा 8 प्रतिशत सी0एस0सी0 के माध्यम से प्राप्त हो रहा है। ऑनलाइन सेवाओं को सुदृढ़ करते हुए लोड बढ़ाने से लेकर नाम, पता बदलने तक की सुविधा ऐप के माध्यम से दी जा रही है। साथ ही बिजली का बिल जमा करने के लिए प्रतिमाह औसतन 7 एस0एम0एस0 भी भेजे जाते हैं। अक्टूबर, 2023 तथा फरवरी, 2024 में मेनटेनेंस माह मनाया गया, जिसके अच्छे परिणाम प्राप्त हुए हैं। प्रदेश में अप्रैल, मई और जून माह में बिजली की औसत मांग में बढ़ोत्तरी हुई है। गर्मी के मौसम में सामान्य दिनों 27 से 28 हजार मेगावॉट की डिमाण्ड होती है, जबकि इन दिनों पड़ी भीषण गर्मी में पीक डिमाण्ड 30,764 मेगावॉट तक पहुंच गई है। बरसात के बाद इसमें कमी आने की उम्मीद है।प्रदेश में 5,255 मेगावॉट की 10 इकाइयां को लगाने का कार्य तेज गति से चल रहा है। इसके अलावा 5,120 मेगावाट की तीन बड़ी परियोजनाएं ओबरा डी, अनपरा ई और मेजा द्वितीय पर भी काम जारी है। प्रदेश में बिजली के ट्रांसमिशन लॉस को न्यूनतम स्थिति में पहुंचाते हुए 3 प्रतिशत पर लाने का कार्य हुआ है। प्रदेश में नोएडा, वाराणसी, अयोध्या, गोरखपुर, कानपुर और लखनऊ में विभाग की कई बड़ी परियोजनाएं शुरू होने जा रही हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री सूर्य घर परियोजना के प्रथम चरण में देश में 01 करोड़ जबकि प्रदेश में 25 लाख सोलर रूफ टॉप लगने हैं। इसके लिए अब तक 16 लाख 97 हजार रजिस्ट्रेशन का कार्य पूरा हो चुका है।

भाजपा सरकार के वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के सभी दावे झूठे और कागजी – अखिलेश यादव

लखनऊ(आरएनएस) । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार के वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के सभी दावे झूठे और कागजी हैं। इस सरकार की गलत नीतियों के चलते प्रदेश की जनता मौसम की मार झेलने पर मजबूर है। इस साल भीषण गर्मी और लू से सैकड़ों लोगों की मौत हो गयी। विकास के नाम पर विनाश करना भाजपा सरकार की फितरत है। नतीजतन प्राकृतिक असंतुलन के चलते मौसम, पर्यावरण में भारी अंतर आ गया हैं, जंगल सिकुड़ते जा रहे हैं। नए शहरों के नाम पर कंक्रीट के जंगल उगाए जा रहे है। पेड़ों का निर्ममता से कटान होने से पर्यावरण संतुलन बिगड़ता जा रहा है। भाजपा सरकार ने वृक्षारोपण अभियान को भी जुमलेबाजी बना दिया है। मुख्यमंत्री 2023 में 36 करोड़ 15 लाख से अधिक पौधारोपण का दावा करते है। इसके पहले 2022 में 35 करोड़ से ज्यादा, 2021 में 30 करोड़ से ज्यादा, 2020 में 25 करोड़ से ज्यादा पेड़ लगाने का दावा किया गया है। इससे पहले भी हर वर्ष पौधारोपण के बड़े–बड़े दावे किये गये है लेकिन ये वृक्ष कहां लगाये गये हैं इसका कोई विस्तृत ब्यौरा नहीं दिया जाता है। भाजपा सरकार ने फाईलों की जगह अगर पौधारोपण जमीन पर किया होता तो भीषण गर्मी से जनता का इतना बुरा हाल न होता। इस भीषण गर्मी में जनता को कुछ राहत मिलती। गर्मी में सैकड़ों लोगों की जानें जा रही है। अस्पताल बीमारों से भरे पड़े हैं। उनके इलाज की सुचारू व्यवस्था न होने से जनता त्राहि त्राहि कर रही है। सच तो यह है कि उत्तर प्रदेश में वृक्षारोपण अभियान एक बड़ा घोटाला बन गया है। भाजपा सरकार अब तक जितने पौधे लगाने का दावा करती आई है अगर उनका जोड़ हो तो प्रदेश में कोई जगह अब अगले वृक्षारोपण के लिए नहीं बची है। भाजपा का वृक्षारोपण महज एक कागजी कार्रवाई बन कर रह गया है। समाजवादी सरकार में बुन्देलखण्ड में वृक्षारोपण का रिकार्ड बना था। समाजवादी सरकार हमेशा से पर्यावरण को लेकर संवेदनशील रही है। राजधानी लखनऊ में डॉ0 राममनोहर लोहिया पार्क और जनेश्वर मिश्र पार्क का निर्माण कराया। जनेश्वर मिश्र पार्क को लंदन के हाईड पार्क की तर्ज पर लगभग उतने ही क्षेत्रफल में बनाया गया है। जहां हजारों लोग रोज स्वच्छ हवा का सेवन करते है। हजारों पेड़ लगाए गए। लखनऊ में गोमती नदी की सफाई की गई और गोमती रिवरफ्रंट बनाया गया। गोमती नदी के किनारे हजारों पेड़ लगाये गये। समाजवादी सरकार में पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण के कार्य बड़े पैमाने पर किये गये थे, जो आज जमीन पर दिखाई देते हैं। भाजपा सरकार में वृक्षारोपण सिर्फ कागजों पर हुआ है। यह सरकार जितने वृक्ष रोपने का दावा करती है अगर वे सच में लगाये गये होते तो आज पेड़ लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। भाजपा सरकार पौधारोपण के झूठे दावे कर रही है। पौधो के लिए गड्ढ़े खोदने–लगाने में भी घपले करके पर्यावरण को बिगाड़ने का ही भाजपा ने काम किया है।

भाजपा सरकार आपदा में अवसर खोजती है। पौधारोपण में भी यह दावा सटीक लगता है। पौधारोपण की जांच की जाए तो वहां भी पता चलेगा कि भाजपा सरकार को जहां से पेड़ की सप्लाई हुई है वहां भी क्या उसने चुनावी चंदा वसूला है? अब तो जहां चंदा, वहीं धंधा भाजपा का नारा बन गया है।

पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल ने यात्री शिकायतों की निगरानी और त्वरित समाधान के लिए बनाया वार रूम

लखनऊ(आरएनएस) । यात्री संतुष्टि में समयबद्ध सुधार के दृष्टिगत, पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक आदित्य कुमार के मार्गदर्शन में और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आशुतोष गुप्ता के नेतृत्व में रेल मदद पोर्टल पर त्वरित समय सीमा के अंदर रेल यात्री शिकायतों का समाधान करने के लिए लखनऊ स्थित मंडल नियंत्रक कार्यालय में ष्वॉर रूमष स्थापित किया गया है।उल्लेखनीय है कि भारतीय रेलवे ने अपनी डिजिटल पहलों के अंतर्गत षशिकायत निवारण प्रबंधन प्रणालीष को पूरी तरह डिजिटल बनाते हुए यात्रियों की शिकायतों के निवारण की प्रक्रिया को सुधारने एवं त्वरित निस्तारण करने के लिये श्रेल मददश त।प्स्ड।क।क नाम से एक ष्एपष जारी किया था । यह ष्एपष यात्रियों की शिकायतों को पंजीकृत करता है और उनकी शिकायतों के निवारण की स्थिति के बारे में उन्हें लगातार जानकारी मुहैया कराता है। यात्री को पंजीकरण के बाद मोबाइल ष्एसएमएसष के जरिये शिकायत संख्या तुरंत उपलब्ध करायी जाती है जिसके बाद रेलवे द्वारा समाधान हेतु उठाये गये कदमों की जानकारी त्म।स ज्ड्म ठ।ैष् पर एसएमएस द्वारा दी जाती है। मंडल नियंत्रक कक्ष में बनाए गए वॉर रूम में मुख्य रूप से सुरक्षा, समय पालन, पेय व खाद्य सामग्री की उपलब्धता, चिकित्सा सहायता, बिजली एवम सफाई संबंधी , पार्सल, टिकटिंग, यात्री सुविधाएं और अन्य विविध मुद्दों से संबंधित यात्री शिकायतें प्राप्त होती हैं । यह सभी शिकायतें एक या कभी कभार एक से अधिक विभाग से संबंधित होती हैं । ष्वॉर रूमष में वाणिज्य, परिचालन, आरपीएफ, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल सहित सभी संबंधित विभागों के राजपत्रित अधिकारीगण चौबीसों घंटे (8 घंटे की तीन पालियों में) एक ही स्थान पर ड्यूटी पर मौजूद रहते हैं। इससे शिकायतों का त्वरित निपटान आसान हो जाता है और अंतर–विभागीय समन्वय भी बेहतर हो जाता है। जिसके परिणाम स्वरूप शिकायतों का तेजी से समाधान होता है और शिकायतकर्ता को वास्तविक समय के आधार पर तत्काल समाधान प्रदान किया जा रहा है। रेल–मदद के माध्यम से प्राप्त लगभग 100ः शिकायतों का तुरंत निपटारा किया जा रहा है । यात्रीगण अपनी शिकायतें रेल यात्री हेल्पलाइन 139 एवं ष्रेलमददष (त।प्स्ड।क।क) पर दर्ज करा सकते हैं। सी परिप्रेक्ष्य में 21 जून को ट्रेन नंबर 15083 छपरा–फर्रुखाबाद एक्सप्रेस में शाहगंज स्टेशन से एसी 3 कोच में यात्रा कर रहे श्री मोहम्मद तौकीर ने अपने कोच में कूलिंग बढ़ाने के लिए अनुरोध किया। लखनऊ डिवीजन वॉर रूम में रेल मदद टीम द्वारा 02 मिनट के अंदर वांछित मदद प्रदान की गई। श्री तौकीर ने त्वरित कार्रवाई के लिए टीम को धन्यवाद दिया। एक अन्य यात्री श्री पंकज सलेमपुर स्टेशन से ट्रेन संख्या 15007 से यात्रा कर रहे थे, उन्होंने अपनी बर्थ पर बेड रोल की अनुपलब्धता के बारे में शिकायत दर्ज कराई, उनकी चिंता का समाधान लखनऊ मंडल रेल मदद वॉर रूम के सक्रियता से 10 मिनट में हो गया। बादशाहनगर रेलवे स्टेशन पर यात्री श्री अवर्तक द्वारा शिकायत की गई कि खानपान वेंडर द्वारा पानी की बोतल की कीमत ध्20 ली जा रही है। उक्त शिकायत का तत्काल निस्तारण किया गया तथा उक्त वेंडर के विरुद्ध ध्1000 का दण्ड लगाया गया। पूर्वोत्तर रेलवे सदैव आपकी सेवा के लिए तत्पर है।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने से वंचित न रहने पाये कोई भी पात्र व्यक्ति- केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ(आरएनएस) ।उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जी द्वारा राज्यमंत्री कारागारध्प्रभारी मंत्री सुरेश राही के साथ शुक्रवार को मॉ शीतला देवी अतिथि गृह, सयारा, कौशांबी में जनपद कौशांबी के अधिकारियों के साथ बैठक की गई। उप मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों से कहा कि आमजनध्फरियादियों की छोटी–छोटी समस्याओं का निस्तारण ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर एवं थाना स्तर पर ही सुनिश्चित किया जाय, जिससे आमजनध्फरियादी को जिला स्तर या शासन स्तर तक न जाना पड़ें। उन्होने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि पीड़ित व्यक्ति को न्याय हर हाल में मिलें तथा अपराधियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय।

उन्होंने कहा कि 03 वर्ष से अधिक एक तहसील में कार्य कर रहें लेखपाल का दूसरे तहसील में स्थानान्तरण कर दिया जाय। इसी प्रकार 03 वर्ष से अधिक एक विकास खण्ड में कार्यरत सचिव, ग्राम पंचायतध्ग्राम विकास अधिकारी को दूसरे ब्लॉक में एवं थाने में कार्यरत सिपाहीध्दरोगा को दूसरे थानों में स्थानान्तरण कर दिया जाय। सभी स्थानान्तरण नियमानुसार निर्धारित गाइडलाइंस के अनुसार ही किये जांय।उन्होंने कहा कि राजस्व के मामलों में राजस्व अधिकारियों की समिति गठित कर ग्रामवासियों के साथ बैठक कर मामलों का निस्तारण कराया जाय। उन्होंने राजस्व वादों के निस्तारण में भी प्रगति लाने के निर्देश दियें।

उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन परियोजनाओं यथा–रामवन गमन मार्ग एवं प्रयागराज एयरपोर्ट से उत्खनन स्थल कौशाम्बी तक फोरलेन सड़क का निर्माण कार्य, आदि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं तेजी से पूर्ण कराया जाय। निर्माणाधीन परियोजनाओं के निर्माण कार्य में गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाय, गुणवत्ता न पाये जाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेंगी। उन्होंने अधिशासी अभियंता लो0नि0वि0 को पीएमजीएसवाई के अन्तर्गत नई सड़को के निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार कर शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिये। उन्होंने सिराथू बाजार में दिन में हो रही दुर्घटना के दृष्टिगत सैनी से सिराथू पुल होते हुए धाता की ओर जाने वाले हैवी वाहनों का आवागमन दिन में प्रतिबन्धित करने के निर्देश दियें।

उप मुख्यमंत्री ने जल–जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियंता, जल निगम से अब तक हुए कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि कार्यों को तेजी से पूर्ण कराया जाय। इसके साथ ही उन्होंने जिलाधिकारी से कहा कि पाइप–लाइन जमीन से एक मीटर अन्दर बिछाई गई है या नहीं आदि कार्यों का अधिकारी नामित करते हुए सत्यापन कराया जाय। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत 06 लाख 91 हजार लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 05 लाख 23 हजार लाभार्थियों के गोल्डेन कार्ड बनाये जा चुकें हैं। उप मुख्यमंत्री ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि सामुदायिकध्प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र की जॉच करा लिया जाय, जिन स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सक या पैरामेडिकल स्टॉफ की कमी है, वहॉ पर स्टॉफ की तैनाती के लिए कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से कहा कि गौशालाओं में गोवंशों के लिए भूसा–चारा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाये हमेशा सुनिश्चित रखी जाय। उन्होंने अधिशासी अभियंता,विद्युत को निर्देशित किया कि ओवर बिलिंगध्गलत बिल बनाने वाले कर्मियों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध कार्यवाही किया जाय तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि ओवर बिलिंग न होने पाये।

सामूहिक प्रयासों से उत्तर प्रदेश को कषि क्षेत्र में बनाना है अग्रणी – कृष मंत्री

लखनऊ –(आरएनएस) । उत्तर प्रदेश चावल उत्पादकता में राष्ट्रीय औसत उत्पादकता के करीब पहुंच चुका है। इसे सामूहिक प्रयास से और आगे ले जाना है। इसके साथ ही दलहन और तिलहन में आत्म निर्भरता के लिए सरकार ने 10 लाख किसानों को निःशुल्क बीज उपलब्ध करावाये हैं। यह बात शनिवार को सर्किट हाउस गोरखपुर स्थित एनेक्सी भवन में मंडलीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी–2024 का आयोजन के दौरान प्रदेश के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने कही। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सभी अधिकारियों तथा सहभागी किसानों से अपील की कि हमें सामूहिक प्रयासों से प्रदेश को कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट बनाना है। उन्होंने किसानों उनकी प्रत्येक समस्या का उचित समाधान करने का आश्वासन भी दिया।उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे कृषि के साथ बागवानी, पशुपालन एवं मत्स्य पालन में भी ध्यान दें जिससे उनकी आजीविका बढ़ सके। राज्य सरकार भी इसके लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि उ0प्र0 को कृषि क्षेत्र में देश में अग्रणी राज्य बनाना है। मंत्री ने कहा कि दलहन और तिलहन में आत्म निर्भरता के लिए सरकार ने 10 लाख किसानों को निःशुल्क बीज उपलब्ध करावाये हैं। इन प्रयासों के फलस्वरूप विगत सात वर्षों में प्रदेश में दलहन के उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। दलहन के साथ तिलहन के उत्पादन के लिए भी राज्य सरकार द्वारा कार्य किया जा रहा है। विगत 7 वर्षों में तिलहन के उत्पादन में लगभग 8.5 लाख टन की वृद्धि हुई है। मंत्री जी ने कहा कि नंद बाबा दुग्ध मिशन तथा गौ–संवर्धन योजना के माध्यम से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए प्रयास किया जा रहा है। चारा उत्पादन के लिए भी किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों को समय पर भुगतान, बंजर भूमि विकास हेतु जिप्सम का वितरण, एफपीओ को कृषि यंत्रों पर अनुदान, एमएसपी में निरन्तर वृद्धि आदि प्रयासों के माध्यम से सरकार कृषि विकास एवं किसान कल्याण के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बीज के लिए सीड हब का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सीड पार्क भी बनाये जा रहे हैं ताकि किसान बीज खरीदने के साथ बीज का उत्पादन भी करें। उन्होंने किसानों से ढैचा की खेती करने का आह्वान करते हुए कहा कि यह अत्यंत कम लागत वाली कृषि है जो आय के साथ भूमि के स्वास्थ्य को भी उत्तम बनायेगी। इस अवसर पर कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह ने कहा कि कृषकगण उत्पादन बढ़ाने के लिए समतल भूमि पर रेखीय बुआई करें। सूक्ष्म सिचांई पद्धति यथा स्प्रिंकलर एवं ड्रीप सिचांई विधि अपनाएं। अपर मुख्य सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी ने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि प्रदेश में बीज एवं खाद की कमी नहीं है। उन्होंने मौजूद अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि खाद की अर्न्तराज्यीय सीमा पार अवैध निर्यात पर सख्त निगरानी रखें।

फरियादियों के साथ करें अच्छा व्यवहार दिनेश सिंह

बाराबंकी(आरएनएस)। शनिवार को थाना मोहम्मदपुरखाला मे आयोजित थाना समाधान दिवस जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार और पुलिस अधीक्षक दिनेष कुमार सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने समाधान दिवस पर आयी षिकायतों को सुना और उनके निस्तारण के निर्देष दिए। समाधान दिवस पर कुल 13 षिकायती पत्र आये थे। जिसमें एक का निस्तारण मौके पर कर दिया गया। बाकी 12 षिकायतों का पुलिस और राजस्व की टीम गठित करके भेजा गया। इस मौके पर बोलते हुए पुलिस अधीक्षक दिनेष कुमार सिंह ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा षिकायतों का निस्तारण करें चाहे वह छोटी षिकायतें हो या बड़ी षिकायते हों। कोषिष यह करें कि दोनो पक्षों को समझा बुझाकर ही षिकायतें निस्तारित करें कहीं पर ऐसा न हो कि निस्तारण के बाद विवाद उत्पन्न हो जाये। पुलिस अधीक्षक ने यह भी कहा कि थाने का कोई भी फरियादी अपनी फरियाद लेकर आये तो उसके साथ में शालीनता दिखाएं पुलिस अधीक्षक ने लगभग एक घण्टे थाने में रुक करके षिकायतें सुनी और उसके बाद में थाना परिसर का निरीक्षण भी किया। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक मोहम्मदपुर खाला सहित अन्य पुलिस कर्मी और राजस्वकर्मी मौजूद रहे। पूरे जनपद के थानों में कुल 230 षिकायतें पत्र आये थे जिसमें से 58 षिकायतों का थाने पर निस्तारण किया गया था। अन्य षिकायतों में राजस्व और पुलिस की टीम मौके पर भेजी गयी।

550 ग्राम स्मैक और असलहा बरामद

देवा, बाराबंकी(आरएनएस)। कोतवाली देवा प्रभारी निरीक्षक ने शनिवार सुबह मुखबिर की सूचना पर दो तस्करो को गिरफ्तार करके उनके पास से 550 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की। जिसकी अन्तर्राष्ट्रीय कीमत 55 लाख रुपये बतायी गयी है। थाना प्रभारी ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर तस्करों को जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर शनिवार सुबह कोतवाली देवा प्रभारी ने जनपद सीतापुर के थाना रामपुर मथुरा के ग्राम रंजीतपुर मजरे पाल्हापुर निवासी बेचन चौहान पुत्र रामषरन इसी थाना क्षेत्र के ग्राम चांदपुर निवासी आषीष कुमार पुत्र अवधराम चौहान को गिरफ्तार किया। तलाषी के दौरान इनके पास से 550 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की। वहीं दूसरी तरफ कोतवाली देवा प्रभारी ने मुखबिर की सूचना पर चोरी की योजना बना रहे ग्राम जमुवासी मोड़ पर जनपद सीतापुर के थाना थानगांव के ग्राम महेषपुर निवासी अनुज कुमार पुत्र विश्राम चौहान और थाना मोहम्मदपुरखाला क्षेत्र के ग्राम गैसापुर मजरे बसारी निवासी राजेष चौहान पुत्र तुलसीराम को गिरफ्तार किया। तलाषी के दौरान इन लोगों के पास से पुलिस ने एक अवैध असलहा लोहे की सरिया और चाकू बरामद किया।

अपहरण की झूठी सूचना देने वाला युवक गिरफ्तार

बाराबंकी। थाना जहांगीराबाद अन्तर्गत बीती 17 जून की दोपहर को एक युवक संदिग्ध अवस्था में लापता हो गया था युवक के भाई ने थाना जहांगीराबाद में अपने भाई की गुमषुदगी दर्ज करवायी थी। थाना प्रभारी की अथक मेहनत के बाद बीती 21 जून को गुमषुदा युवक जनपद देवरिया में पुलिस ने बरामद किया घटना के पीछे युवक का सारा नाटक जो उसने अपने अपहरण की झूठी सूचना देकर घर से पैसा वसूलने के लिए रचा था। थाना प्रभारी ने युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की तैयारी शुरु कर दी है। जानकारी के अनुसार बीती 17 जून को थाना जहांगीराबाद के ग्राम उसरहा मजरे रसूलपुर किदवाई निवासी राजकुमार सिंह पुत्र रामसूरत सिंह संदिग्ध अवस्था में घर से लापता हो गया था रात्रि को राजकुमार ने घर के परिजनों को फोन करके यह सूचना दी कि उसका बदमाषों ने अपहरण कर लिया है और घर में बंधक बनाये हुए हैं। यह लोग 10 लाख रुपये मांग रहे हैं। इसके बाद जब उसने दूसरी बार अपने घर के सदस्यों को फोन किया तो उसने बताया कि मुझे जंगल में कैद करके रखा गया है। 18 जून की सुबह राजकुमार के बड़े भाई अजय कुमार सिंह ने थाना जहांगीराबाद में जा करके सारी घटना बतायी और गुमषुदगी का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस अधीक्षक के निर्देष पर जांच पड़ताल शुरु हुई और उसके बाद एक पुलिस टीम जनपद देवरिया गयी और राजकुमार को सकुषल बरामद कर थाने ले आयी। घटना के सम्बन्ध में थाना प्रभारी ने बताया कि राजकुमार ने क्षेत्रीय लोगों से काफी पैसा उधार लिया था जिन लोगों से उसने उधार पैसा लिया था वह लोग उससे अपना पैसा मांग रहे थे। इसी के लिए राजकुमार ने अपने अपहरण की झूठी कहानी रची और खुद 17 जून को घर से बिना बताये चला गया था। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस को गुमराह करने के कारण राजकुमार के विरुद्ध उचित कार्यवाही की जा रही है।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा मे अंषिका ने मारी बाजी

टिकैतनगर, बाराबंकी(आरएनएस)। नगर पंचायत टिकैतनगर के मोहल्ला धधवारा में स्थित एसएम एजुकेशनल एकेडमी मे पढ़ने वाली कक्षा 8 की छात्रा अंशिका जायसवाल ने अखिल विष्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा भारत व नेपाल मे वर्ष 2023–24 में आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा मे लाखो बच्चों के बीच होने वाली प्रतियोगिता में जनपद बहराइच की छात्रा टिकैतनगर मे अपने मामा के यहाँ रह कर पढ़ाई कर रही। एसएम एजुकेशनल एकेडमी की छात्रा अंशिका जायसवाल ने पूरे बाराबंकी जिले मे प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने परिवार व स्कूल का नाम किया रोशन इस दौरान एसएम एजुकेशनल एकेडमी के प्रबंधक श्याम सुंदर कसेरा ने छात्रा के घर पहुंच कर माला पहनाकर व मीठा खिलाकर बिटिया को व पूरे परिवार को बधाई दी। इस मौके पर प्रबंधक श्याम सुन्दर कसेरा ने बताया कि इस परीक्षा को पास करवाने के लिए हम अपने जितने छात्र छात्राएं फॉर्म भरे हुए थे उनको 2 घंटे की अलग से उसकी क्लास करवाते थे आज उसी का फल मुझे और मेरे स्कूल को प्राप्त हुआ है। इस मौके पर अशोक गुप्ता, राजेश शर्मा, सभासद रवि गुप्ता, अजय चौधरी, रौनक सिंह सहित कई लोग मौके पर मौजूद रहे।

कार्य परिषद के सदस्य नामित हुए कौषलेन्द्र

रामनगर बाराबंकी(आरएनएस)। पीजी कॉलेज रामनगर के प्राचार्य प्रोफेसर कौशलेंद्र विक्रम मिश्र को डा. राममनोहर लोहिया अवध विष्व विद्यालय अयोध्या की कुलपति डॉ प्रतिभा गोयल द्वारा कार्य परिषद का सदस्य नामित किया गया। जिसके चलते मुख्य नियंता डॉ राम कुमार सिंह सहित सभी प्राध्यापकों ने प्राचार्य को लड्डू खिलाकर खुशी व्यक्त की।

विष्वविद्यालय द्वारा कार्य परिषद का सदस्य नामित होने पर प्रोफेसर श्री मिश्र ने कहा कि विष्वविद्यालय द्वारा दिये गये उत्तर दायित्व का निर्वहन करने का प्रयास करूंगा।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 23 जून 2024
sheelshukla100@gmail.com

तीन बच्चों की मां का संदिग्ध परिस्थिति में फंदे से झूलता मिला शव

सुल्तानपुर(आरएनएस)। जिले में तीन बच्चों की मां की संदिग्ध परिस्थितियों में शनिवार को मौत हो गई। कमरे के अंदर उसका फंदे से शव झूलता मिला है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम में भेजकर जांच शुरू कर दिया है। मृतका के भाई ने निष्पक्ष जांच की मांग किया है। घटना बंधुआकला थानाक्षेत्र के अलीगंज ऊंचगांव तेलीयानी की है। अलीगंज चौकी अंतर्गत ऊंचगांव तेलीयानी में उस समय हड़कंप मच गया जब महिला का शव फांसी के फंदे से लटकता मिला। बताया जा रहा है कि गांव निवासी अरविंद कोरी का विवाह करीब 10 वर्ष पूर्व रेखा के साथ हुआ था। रेखा के तीन बच्चे हैं, जिसमें दो बेटियां और एक बेटा है। संदिग्ध अवस्था में बच्चों की परवाह किए बिना उसने ने फांसी का फंदा बनाया और झूल गई। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मायके वालों को पहुंची तो मायका पक्ष यहां आया। तो शव बेड पर पड़ा मिला। मृतका के भाई अरुण गौतम ने बताया कि कभी कोई विवाद दोनों में नहीं हुआ। हां जीजा को बाहर जाना था जिसके लिए पैसे कम पड़ रहे थे। इस पर हमारी बहन ने कहा कि हमारी मां से पैसे मांग लो। इस बात को लेकर दोनों में कुछ कहा सुनी हुई थी। बंधुआकला थाने के प्रभारी ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। उन्होंने कहा पीएम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दो किश्तों में लौटाया रिश्वत का पैसा

सब्सिडी दिलाने के नाम पर प्रभारी जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी द्वारा लिए कमीशन का मामला

सुलतानपुर(आरएनएस)। योगी सरकार के सख्त फरमान के बावजूद रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार थमने का नाम नहीं ले रहा है। रिश्वतखोर अफसरों पर सख्त कार्यवाही न होने से उनके हौसले बुलंद हैं और शासन–प्रशासन के साथ ही खुद की भी फजीहत करवाने से नहीं बाज आ रहे है। ताजा मामला जिला खादी ग्रामोद्योग विभाग से जुडा है। धनपतगंज विकास खंड क्षेत्र अंतर्गत लोहंगी गांव निवासी नीतू पत्नी श्रवण कुमार ने प्रधानमंत्री रोजगार योजना के तहत रोजगार स्थापना के लिए 15 लाख रूपये का लोन केनरा बैंक धनपतगंज से लिया था। योजना के तहत जिला खादी ग्रामोद्योग विभाग से लाभार्थी को 35 हजार की सब्सिडी दी जानी थी, लेकिन वर्षों बाद भी सब्सिडी नहीं दी गई। प्रभारी खादी ग्रामोद्योग अधिकारी राम सुरेश यादव द्वारा लाभार्थी से रिश्वत की मांग की गई। लाभार्थी ने 7500 रूपये खादी ग्रामोद्योग अधिकारी रामसुरेश यादव के खाते में ऑनलाइन भुगतान किया। इसके बाद भी सब्सिडी नहीं दी गई तो पीडिता ने मामले की शिकायत जनसुनवाई पोर्टल पर किया। इसकी भनक लगते ही रिश्वतखोर अधिकारी पीडिता का पैसा दो किस्तो में एक बार 7000 और दूसरी 500 रूपया ऑनलाइन वापस कर दिया। हालांकि यह प्रकरण उच्चाधिकारियों के भी संज्ञान में आया है।

बाइक से घर जा रहे पिता-पुत्र पर जानलेवा हमला

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। जमीनी विवाद को लेकर रास्ते में पहले से घात लगाकर बैठे चार लोगों ने पिता और बेटे पर लाठी डंडों से जानलेवा हमला कर मनसन्न किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। गुहार लगाने पर जब ग्रामीण पहुंचे तो हमलावर मौके से भाग गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां पर डॉक्टरों ने हालात गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक कुमारगंज थाना क्षेत्र के डफलपुर गांव में जमीन हिस्सेदारी को लेकर जनार्दन सिंह और सोनू सिंह के बीच काफी समय से विवाद चल रहा है। शनिवार को जनार्दन सिंह अपने बेटे रवि प्रकाश सिंह के साथ बाइक से कुमारगंज से अपने घर जा रहे थे। जैसे ही नगर पंचायत क्षेत्र स्थित नेमा पुरवा गांव के पास पहुंचे, कि पहले से घात लगाकर बैठे नरेंद्र सिंह, रिंकू सिंह, आनंद सिंह, सोनू सिंह ने उन्हें रोक लिया और लाठी डंडों से मारना पीटना शुरू कर दिया। गुहार लगाने पर स्थानीय लोग दौड़े तो चारों लोग मौके से भाग गए। सूचना पर पहुंची 112 पीआरबी पुलिस टीम ने घायल पिता पुत्र को इलाज के लिए सौ शैय्या अस्पताल कुमारगंज पहुंचाया। घटना की जानकारी मिलने के बाद प्रभारी निरीक्षक रतन सिंह पुलिस फोर्स के साथ अस्पताल पहुंचे, घटना के बारे में पीड़ितो से जानकारी ली। अस्पताल की इमरजेंसी में तैनात डॉ अमीर अतीक ने दोनों का प्राथमिक उपचार कर जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। प्रभारी निरीक्षक रतन सिंह का कहना है कि अभी पीड़ित की तरफ से कोई तहरीर नहीं मिली है फिलहाल जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी। जमीनी विवाद को लेकर ही बीते 14 जून को दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई थी। मारपीट में जनार्दन सिंह के छोटे बटे दिव्य प्रकाश सिंह को गंभीर छोटे आई थी। जिन्हें जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर किया था। पुलिस ने दोनों पक्षों से मिली तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। लेकिन एक सप्ताह बाद पुनः मारपीट होने पर पुलिस की कार्यवाही पर सवालिया निशान खड़ा हो रहा है।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर गोमती स्नान के लिए उमड़े श्रद्धालु, गोमती मित्रों ने रखा पूरा ध्यान

सुलतानपुर(आरएनएस)। ज्येष्ठ पूर्णिमा का स्नान, प्रयागराज, काशी, अयोध्या आदि धार्मिक नगरीयों के नदी तटों पर तो श्रद्धालु जुटते ही हैं सुल्तानपुर नगर क्षेत्र स्थित सीताकुंड धाम पर भी स्नान के लिए काफी श्रद्धालु पहुंचते हैं। गोमती मित्र मंडल परिवार को इस बात का पहले से ही अंदाज रहता है तो उनकी तैयारी भी तय रहती है। प्रातः. 5:00 से ही प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह के साथ गोमती मित्र अलग अलग टोलियों में मौजूद रहे, कोई सफाई व्यवस्था में, कोई तट पे तो कोई श्री शनिदेव नवग्रह मंदिर में, गोमती मित्र हर आने वाले श्रद्धालु की सुविधा का पूरा ध्यान रख रहे थे। स्नान के बाद सभी श्रद्धालुओं ने सीता कुंड धाम स्थित श्री शनि देव नवग्रह मंदिर में विधिवत पूजन अर्चन किया व सीता उपवन का भी भ्रमण किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह, मीडिया प्रभारी रमेश महेश्वरी, आलोक तिवारी, विपिन सोनी, सेनजीत कसौधन, डॉ कुंवर दिनकर प्रताप सिंह, राजेश पाठक, मुन्ना सोनी, राजेंद्र शर्मा, अजय प्रताप सिंह, विकास शर्मा, राजा भैया, अभय मिश्रा, अमन, अर्जुन यादव आदि उपस्थित रहे।

कैम्ब्रिज चेकप्वाइंट परीक्षा में सी.एम.एस. छात्रों ने लहराया अपने मेधात्व का परचम

लखनऊ, 22 जून। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर द्वितीय कैम्पस के कैम्ब्रिज इण्टरनेशनल के मेधावी छात्रों ने कैम्ब्रिज इण्टरनेशनल एजूकेशन, लंदन के तत्वावधान में आयोजित चेकप्वाइंट परीक्षा में अभूतपूर्व प्रदर्शन कर विश्व पटल पर लखनऊ का नाम रोशन किया है। इस प्रतिष्ठित अन्तर्राष्ट्रीय परीक्षा में जहाँ एक ओर प्राइमरी सेक्शन के छात्र दर्श अग्रवाल एवं आयरा शफाकत ने गणित एवं विज्ञान में पूरे 100 प्रतिशत अंक अर्जित किये हैं तो वहीं दूसरी ओर लोअर सेकेण्डरी सेक्शन के छात्र कार्तिक अरोड़ा ने गणित में, अनुष्का सिंह ने विज्ञान में जबकि अतुल्य त्रिपाठी ने इंग्लिश एवं गणित में पूरे 100 प्रतिशत अंक अर्जित कर अपने मेधात्व कर परचम लहराया है। इसके अलावा, अर्णव द्विवेदी, अदिति सिंह, अविराज सिंह, पलक सिन्हा, शाम्भवी मित्तल एवं मिस्टी अग्रवाल को अलग–अलग विषयों में सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सम्मानित किया गया है। चेकप्वाइंट परीक्षा छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा को अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर परखने व उसे और निखारने व संवारने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है। इस परीक्षा के अन्तर्गत प्रतिभागी छात्र अपनी रूचि के विषयों में शोध रिपोर्ट तैयार करते हैं, जिसके आधार पर छात्रों की प्रतिभा का परीक्षण किया जाता है। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने विद्यालय के सभी मेधावी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

मिल्कीपुर सर्किल के तीनों थानों पर पेश हुए 60 मामले

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। मिल्कीपुर सर्किल के तीनों थानों कुमारगंज, खंडासा और इनायत नगर पर आयोजित थाना समाधान दिवस में थाना क्षेत्र से 60 फरियादियों ने अपनी शिकायतें पेश की। जिनमें मात्र 01 मामले का निस्तारण मौके पर थाना प्रभारियों द्वारा करा दिया गया। शनिवार को इनायत नगर थाने पर उप जिलाधिकारी मिल्कीपुर राजीव रत्न सिंह की अध्यक्षता में आयोजित थाना समाधान दिवस में किनौली प्रधान सुशीला यादव ने शिकायती पत्र देते हुए आरोप लगाया कि जंगल–झाड़ी व नवीन परती भूमि पर गांव के ही रामकरन द्वारा छप्पर आदि रखकर अवैध कब्जा किया जा रहा है। ग्राम प्रधान का यह भी आरोप है कि उक्त मामले की शिकायत उप जिलाधिकारी मिल्कीपुर सहित संपूर्ण समाधान दिवस में किए जाने के बाद मौके की जांच करने पहुंचे एसडीएम राजीव रत्न सिंह ने क्षेत्रीय लेखपाल को अवैध कब्जे को हटाए जाने का निर्देश भी दिया था लेकिन आज तक लेखपाल द्वारा अवैध कब्जे को नहीं हटवाया गया। थाना समाधान दिवस में क्षेत्र से 19 शिकायतें पेश हुई जिनमें मौके पर एक भी शिकायत का निस्तारण नहीं कराया जा सका। दिवस में पुलिस क्षेत्राधिकारी सुनील कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक अभिमन्यु शुक्ल सहित राजस्व कर्मी मौजूद रहे। कुमारगंज थाने पर थानाध्यक्ष रतन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित थाना समाधान दिवस में थाना क्षेत्र से 16 फरियादियों ने अपनी शिकायतें पेश की। जिनमें एक भी शिकायत का मौके पर निस्तारण नहीं हो सका।

जिम्मेदार देखते रह गये, शिकारियों ने झील से निकाल ली मछलियां

- एसडीएम ने कहा जिम्मेदार बच नहीं पायेंगे

सोहावल– अयोध्या(आरएनएस)। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार हो रही समदा झील पक्षी विहार परियोजना की सुरक्षा करने में प्रशासन फेल हो गया। पिछले छः माह से इसे निशाने पर लेकर लूट मचाने वालो ने झील की सारी मछलियां शिकार कर निकाल ली और जिम्मेदार देखते रह गए। शुक्रवार को सूखी समदा में बचे खुचे पानी के बीच जीवन खोज रही मछलियों को दर्जनों शिकारियों ने दिन दहाड़े शिकार किया और हजारों का माल लेकर चंपत हो गए न पर्यटन विभाग के चारो सुरक्षा कर्मी दिखाई पड़े न ही एस डी एम के आदेशित पूरा कलंदर थाने की पुलिस नजर आई। राम नगरी के पर्यटन से जुड़ी लगभग 67 हे0 में फैली समदा झील को पक्षी विहार योजना के तहद विकसित करने की तीन वर्ष पहले शुरू हुई योजना में अब तक 9 करोड़ से ज्यादा की धनराशि ए डी ए खर्च कर चुका है। मनरेगा से बांध बनाकर पक्षियों को सुरक्षित और आकर्षित करने के लिए बड़े बड़े टीलो का निर्माण, लाखो वृक्ष, फूल पत्ते छायादार पेड़ों में पर्यटकों के घूमने बैठने की व्यवस्था जैसे प्रबंध अब सैकड़ों शैलानियो को आकर्षित करने लगे है। इको सिस्टम से तैयार हो रही इस झील में कई लाख की मछलियां पूरी झील में आने वालो का आकर्षण बनी हुई थी लेकिन कुछ स्थानीय ग्रामीणों ने खुन्नस बस इसे निशाने पर लेकर मौका पाते ही मछलियों का शिकार करना शुरू कर दिया। कई बार पकड़े गए लेकिन पुलिस और तहसील प्रशासन से भ्रष्टाचार की रस्सी पकड़ निकल गए। प्रशासन की कमजोर नस का फायदा उठाते अब तक लूटते आए दर्जन भर से ज्यादा शिकारियों ने शुक्रवार को दिन दहाड़े झील के एक हिस्से में घंटो जाल लगाकर मछलियों का शिकार किया और चलते बने जब तक प्रशासन जागता बहुत देर हो चुकी थी। एस डी एम सोहावल अशोक कुमार सैनी ने बताया कि जिन लोगों को सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। इन्हे तलब किया जायेगा। वायरल वीडियो को देख कर शर्मिंदगी महसूस हो रही है। लूट मचाने वाले बच नहीं पायेंगे।इन्हे चिन्हित कर केस दर्ज कराया और जेल भेजा जायेगा।

राज्यपाल ने अवध विवि की कुलपति को प्रशस्ति–पत्र देकर किया सम्मानित

–25 लाख 93 हजार 275 योग शपथ के साथ बना गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड

अयोध्या(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने ऑनलाइन योग शपथ में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड के लिए 12 राज्य विश्वविद्यालय के साथ डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया। शुक्रवार को अपराह्न राजभवन में आयोजित सम्मान कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से एक लाख तेईस हजार छह सौ सरसठ योग शपथ दिलाने के लिए कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि 12 से 18 जून तक ऑनलाइन योग शपथ ग्रहण कराने में 34 राज्य विश्वविद्यालयों ने हिस्सा लिया था जिनमें 12 विश्वविद्यालयों ने एक लाख से अधिक शपथ दिलाने वाले विश्वविद्यालयों को सम्मान के लिए आमंत्रित किया गया। 25 लाख 93 हजार 275 के योग शपथ के साथ गिनीज बुक वर्ल्ड रिकार्ड में उत्तर प्रदेश पहला प्रदेश बना। राज्यपाल ने बताया कि समाज की बेहतरी के लिए सभी विश्वविद्यालय योग को अपनाये और आने वाली पीढ़ी को योग के प्रति जागरूक करें। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने बताया कि राज्यपाल की दूरदर्शिता के हम सभी कायल है। उनके प्रयास शिक्षा जगत की बेहतरी व भारत की अनमोल धरोहर योग को जन–जन तक पहुँचाने के लिए ऑनलाइन योग शपथ में विश्व कीर्तिमान बना। उन्होंने बताया कि इस ऑनलाइन योग शपथ में विश्व कीर्तिमान बनाने के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी, छात्र–छात्राओं ने बढ़चढ कर हिस्सा लिया। इसके अतिरिक्त सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यो, अधीनस्थ कर्मचारियों व आम जनमानस के साथ प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकार बंधुओं का विशेष सहयोग रहा। उन्होंने ऑनलाइन योग शपथ को आमजन तक पहुँचाया। इस सम्मान समारोह में 12 विश्वविद्यालयों कुलपति, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ0 सुधीर एम बोबडे, राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी डॉ0 पंकज एल जानी, विश्वविद्यालय के योग नोडल समन्वयक प्रो0 संत शरण मिश्र, परीक्षा नियंत्रक उमानाथ, डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी, रवि मालवीय सहित अन्य विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं अधिकारीगण मौजूद रहे। विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर कुलसचिव डॉ0 अंजनी कुमार मिश्र, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, उपकुलसचिव डॉ0 रीमा श्रीवास्तव, दिनेश कुमार मौर्य, मोहम्मद सहील सहित समस्त संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, निदेशक, समन्वयक, शिक्षकों व कर्मचारियों ने कुलपति को बधाई दी।

प्रशासन की उदासीनता से किसानों की समस्याओंका नहीं हो रहा समाधान

-भाकियू ने अनिश्चितकालीन धरना चलाने का लिया निर्णय

बीकापुर–अयोध्या(आरएनएस)। भारतीय किसान यूनियन की मासिक पंचायत शहीद स्मारक तहसील परिसर बीकापुर के प्रांगण में जिला अध्यक्ष राम गणेश मौर्य की अध्यक्षता में संपन्न हुई ,पंचायत में बीकापुर तहसील क्षेत्र के किसानों की समस्याओं पर गहनता से अध्ययन किया गया, समस्या समाधान हेतु नायब तहसीलदार बीकापुर ,उपखंड अधिकारी विद्युत पंचायत में पहुंचकर बिन्दुवार वार्ता किया, भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी वार्ता से संतुष्ट नहीं हुए और समस्या समाधान होने तक अनिश्चितकालीन धरना चलाने का निर्णय लिया।पंचायत को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा ने कहा कि किसानों मजदूरों की छोटी–छोटी समस्याएं हैं जो तहसील प्रशासन के उदासीनता के कारण समाधान नहीं हो पा रहे हैं नाली, चकमार्ग व ग्राम समाज की भूमियों से अवैध कब्जा हटाने की जिम्मेदारी राजस्व प्रशासन की है राजस्व प्रशासन अपनी जिम्मेदारी का निर्वाहन नहीं कर रहा है यहां तक की शिकायत करने के बाद भी अवैध कब्जे नहीं हटाए जा रहे हैं। छुट्टा जानवरो पकड़वाकर गौशालाओं में जमा करके खेती को बचाया जाए और पशुओं पर गौशालाओं का टैक लगाया जाए, भयंकर गर्मी में पूरे वोल्टेज में विद्युत आपूर्ति प्रतिदिन कम से कम 20 घण्टे करते हुए विद्युत बिल बकाया होने पर कनेक्शन न काटने की मांग की गई। जिला अध्यक्ष राम गणेश मौर्य ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी के फैसले को सुनाते हुए सभी पदाधिकारी को निर्देशित किया कि एक हफ्ते के अंदर 25 साधारण सदस्य बनाकर स्वयं सक्रिय सदस्य बन जावे अन्यथा की दशा में पदाधिकारी नहीं रहेंगे। राम गणेश मौर्य कहां की अगर किसानों को इज्जत के साथ जीना है और अपनी समस्याओं का समाधान करना है तो भारतीय किसान यूनियन को मजबूत करना होगा। भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता ध्पदाधिकारी अधिकारियों के वार्ता व आश्वासन से संतुष्ट नहीं हुए और एक–एक समस्याओं के समाधान होने तक अनिश्चितकालीन धरना चलाने का निर्णय लिया। पंचायत को देवी प्रसाद वर्मा, तुलसीराम गोस्वामी, संतोष वर्मा, गब्बर गोस्वामी, मोहम्मद अली, जगदीश यादव, जितेंद्र कुमार, मस्तराम वर्मा, मंसाराम वर्मा ,बुधराम मौर्य, नाथूराम यादव, रामसहाय वर्मा,

बस की चपेट मे आने से वृद्ध महिला की हुई मौत

सोहावल– अयोध्या(आरएनएस)। रौनाही थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी सत्तीचौरा क्षेत्र में महोली ग्राम सभा मजरे सैदपुर निवासिनी 70 वर्षीय छविराजी शर्मा पत्नी सीता राम शर्मा की निजी बस की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गयी।घटना की सूचना पर पहुंचे चौकी प्रभारी एस एन सिंह ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया। इस सम्बन्ध में चौकी प्रभारी ने बताया कि मृतका बरसेंडी गांव के सामने सड़क पार कर रही थी।इसी बीच अयोध्या से लखनऊ की ओर जा रही बस संख्या यूपी 58टी 7711 की चपेट में आ गयी।चपेट में आने से महिला की मौत हो गयी।जिसका पंचनामा करके शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है। वाहन को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में लिया गया है।

पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री श्री अनीस मंसूरी ने किया हज यात्रियों का स्वागत

लखनऊ, पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री श्री अनीस मंसूरी के नेतृत्व में 4दर्जन से अधिक लोगों ने आज अमौसी एयरपोर्ट पर हज 2024 के हज यात्रियों क पहुंच कर माला पहना कर स्वागत किया और हज यात्रियों से उनका हाल चाल जाना, हज यात्रियों को मक्का,मदीना, मिना में होई दुशवारियों के बारे में पोछा, बहुत से हाजियों ने खादिमूल हुज्जाज की अनदेखी और मिस मैंनेजमेंट की शिकायत की, किसी ने बिल्डिंग में टुटे फर्श, गंदे बाथरूम,और टुटे बेड मिलने की बात कही, अनीस मंसूरी ने हज यात्रियों से बात करके उनकी परेशानियों को नोट किया है और अभी आने वाले हाजियों से बात कर हज के दौरान आने वाली परेशानियों को नोट कर माननीय प्रधानमंत्री जी को मेमोरेंडोम के रूप में भेजेंगे ताकि आने वाले 2025 के हज यात्रियों को परेशानियों का सामना ना करना पड़े और अल्पसंख्यक कार्यमंत्राला भारत सरकार और हज कमेटी ऑफ इण्डिया हज 2024 के हज यात्रियों को जो परेशानियां हुईं उन खामियों को दुरुस्त कर सकें।इस मौके पर पसमांदा मुस्लिम समाज के प्रदेश अध्यक्ष खुर्शीद आलम सलमानी, हाजी नसीम मंसूरी, अबू बक्र इदरीसी, मोहम्मद रिजवान पप्पू कुरैशी, कारी शफीक आलम कादरी, मौलाना अफरोज आलम, हाजी सलीम आजाद मक्की भाई, इरशाद भाई, मोहम्मद मजहरुद्दीन खान, इशतियाक मंसूरी, ऐजाज अहमद राईनी, इमरान खान, हाजी असलम मंसूरी, हाजी शफीक अहमद मंसूरी,जुनैद कुरैशी, शब्बीर मंसूरी, नरेन्द्र सिंह यादव, शिवा कश्यप, आदि

सर्किट हाउस में डीएम और विभिन विभागों के अधिकारियों के साथ की बैठक

अयोध्या(आरएनएस)। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा शनिवार को अयोध्या पहुंचे। यहां सर्किट हाउस में जिला अधिकारी और विभिन विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बाद में अल्पसंख्यक समाज के लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में नतमस्तक होने आए हैं। यहां जिला प्रशासन अल्पसंख्यकों को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ दे रहा है।अल्पसंख्यकों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही स्कीमों के बारे में आयोग अध्यक्ष ने कहा कि हर भारतीय के उत्थान के लिए 225 स्कीमें हैतो अल्पसंख्यकों के लिए 240 स्कीमें हैं। समस्या यह है कि इसके बारे में उनको जानकारी नहीं है। हम विभिन्न स्थानों पर जाकर धर्मगुरुओ, समाजसेवियों और शिक्षाविदों के साथ बैठक कर उनको बताते है कि आप जानकारी ले और सभी को बताएं। जिससे देश के लोग सभी योजनाओं का लाभ उठा सकें। रोहिंग्या मुसलमानों को लेकर उन्होंने कहा कि जो भारतीय नागरिक हैं उनको तो यहां सम्मान मिल रहा है और मिलना भी चाहिए लेकिन जो लोग भारतीय नहीं है उनको पहले ढंग से भारतीय होना पड़ेगा।भारत की सिटीजनशिप लेनी होगी। कहा जो लोग भारतीय नहीं है उनके उत्थान के लिए भारतीय क्या करें। दुनिया भर में नागरिकों के लिए सब लोग काम करते हैं जो अपने नागरिक नहीं है उनके लिए क्या होना चाहिए। आप हमारा देश छोड़कर जाए या कानून के मुताबिक नागरिकता लें। जो देश में घुसपैठ करने आए हैं वह हमारे देश में नही रह सकते है। प्रधानमंत्री की तारीफ करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक युग पुरुष है जिन्होंने देश को आर्थिक रूप से बहुत आगे बढ़ाया है। हर समस्या का समाधान करने की कोशिश की है। आज विदेश में भारत का नाम है। उन्हीं के कारण भारत के पासपोर्ट पर सही भारतीयों को इज्जत मिलती है।प्रधानमंत्री के कारण ही आज दुनिया भारत की ओर देख रही है। अध्यक्ष राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग इकबाल सिंह लालपुरा, आयोग उपाध्यक्ष केशरी के. देबू, सदस्य रिचेन लाम्हो एवं धन्यकुमार जिनप्पा ने शुक्रवार और शनिवार को जनपद अयोध्या का भ्रमण किया। जिला प्रशासन ने अल्पसंख्यकों के लिए चलायी गई योजनाओं से अवगत कराया। उनके द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर आपसी विचार विमर्श किया गया। जनपद अयोध्या में साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने को सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रशासन की भी सराहना की। पीएम मोदी और सीएम गयी। योगी आदित्यनाथ की सरकार की ओर से अल्पसंख्यकों के विकास एवं कल्याण को किये जा रहे प्रयासों की भी सराहना की।अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिनिधियों द्वारा दिये गये सुझावों से प्रशासन को अवगत कराया। चलायी जा रही योजनाओं के अधिक से अधिक प्रचार–प्रसार का भी निर्देश दिया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के साथ राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के दल में उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण भी सम्मिलित थे।

अतिक्रमण कारियों के कब्जे में तालाब की जमीन

–अतिक्रमण कारियों पर तहसील ब्लाक एवं ग्राम प्रधान के मेहरबान होने की शिकायत मुख्यमंत्री से

सोहावल–अयोध्या(आरएनएस)। विकास खण्ड क्षेत्र के गांव अरथर निवासी तेजबीर सिंह की अगुवाई में ग्रामीणों ने तालाब की भूमि पर अतिक्रमण किए जाने की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर की है।तेजबीर का आरोप है कि विकास खण्ड द्वारा चयनित 18 बीघे के आदर्श तालाब पर अतिक्रमणकारियों द्वारा कब्जा कर लिया गया है ।तहसील समाधान दिवस तथा एसडीएम सोहावल से कई बार शिकायत की गयी।संलिप्त लोगों की रहनुमाई करने वाले हल्का लेखपाल से कोई अतिक्रमण नहीं होने की रिपोर्ट लगाकर मामले को दबा दिये जाने के कारण ब्लाक द्वारा चिंहित आदर्श तालाब का काम अल्प अंश भूमि पर सौंद्रियकरण ब्लाक एवं ग्राम प्रधान कराना चाह रहे है।

आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करेंगे नगर निगम क्षेत्र में संचालित योग शिविर - महापौर

अयोध्या(आरएनएस)। नगर निगम के चार स्थानों पर निःशुल्क योग शिविरों का संचालन किया जाएगा। महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने इसके लिए कवच संस्था के साथ अनुबंध किया है। योग शिविर गुप्तारघाट, सूर्यकुंड, कौशलेश कुंज व अरुन्धती भवन में आयोजित होंगे। नगर निगम में रहने वालों को इससे योग के माध्यम से निरोग रहने का अवसर प्राप्त होगा।महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि योग से हमें मानसिक व शारीरिक लाभ प्राप्त होता है। नियमित योग करने से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। योग करने वाला व्यक्ति तनाव से मुक्त रहता है।

संपादकीय

दोषारोपण के बजाए जिम्मेदाराना रवैया अपनाना होगा

पश्चिम बंगाल में जलपाईगुड़ी के पास खड़ी कंचनजंगा एक्सप्रेस में पीछे से मालगाड़ी के टक्कर मार देने की घटना वाकई तकलीफदेह है। इस हादसे में रेलवे के अनुसार नौ लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हैं।

हालांकि अंदाजा है कि जितनी मौतें बताई जा रही हैं, इससे कहीं ज्यादा लोग मारे गए हैं। हादसे में तीन बोगियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई। तीन बोगियां पटरी से ही उतर गई और कई हवा में लहरा गई। यह टक्कर बहुत जोरदार थी। कहा जा रहा है कि ऑटोमैटिक सिग्नल खराब होने के कारण कंचनजंगा एक्सप्रेस दो स्टेशनों के बीच रुकी रही।

रेलवे का कहाना है कि मालगाड़ी का चालक तय मानक गति से ज्यादा स्पीड पर ट्रेन चला रहा था। उसने सिग्नल की अनदेखी की, जबकि नियमानुसार उसे खराब सिग्नलों को तेजी से नहीं पार करना था। साथ ही हर खराब सिग्नल पर एक मिनट के लिए ट्रेन को रोका जाना चाहिए और दस किलोमीटर की रफ्तार से ही आगे बढना चाहिए। हालांकि उस चालक की मौके पर ही मौत हो गई। इस पर रेल संगठन द्वारा आपत्ति भी जताई गई कि जांच के बगैर चालक को हादसे का जिम्मेदार ठहराना अनुचित है।

हादसे के बाद रेलवे द्वारा तैयार ट्रेन से जुड़े हादसों को रोकने के लिए कवच सिस्टम की याद आई है, जिससे एक ही ट्रैक पर ट्रेनों की टक्कर से बचा जा सकता है। यह अत्याधुनिक ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटक्शन सिस्टम है। ओडिशा के बालासोर में हुए हादसे के बाद इस कवच सिस्टम को लागू करने की बातें खूब की गई थीं। हैरत है, इतना वक्त बीतने के बाद भी उसे केवल साउथ सेंट्रल रेलवे के कुछ रूट में ही लगाया जा सका है। इसे सीधे तौर पर सरकारी तंत्र की लापरवाही ही माना जाएगा।

रेल मंत्रालय के अनुसार इस पर काम चल रहा है, मगर जब हमारे पास इतनी बेहतरीन प्रणाली मौजूद है तो उसे लागू करने में किस स्तर की ढिलाई बरती गई, जानना भी जरूरी है। यदि यह हादसा मानवीय भूल है तो भी जरूरत से ज्यादा या नियमों की अनदेखी करते हुए बढ़ाई गयी रफ्तार के लिए अन्य संबंधित विभाग भी कम जिम्मेदार नहीं हो सकते।

रेल परिवहन टीम वर्क है। इसके लिए दोषारोपण के बजाए जिम्मेदाराना रवैया अपनाया जाना चाहिए। आधुनिक तकनीक और बेहतरीन पण्रालियों के युग में इस तरह की दुर्घटनाओं से रेलवे की साख गिरने बचाने के प्रयास किया जाना जरूरी है। क्योंकि ऐसी घटनाओं से न केवल जनता का विश्वास डगमगाएगा, बल्कि रेलवे की कमाई पर भी असर पड़ेगा।

००

पाठों में बदलाव

साकारात्मक नजरिया

राष्ट्रीय शैक्षिक एवं अनुसंधान और प्रषिक्षण परिषद् (ह्रष्टश्वक्रञ्ज) की पुस्तकों में पढ़ाए जाने वाले पाठों में बदलाव की शुरुआत साकारात्मक नजरिए से हो गई है।

अब 12वीं कक्षा की राजनीति विज्ञान की किताब में से बाबरी मस्जिद, हिंदुत्व की राजनीति 2002, गुजरात दंगों से जुड़े पाठ को हटा दिया है। इसकी जगह श्राम जन्मभूमि आंदोलन की विरासत क्या हैच इस पाठ को जोड़ा गया है। इससे पहले इतिहास की पुस्तकों में राखीगढ़ी और आर्यों के मूल स्थान से जुड़े पाठ जोड़े गए हैं।

एनसीआरटी की पुस्तकों में वाकई सकारात्मक बदलाव हो रहे हैं। इसके पहले भारतीय ज्ञान प्रणाली के संदर्भ में महरौली के लौह स्तंभ के बारे में भी बताया गया है। ऋग्वेद में लोहे के आविष्कार के बारे में बताया गया है। इसी क्रम में सोना, तांबा और कांसा धातुओं के अविष्कार किए गए। अतएव ऐसे पाठों को जोड़ना भारतीय विज्ञान की विरासत को छात्रों के सामने लाना है। इसी क्रम में भारत के इतिहास में आर्य अब आक्रामणकारी नहीं, बल्कि भारतीय मूल के रूप में दर्शाए गए हैं।

21 वर्ष की खींचतान और दुनियाभर में हुए अध्ययनों के बाद आखिरकार यह तय हो गया कि श्आर्य सभ्यताच्य भारतीय ही थी। राखीगढ़ी के उत्खनन से निकले इस सच को देश के पाठ्यक्रमों में शामिल करने का श्रेय श्राखीगढ़ी मैन्च के नाम से प्रसिद्ध हुए प्राध्यापक वसंत शिंदे को जाता है। एनसीईआरटी की कक्षा 12वीं की किताब में बदलाव किया गया है। इसमें इतिहास की पाठ्य पुस्तक में श्ईट, मोती और हड्डियां रू हड़प्पा सभ्यताच्य नामक पाठ में आर्यों को मूल भारतीय होना बताया है। इसके अलावा कक्षा 7, 8, 10 और 11 के इतिहास और समाजशास्त्र के पाठ्यक्रमों में भी बदलाव किया गया है। इतिहास तथ्य और घटना के सत्य पर आध ाारित होता है।

इसलिए इसकी साहित्य की तरह व्याख्या संभव नहीं है। विचारध ाारा के चश्मे से इतिहास को देखना उसके मूल से खिलवाड़ है, परंतु अब आर्यों के भारतीय होने के संबंधी एक के बाद एक शोध ा आने के बाद इतिहास बदला जाने लगा है। इस सिलसिले में पहला शोध स्टेनफोर्ड विविद्यालय के टॉमस कीवीशील्ड ने किया था। 2003 में श्अमेरिकन जर्नल ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्सच्य में प्रकाशित इस शोध–पत्र में सबसे पुरानी जाति और जनजाति के वशांणु (जीन) के आधार पर आर्यों के भारत का मूल निवासी बताया गया था। हालांकि वर्ष 2009 में वाराणसी हिंदू विविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो लालजी सिंह और प्रो. थंगराज ने भी आनुवांशिक परीक्षण के बाद आर्यों को मूल भारतीय बताया था। 2019 में प्रो. वसंत शिंदे द्वारा राखीगढ़ी उत्खनन से मिले 4000 साल पुराने वंशाणु की जांच में सबसे बड़ा सच सामने आया। शोध ा में पाया गया कि राखीगढ़ी से मिला जीन वर्तमान के प्रत्येक भारतीय व्यक्ति में उपलब्ध है। इसके आधार पर यह तथ्य स्थापित हुआ कि भारतीय सभ्यता और संस्कृति आर्यों द्वारा निर्मित है। एनसीआरईटी के इतिहास पाठ्यक्रम निर्धारण समिति के अध्यक्ष बनने पर प्रो. शिंदे ने इस तथ्य के आधार पर पाठ्यक्रम में संशोध ान कराए हैं। इसी पुस्तक में मराठा शासक छत्रपति शिवाजी के नाम के साथ छत्रपति और महाराज जोड़ा गया है। इसी तरह कक्षा 12वीं के समाजशास्त्र विषय के पाठ्यक्रम से सांप्रदायिक दंगों के चित्र हटाए गए हैं। इतिहास पुस्तकों में यह बदलाव सिनौली–राखीगढ़ी में हुए उत्खननों में मिले साक्ष्यों के आधार पर संभव हुआ है। प्रोफेसर शिंदे ने राखीगढ़ी के उत्खनन के समय बताया था कि अलग–अलग खुदाई में 106 से भी ज्यादा नर–कंकाल मिले हैं। साथ ही भिन्न आकार व आकृति के हवन–कुंड और कोयले के अवशेष मिले हैं। तय है भारत में 5000 साल पहले हवन होते थे। यहीं सरस्वती और इसकी सहायक दृश्यवंती नदी के किनारे हड़प्पा सभ्यता के निशान मिले हैं। ये लोग सरस्वती की पूजा करते थे। आनुवांशिक संरचना के आधार पर हैदराबाद की संस्था श्सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजीच्य के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए इस शोध से जो निष्कर्ष सामने आए थे, उनसे स्पष्ट हुआ था कि मूल भारतीय ही श्आर्यच्य थे। पाश्चात्य इतिहास लेखकों ने पौने दो सौ साल पहले जब प्राच्य विषयों और प्राच्य विद्याओं का अध्ययन शुरू किया तो बड़ी कुटिल चतुराई से जर्मन विद्वान व इतिहासविद् मैक्समूलर ने पहली बार श्आर्यच्य शब्द को जाति सूचक शब्द से जोड़ दिया।

बाहरी बनाम उड़िया की जंग में खेत रहे नवीन

इतिहास हमेशा विजेता का ही है। इस लिहाज से देखें तो आज के उड़ीसा का इतिहास बीजेपी का है। लेकिन सवाल यह है कि नवीन पटनायक ने गलती कहां की? नवीन पटनायक ने विवाह नहीं किया है। उनके पिता बीजू पटनायक पहले कांग्रेस में थे, बाद के दौर में वे जनता परिवार की अहम हस्ती रहे।साल 2000..संसद का बजट सत्र चल रहा था..मार्च के पहले हफ्ते का कोई दिन था.. लोकसभा में मंत्रियों वाली सीट की ओर एक सांसद धीरे–धीरे बढ़ रहा था..उस शख्स को देख लोकसभा की प्रेस गैलरी में हलचल मच गई..इस हलचल पर नीचे बैठे कुछ सांसदों की निगाह पड़ी..उनकी भी निगाह उसी ओर चली गई, जिधर रिपोर्टर देख रहे थे..इस बीच तत्कालीन सत्ताधारी गठबंधन के सांसदों की हथेलियां मेजों को थपथपाने लगीं..देखते ही देखते इस हथेली कोरस में समूचे सदन की हथेलियां जुड़ गईं..क्या सत्ता पक्ष, क्या विपक्ष, हर सांसद की थपेली जैसे एक लय में मेजों को थपथपाने लगीं थी..इस कोरस में शामिल नहीं था, तो संसद के कर्मचारी और अधि ाकारी, जिन्हें नियम–कानून इसकी अनुमति नहीं देते..सांसदों के इस अभूतपूर्व स्वागत से उस शख्सियत का अभिभूत होना स्वाभाविक था..इस औचक घटना के बाद वह व्यक्ति विनम्रता से और भर उठा.. वह शख्सियत थे वाजपेयी सरकार के इस्पात मंत्री नवीन पटनायक...फरवरी 2000 में हुए उड़ीसा विधानसभा चुनाव में उनकी अगुआई में बीजू जनता दल ने 117 सदस्यीय विधानसभा में 68 सीटें जीत कर कांग्रेस के गढ़ को ध्वस्त कर दिया..अपने अस्तित्व के बाद बीजू जनता दल का वह पहला विधानसभा चुनाव था, जिसमें उसकी सहयोगी भारतीय जनता पार्टी थी, जिसने 38 सीटें जीती थीं..तब उड़ीसा में नया इतिहास रचा गया। राज्य के कद्दावर नेता रहे बीजू पटनायक के इकलौते इंजीनियर बेटे के तूफान में बंगाल की खाड़ी के किनारे की धरती से कांग्रेस उड़ गई। तब नया इतिहास रचा गया था। उस जीत के नायक का लोकसभा में सम्मान के लिए अगर उस कांग्रेस के सांसदों को भी मजबूर होना पड़ा था, उसकी वजह सिर्फ जीत नहीं, बल्कि उस शख्स की सादगी और विनम्रता रही। यह विनम्रता विगत 13 जून को भी भुवनेश्वर में नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में भी दिखी, जब भूतपूर्व शासक के रूप में नवीन पटनायक शपथ मंच पर पहुंचे। इसे संयोग कहें या कुछ और कि जिस बीजेपी की बैसाखी के सहारे नवीन पटनायक ने उड़ीसा में नया इतिहास रचा, उसी बीजेपी ने ठीक 24 साल बाद नवीन पटनायक को भूतपूर्व बना दिया। अठारहवीं लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में मिले सदमे से जब बीजेपी जूझ रही थी, उसी वक्त उड़ीसा ने पार्टी को सांत्वना देने का काम किया। राज्य की 21 लोकसभा सीटों में बीस पर एकतरफा जीत हासिल करके राज्य को एक तरह से कांग्रेस मुक्त बना दिया। विपक्ष को मिली इकलौती सीट नवीन पटनायक को मिली। इतिहास हमेशा विजेता का ही है। इस लिहाज से देखें तो आज के उड़ीसा का इतिहास बीजेपी का है। लेकिन सवाल यह है कि नवीन पटनायक ने गलती कहां की? नवीन पटनायक ने विवाह नहीं किया है। उनके पिता बीजू पटनायक पहले कांग्रेस में थे, बाद के दौर में वे जनता परिवार की अहम हस्ती रहे। जनता दल के नेता के रूप में राज्य के मुख्यमंत्री बने। जब तक बीजू पटनायक जिंदा रहे, तब तक नवीन अमेरिका में इंजीनियर की नौकरी करते रहे। लेकिन उनके निधन के बाद नवीन ने नई पार्टी बनाई और बीजू पटनायक की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाया। 2000 के चुनावों में जिस बीजेपी के साथ वे सत्ता की सीढ़ी नापने में कामयाब रहे, उस बीजेपी से उन्होंने बाद के दिनों में अपना रिश्ता तोड़ लिया और देखते ही देखते उड़ीसा के सबसे लोकप्रिय शख्सियत बन गए। यह लोकप्रियता बाद के हर चुनाव में दिखी, चाहे वह विधानसभा का हो या लोकसभा का या फिर पंचायती चुनाव। लेकिन अपने आखिरी कार्यकाल में उन्होंने गलतियां शुरू की। तमिलनाडु मूल के आईएएस अधिकारी वीके पांडियन उनके करीबी बनकर उभरे। विध ाानसभा चुनावों के ठीक पहले पांडियन ने इस्तीफा दे दिया और बीजू जनता दल में नवीन के अघोषित उत्तराधिकारी के रूप में उभरते चले गए। उन्होंने चुनाव अभियान में खूब मेहनत की। उड़ीसा में यहां तक माना जाने लगा था कि आने वाले दिनों में अगर बीजू जनता दल को जीत मिलती है तो नवीन सिर्फ नाम मात्र के मुख्यमंत्री होंगे और पांडियन असली मुख्यमंत्री होंगे। जिस उड़ीसा के लोग पूरे देश में रोजगार और पढ़ाई के लिए फैले हुए हैं, जहां के सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की तूती अमेरिका के सिलिकॉन वैली तक में बोलती है, उसी उड़ीसा के लोगों का अपना स्वाभिमान जाग उठा। उन्हें नवीन पटनायक तो पसंद रहे, लेकिन उनके उत्तराधिकारी के रूप में वी के पांडियन पसंद नहीं रहे। उड़िया बनाम बाहरी का नारा लगा और भारतीय जनता पार्टी ने इसे जन नारा बना दिया। इसका असर यह हुआ कि बीजेपी ने उस नवीन पटनायक को किनारे लगा दिया, जिन्होंने कभी उसका हाथ झटककर उसे किनारे लगा दिया था। वी के पांडियन की पत्नी भी उड़ीसा में आईएएस अफसर हैं। सुजाता कार्तिकेयन और पांडियन की जोड़ी पिछले पांच साल में सबसे ज्यादा प्रभावी हुई। उड़ीसा ऐसा राज्य है, जहां कम पढ़े लिखे, और कई बार अनपढ़ आदिवासी आबादी के साथ ही सवर्ण और पढ़े–लिखे प्रभावी लोगों का बेहतर अनुपात है। आदिवासी समुदाय में चर्चों का प्रभाव है। चर्च के प्रभाव को रोकने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद यहां गहरे तक सक्रिय है। संघ विचार परिवार के मजबूत सांगठनिक पहुंच और पकड़ के चलते देखते ही देखते बीजेपी ने भी गांव–गांव तक अपनी पैठ बना ली। नवीन पटनायक की चूंकि उम्र बढ़ रही है और वे शादीशुदा नहीं है। लिहाजा मौजूदा चलन के मुताबिक, उनकी विरासत को बढ़ाने के लिए उनके परिवार में कोई रहा नहीं। बीजू जनता दल का संगठन भारतीय जनता पार्टी की तरह नहीं रहा, लिहाजा वहां दूसरी पंक्ति का नेतृत्व उभर नहीं पाया। पांडियन और उनकी बढ़ती दखलंदाजी और प्रभाव के चलते बीजू जनता दल के कद्दावर नेता अलग होते चले गए। उनमें से ज्यादातर ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। इस बीच बीजेपी ने आदिवासी समुदाय में अपनी पैठ बनाई। आदिवासी समुदाय की द्रौपदी मुर्मू को देश के सर्वोच्च पद पर विराजमान कराया। चुनाव जैसे–जैसे नजदीक आता गया, बीजेपी ने स्थानीय बनाम बाहरी के मुद्दे को खूब उछाला। हालांकि शुरूआत में ऐसा नहीं लग रहा था कि नवीन पटनायक को बड़ी चुनौती मिल सकेगी। बड़े से बड़े राजनीतिक पर्यवेक्षक यही मान रहे थे कि बहुत होगा तो लोकसभा में बीजेपी की सीटें बढ़ जाएगी। विधानसभा में भी बीजेपी की ताकत बढ़ेगी, लेकिन राज्य की सत्ता नवीन बाबू के ही हाथ रहेगी।

लेकिन स्थानीय बनाम बाहरी के मुद्दे के साथ ही बीजू जनता दल के नेताओं के पलायन से उड़ीसा में संदेश गया कि अगर नवीन बाबू को जीत मिलती भी है तो उनके हाथ सत्ता नहीं रहेगी। उन पर शासन करने वाला उनका अपना नहीं, तमिलनाडु का नेता होगा। बीजेपी ने चुनाव अभियान में इसे बार–बार उछाला। नवीन पटनायक 77 साल के हो गए हैं। उनका स्वास्थ्य भी साथ नहीं देता। राज्य में यह भी माना जाने लगा कि उनके स्वास्थ्य की ठीक से देखभाल नहीं की गई। दबी जुबान से यह भी कहा जाता रहा कि उनके स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली दवाएं दी गईं।

साधारण श्रेणी में कोई सुविधा नहीं

रजनीश कपूर

आँकड़ों के अनुसार 2014 से 31 मार्च 2023 तक 1117 रेल हादसे हो चुके हैं।ज्आम जनता जो कि साधारण श्रेणी में यात्रा करती है उसके लिये कोई भी नई सुविधा नहीं दी गई है। आबादी के बढ़ने पर आम जनता के लिए आम श्रेणी की गाड़ियों में भी बढ़ौतरी की जानी चाहिए थी, परंतु ऐसा नहीं हुआ। आँकड़ों के अनुसार बीते वित्तीय वर्ष में 2.70 करोड़ यात्री टिकट होने के बावजूद रेल में यात्रा नहीं कर पाए, क्योंकि उनका टिकट कन्फर्म नहीं हो पाया। इसी का नतीजा है कि ट्रेन में सफर करने वाले लोग ट्रेन की क्षमता से ज्यादा पाए जाते हैं।

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जिसने कभी ना कभी रेल यात्रा न की हो। रेलवे स्टेशन पर सुनाई देने वाली घोषणा की शुरुआत श्यात्रीगण कृपया ध्यान देंच से ही होती है। इसका उद्देश्य सभी मौजूद यात्रियों का ध्यान आकर्षित करना होता है। यह तो हुई एक साधारण बात। परंतु बीते कुछ वर्षों में हो रहे रेल हादसों के बाद से अब इस घोषणा का सीधा सम्बंध भारतीय रेल से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े मंत्रियों और अफसरों से है। बढ़ते हुए रेल हादसों के चलते अब भी अगर संबंधित मंत्री और अधिकारी नहीं जागेंगे तो कब जागेंगे?

देश की जीवन रेखा माने जाने वाली भारतीय रेल हर खास–ओ–आम आदमी के लिए देश के किसी भी कोने से दूसरे कोने तक यात्रा करने का सस्ता और भरोसेमंद साधन है। हर यात्री को इस बात का भरोसा होता था कि देर–सेवर वो अपने गंतव्य तक पहुँच ही जाएगा। ज्यों–ज्यों देश की आबादी बढ़ी सरकार ने रेल यात्रा में उचित सुधार भी किए।

आज भारत में रेलवे की कुल लंबाई 1,15,000 किलोमीटर है। भारतीय रेल रोजाना करीब 2 करोड़ 31 लाख यात्रियों और 33 लाख टन माल को ढोती है। यह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी रेलवे सेवा है। 12.27 लाख कर्मचारियों के साथ, भारतीय रेलवे दुनिया की आठवीं सबसे बड़ी व्यावसायिक इकाई है। भारतीय रेल के कार्यचालन के विभिन्न पहलुओं की देखभाल करने के लिए इसने 11 सरकारी क्षेत्र के उपक्रम भी है। भारत जैसे देश के लिए इतने बड़े स्तर पर यात्रा का साधन मुहैया कराने वाली भारतीय रेल पर देश को गर्व है। परंतु हर सिक्के के दो पहलू होते हैं।

बीते कुछ वर्षों में रेल मंत्रालय द्वारा कई ट्रेनों में जो बदलाव किए गए हैं वह एक ओर जहां यात्रियों द्वारा बधाई प्राप्त कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पूरे सिस्टम

में फैली अव्यवस्था को लेकर भारी विरोध भी झेल रहे हैं। यात्रियों की सुविधा की दृष्टि से रेल मंत्रालय ने अनेकों आधुनिक गाड़ियाँ भी चलाईं। जैसे–जैसे रेल यात्रा में सुविधा बढ़ी वैसे–वैसे किराये में भी वृद्धि हुई।

उल्लेखनीय है कि जिस कदर रेल के किरायों में वृद्धि हुई है उसमें यात्रा केवल वही लोग कर पा रहे हैं जो उस बढ़े हुए किराए का वहन कर सकते हैं। आम जनता जो कि साधारण श्रेणी में यात्रा करती है उसके लिये कोई भी नई सुविधा नहीं दी गई है। आबादी के बढ़ने पर आम जनता के लिए आम श्रेणी की गाड़ियों में भी बढ़ौतरी की जानी चाहिए थी, परंतु ऐसा नहीं हुआ।

आँकड़ों के अनुसार बीते वित्तीय वर्ष में 2.70 करोड़ यात्री टिकट होने के बावजूद रेल में यात्रा नहीं कर पाए, क्योंकि उनका टिकट कन्फर्म नहीं हो पाया। इसी का नतीजा हुआ कि आए दिन हमें यह देखने को मिलता है कि ट्रेन में सफर करने वाले लोग ट्रेन की क्षमता से ज्यादा पाए जाते हैं। इससे आरक्षित टिकट प्राप्त कर यात्रा करने वालों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है। क्या रेल मंत्रालय के अधिकारियों इस बात की जानकारी नहीं थी कि देश में बढ़ती हुई आबादी के चलते आवागमन में भी वृद्धि होगी? क्या जिन यात्रियों की टिकट कन्फर्म नहीं हुई और उन्हें उनके किराए की राशि वापिस की गई, इसकी संख्या में होती वृद्धि पर किसी का ध्यान नहीं गया? क्या जिन साध ाारण श्रेणी के डिब्बों को उच्च श्रेणी में तब्दील किया जाना उचित था? क्या उच्च श्रेणी की आधुनिक ट्रेनों को चलाने के लिए साधारण श्रेणी की ट्रेनों को रद्द करना उचित था? यदि समय रहते सही निर्णय लिया गया होता तो रेल में भीड़ के चिन्ताजनक दृश्य सामने नहीं आते।

एक ओर जहां किसी नई और आधुनिक रेल के उद्घाटन के समय जिस कदर मंत्री और अफसर श्रेय लेने के लिए आगे आते हैं, वह रेल में हो रही लापरवाहियों का जिम्मा लेने से बचते नजर आते हैं। आँकड़ों के अनुसार 2014 से 31 मार्च 2023 तक 1117 रेल हादसे हो चुके हैं। इनमें सैंकड़ों लोगों की जानें गई, हजारों की तादाद में लोग घायल हुए और करोड़ों की संपत्ति का भी नुकसान हुआ। परंतु इन हादसों से कोई सबकद्द नहीं लिया गया। गौरतलब है कि पिछले साल जून 2023 में देश में एक भीषण रेल हादसा बालासोर में हुआ था जहां लगभग 300 लोगों की जान गई और कद्दीब 900 घायल हुए।

इसके बाद इसी सप्ताह पश्चिम बंगाल में एक ओर रेल हादसा हुआ जिसने रेल सुरक्षा की पोल खोल कर रख दी। यहाँ एक तथ्य का उल्लेख करना आवश्यक होगा कि सीएजी की एक रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष में 20 हजार करोड़ रुपये आने थे। जिसमें 15 हजार करोड़ केंद्र सरकार द्वारा दिये जाते और 5 हजार करोड़ रेल मंत्रालय देता। परंतु चार साल बाद मात्र 4225 करोड़ ही आए और इन्हें भी गैर जरूरी मदों पर खर्च किया गया रेलवे सुरक्षा पर नहीं। सोचने वाली बात यह है कि अधिकतर दुर्घटनाओं में मानवीय त्रुटि बताई जाती है। यानी ट्रेन चलाने वाले या रेल की पटरियों और रेल ट्रैफिक को संचालित करने वाले, दुर्घटना के जिम्मेदार होते हैं। रेल मंत्री द्वारा संसद में दिये गये उत्तर के मुताबिकद्द रेलवे में 3.12 लाख रिक्त पद पड़े हैं। गौरतलब हैं कि ट्रेन चलाने वाले लोकोपायलट के 70093 पद स्वीकृत हैं जिनमें से 21 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। इसी के चलते मौजूदा लोकोपायलटों को लंबे समय तक ड्यूटी पर रहना पड़ता है। थकान और नींद के चलते ऐसे हादसे होना स्वाभाविक है।परंतु क्या देश में बढ़ती बेरोजगारी के चलते सरकार को इस ओर ध्यान नहीं देना चाहिए था? विपक्ष द्वारा बार–बार यह सवाल उठाया जा रहा है कि एक के बाद एक हादसे होने के बावजूद किसी भी तरह की नैतिक जिम्मेदारी लेने से बचने वाले रेल मंत्री का अपनी कुर्सी पर बने रहना कहाँ तक उचित है? क्या मंत्री जी इस बात पर ध्यान देंगे?

आज का राशिफल

मेष राशि आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स को आज किसी कंपनी से जॉब के लिए कॉल आ सकती है। साथ ही किसी नये कोर्स को ज्वॉइन करने के लिए आज का दिन शुभ है। प्राइवेट कंपनी में कार्यरत कर्मचारियों को आज काम के सिलसिले में विदेश यात्रा पर भी जाना पड़ सकता है।

वृष राशिरू आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। इस राशि के बिजनेसमैन आज किसी जरुरी काम से विदेश की यात्रा कर सकते हैं, यात्रा लाभदायक होगी। साथ ही जीवनसाथी की राय लेने से आपके बिजनेस को किसी बड़ी कंपनी से डील फाइनल करने में सफलता मिलेगी, जिससे घर में छोटी–सी पार्टी हो सकती है।

मिथुन राशिरू आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। अगर आज नये बिजनेस की शुरूआत करने की सोच रहें है तो आज का दिन आपके लिए शुभ है। आज किसी फ्रेंड से आपको सहयोग मिलेगा, जिससे आप कई दिनों से रुके कार्यों को पूरा कर लेंगे। जीवनसाथी के सहयोग से आपको किसी बड़े काम में सफलता मिलेगी।

कर्क राशिरू आज आपका दिन खास रहेगा। आज रास्ते में जाते समय आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है, जिसका फायदा आपको भविष्य में अवश्य मिलेगा। आज जीवनसाथी के साथ मिलकर घर के जरुरी कामों में हाथ बटा सकते हैं। जिससे आपके परिवार वालों को थोड़ा राहत महसूस होगा। बच्चों आज पार्क जायेंगे, साथ ही आईसक्रीम भी खा सकते हैं।

सिंह राशिरू आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। किसी काम को करने में आज आपके सामने कई बड़ी चुनौतियां आएंगी। जिसे आप धैर्य के साथ सॉल्व कर लेंगे। आज आपको अपनी कार्यशीलता के लिए सम्मानित किया जा सकता है। इस राशि के लोगों को आज के दिन कम्प्यूटर से रिलेटेड सामान खरीदना शुभ है। आज आपको माता–पिता से स्नेह मिलेगा। आप घर में आज छोटी पार्टी का आयोजन कर सकते हैं।

कन्या राशिरू आज पूराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपनाएंगे। आपके इस विचार को देखकर परिवार का मन उत्साह से भर जाऐगा। साथ ही आज घर पर अपना मनपसंद खाना खा सकते हैं। इस राशि के जो लोग अपने करियर की नई शुरुआत करने की सोच रहे है। आज उनके लिए दिन शुभ है।

तुला राशिरू आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। बिजनेस में आपको फायदा मिलने वाला है। कहीं दिया हुआ पैसा आज वापस मिलेगा, जिससे आप अपनी जरूरत का सामान खरीदेंगे। आज आपका स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा। इस राशि के लोग आज अपने जीवनसाथी के साथ किसी विदेश यात्रा का प्लान कर सकते हैं। साथ ही उन्हें किसी अच्छी मूवी के लिए ऑफर भी करेंगे।

वृश्चिक राशिरू आज आपका दिन राहत से भरा रहेगा। आज आप ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपके बिजनेस में फायदा कराएंगे। आर्थिक स्थिति में आज सुधार आएगा। आज आपको अपने जीवनसाथी के प्रति अपना व्यवहार सकारात्मक रखने की जरूरत है। लवमेट को एयर रिंग गिफ्ट कर सकते हैं।

धनु राशि रू आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज ऑफिस की तरफ से आप कोई बिजनेस मीटिंग के लिए जा सकते हैं। अपने मेल को एक बार अच्छे से चेक करके ही जाएं। साथ ही दोस्तों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

मकर राशिरू आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करेंगे। मार्केटिंग से जुड़े लोगों को तरक्की के कई सुनहरे मौके मिलेंगे। किसी बड़े बुजुर्ग की मदद करने से आपको खुशी महसूस होगी। आज किसी अजनबी पर आंख बंद करके विश्वास न करें।

कुंभ राशिरू आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज माता–पिता के साथ किसी रिश्तेदार के घर जायेंगे जहां आपको काफी अच्छा लगेगा। आपको अपने दोस्तों और काम के बीच संतुलन बनाकर रखना होगा।

मीन राशिरू आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। संचार सेवा और इंटरनेट से जुड़े लोगों के लिए भी आज का दिन अच्छा रहेगा। किसी विदेशी कंपनी से जॉब के लिए कॉल आ सकता है।

स्विटजरलैंड की अदालत के सजा सुनाने पर हिंदुजा परिवार स्तब्ध, अपील दायर की

ब्रिटेन के सबसे धनी परिवार हिंदुजा ने कहा है कि वह अपने कुछ सदस्यों को स्विटजरलैंड की अदालत द्वारा जेल की सजा सुनाये जाने के फैसले से स्तब्ध है और उन्होंने इसके खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील दायर कर इस निर्णय को चुनौती दी है।लंदन। ब्रिटेन के सबसे धनी परिवार हिंदुजा ने कहा है कि वह अपने कुछ सदस्यों को स्विटजरलैंड की अदालत द्वारा जेल की सजा सुनाये जाने के फैसले से स्तब्ध है और उन्होंने इसके खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील दायर कर इस निर्णय को चुनौती दी है। स्विस अदालत ने हिंदुजा परिवार के चार सदस्यों को जिनेवा स्थित अपने विला में घरेलू सहायकों का शोषण करने का दोषी पाया था। शुक्रवार को परिवार की ओर से जारी एक बयान में स्विट्जरलैंड के वकीलों ने अपने मुवक्किलों का बचाव करते हुए कहा कि प्रकाश और कमल हिंदुजा (दोनों की आयु 70 वर्ष) तथा उनके बेटे अजय और उनकी पत्नी नम्रता को मानव तस्करी के सभी आरोपों से बरी कर दिया गया है। उन्होंने जिनेवा स्थित अदालत के आदेश के बाद परिवार के किसी भी सदस्य को हिरासत में लिए जाने के मीडिया रिपोर्ट को भी खारिज कर दिया। वकील येल हयात, रॉबर्ट असैल और रोमन जॉर्डन द्वारा हस्ताक्षरित बयान में कहा गया है, "हमारे मुवक्किलों को मानव तस्करी के सभी आरोपों से बरी कर दिया गया है। प्रथम दृष्टया, इस अदालत में लिये गये बाकी निर्णय से हम स्तब्ध व निराश हैं और हमने निश्चित रूप से उपरी अदालत में

अपील दायर की है, जिससे फैसले का यह हिस्सा प्रभावी नहीं होगा।" स्विट्जरलैंड की एक आपराधिक अदालत ने शुक्रवार को हिंदुजा परिवार के चार सदस्यों को घरेलू सहायकों का शोषण करने के मामले में चार से साढ़े चार साल तक की जेल की सजा सुनाई। अदालत ने साथ ही, मानव तस्करी के आरोपों को खारिज कर दिया। भारतीय मूल के उद्योगपति प्रकाश हिंदुजा और उनकी पत्नी, बेटे व पुत्रवधू पर अपने नौकरों की तस्करी का आरोप लगाया गया था, जो जिनेवा में उनके आलीशान विला में काम करते थे। चारों आरोपी जिनेवा की अदालत में मौजूद नहीं थे, हालांकि परिवार का व्यवसाय प्रबंधक और पांचवां आरोपी नजीब जियाजी अदालत में मौजूद था। उसे 18 महीने की सजा सुनाई गई जो निलंबित रखी गई है। अदालत ने कहा कि चारों व्यक्ति कर्मचारियों का शोषण करने और अनधिकृत रोजगार देने के दोषी हैं।

अदन की खाड़ी में वाणिज्यिक जहाज को लक्षित कर विस्फोट किए

इस बीच, अमेरिकी अधिकारियों ने कथित हूती हमलों की प्रतिक्रिया में अमेरिकी जवाबी कार्रवाई का नेतृत्व करने वाले विमानवाहक पोत 'यूएसएस ड्वाइट डी. आइजनहावर' को लौटने का आदेश दिया है।यमन के हूती विद्रोहियों ने अदन की खाड़ी से गुजर रहे एक वाणिज्यिक जहाज को लक्षित कर विस्फोट किए। यह घटना संभवतः हूती विद्रोहियों द्वारा इस मार्ग से गुजरने वाले किसी जहाज को निशाना बनाने का ताजा मामला है।अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। इसी सप्ताह हूती विद्रोहियों के हमले में जहाज 'टूटर' के डूबने की घटना के बाद यह हमला किया गया है। 'टूटर' के डूबने की घटना से स्पष्ट है कि गाजा पट्टी में इजराइल–हमास संघर्ष के बीच महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग में जहाजों पर ईरान समर्थित हूतियों के हमले तेज हो गए हैं।इस बीच, अमेरिकी अधिकारियों ने कथित हूती हमलों की प्रतिक्रिया में अमेरिकी जवाबी कार्रवाई का नेतृत्व करने वाले विमानवाहक पोत 'यूएसएस ड्वाइट डी. आइजनहावर' को लौटने का आदेश दिया है।ब्रिटेन के समुद्री व्यापार संचालन केंद्र (यूकेएमटीओ) ने कहा कि शुक्रवार देर रात निशाना बनाए गए जहाज के कप्तान ने ''जहाज के नजदीक विस्फोट होते देखे''। यूकेएमटीओ ने बताया कि चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं और जहाज नजदीकी बंदरगाह की ओर बढ़ रहा है। हालांकि, इसने इस बात की जानकारी नहीं दी कि जहाज को कोई क्षति पहुंची है या नहीं।

चीन में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने लिया हिस्सा

अधिकारियों ने बताया कि साल दर साल विभिन्न शहरों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही

है, और इसमें खासकर युवाओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। बीजिंग में भारतीय दूतावास की ओर से शनिवार को आयोजित दो घंटे के लंबे कार्यक्रम में एक हजार से अधिक लोगों ने योग किया बीजिंग। पूर्वी लद्दाख में 2020 के सैन्य गतिरोध के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में आए तनाव के बावजूद चीन के सैकड़ों उत्साही लोगों ने शनिवार को 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। अधिकारियों ने बताया कि साल दर साल विभिन्न शहरों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है, और इसमें खासकर युवाओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। बीजिंग में भारतीय दूतावास की ओर से शनिवार को आयोजित दो घंटे के लंबे कार्यक्रम में एक हजार से अधिक लोगों ने योग किया। यह कार्यक्रम अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के एक दिन बाद सप्ताहांत की छुट्टी के दौरान आयोजित किया गया। चीन में भारत के राजदूत प्रदीप कुमार रावत, उनकी पत्नी श्रुति रावत और उप राजदूत अभिषेक शुक्ला के अलावा दूतावास के अधिकारी भी पुराने दूतावास परिसर में आयोजित विशेष कार्यक्रम में शामिल हुए। दूतावास से भारतीय संस्कृति के शिक्षक लोकेश शर्मा ने सामान्य योग शिष्टाचार का नेतृत्व किया, पुणे स्थित प्रसिद्ध कैवल्यधाम योग संस्थान के ध्यान विशेषज्ञ प्रो. डॉ. आरएस भोगल ने ध्यान पर विशेष सत्र आयोजित किए। कार्यक्रम चार संस्थानों – योगीयोग, वी योग, ओम शिव योग और हेमंत योग के सहयोग से आयोजित किया गया। भारतीय दूतावास में संस्कृति मामलों के प्रभारी (प्रथम सचिव) टी.एस. विवेकानंद ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि 'अष्टवक्रासन' (आठ कोण वाली मुद्रा) में हाथ आजमाने वाले विजेता को पुरस्कृत किया गया।

यर इण्डिया की उड़ान में बम विस्फोट मामले की जांच अब भी जारी है

कनाडा की पुलिस ने कहा है कि एअर इंडिया की उड़ान संख्या–182 को बम से उड़ाने की जांच अब भी जारी है। पुलिस ने इसे आतंकवाद के मामले की सबसे लंबी और सबसे जटिल जांच में से एक बताया है। पुलिस ने यह टिप्पणी विमान को बम से उड़ाने के 39 साल पूरे होने से तीन दिन पहले की है। ओटावा। कनाडा की पुलिस ने कहा है कि एअर इंडिया की उड़ान संख्या–182 को बम से उड़ाने की जांच अब भी जारी है। पुलिस ने इसे आतंकवाद के मामले की सबसे लंबी और सबसे जटिल जांच में से एक बताया है। पुलिस ने यह टिप्पणी विमान को बम से उड़ाने के 39 साल पूरे होने से तीन दिन पहले की है। मॉन्ट्रियल–नयी दिल्ली एयर इंडिया 'कनिष्क' उड़ान

संख्या–182 में 23 जून 1985 को लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतरने से 45 मिनट पहले विस्फोट हो गया, जिससे विमान में सवार सभी 329 लोग मारे गए थे। इनमें ज्यादातर भारतीय मूल के कनाडाई थे। यह बम सिख आतंकवादियों ने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' के जवाब में रखा था। यह अभियान अमृतसर में स्वर्ण मंदिर को आतंकवादियों से मुक्त कराने के लिए 1984 में चलाया गया था। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के सहायक आयुक्त डेविड टेबौल ने एक बयान में कहा कि बम विस्फोट की यह वारदात देश के इतिहास में कनाडाइयों की जान लेने वाली और उन्हें प्रभावित करने वाली आतंकवाद संबंधी सबसे भयावह घटना है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की। टेबौल ने कहा कि एअर इंडिया बम विस्फोट मामले की तफ्तीश देश के इतिहास में सबसे लंबी और घरेलू आतंकवाद से संबंधित सबसे जटिल जांच में से एक है। उन्होंने कहा, ''घटना संबंधी जांच के हमारे प्रयास सक्रिय रूप से जारी हैं।'' उन्होंने जोर देकर कहा कि बम विस्फोट का प्रभाव समय के साथ कम नहीं हुआ है और इससे उत्पन्न आघात ने पीढ़ियों को प्रभावित किया है। टेबौल ने कहा, ''हमें इस त्रासदी और अन्य आतंकवादी कृत्यों में हुई निर्दोष लोगों की मौतों को कभी नहीं भूलना चाहिए।'' वैंकूवर और टोरंटो स्थित भारत के वाणिज्य दूतावासों ने बम विस्फोट की वर्षगांठ पर स्मृति सभाएं आयोजित करने की योजना बनाई है।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 22 संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया

आतंकवाद–निरोधक विभाग के प्रवक्ता के अनुसार, इस सप्ताह पुलिस ने खुफिया सूचनाओं के आधार पर पंजाब के विभिन्न जिलों में अभियान चलाया तथा आईएसआईएस, तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और लश्कर–ए–झांगवी (एलईजे) के 22 संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया।लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पुलिस ने आईएसआईएस, टीटीपी और अन्य प्रतिबंधित संगठनों के 22 संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार कर एक बड़ी आतंकी साजिश को विफल करने का शनिवार को दावा किया। आतंकवाद–निरोधक विभाग के प्रवक्ता के अनुसार, इस सप्ताह पुलिस ने खुफिया सूचनाओं के आधार पर पंजाब के विभिन्न जिलों में अभियान चलाया तथा आईएसआईएस, तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और लश्कर–ए–झांगवी (एलईजे) के 22 संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि इन कथित आतंकवादियों को लाहौर, एटक, शेखपुरा, मुजफ्फरगढ़, ननकाना साहिब, बहावलपुर, डी जी खान, फैसलाबाद, मुल्तान, बहावलनगर और रावलिपंडी जैसे क्षेत्रों से गिरफ्तार किया गया। प्रवक्ता के अनुसार, संदिग्धों के पास से कथित रूप से 1645 ग्राम विस्फोटक, तीन हथगोले, एक आईईडी बम, 12 डिटोनेटर, एक पिस्तौल और प्रतिबंधित साहित्य सामग्री बरामद की गयी। उन्होंने कहा, ''गिरफ्तार किये गये आतंकवादियों ने पंजाब में गड़बड़ी फैलाने की साजिश रची थी और वे महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों एवं हस्तियों को निशाना बनाना चाहते थे।'' उन्होंने बताया कि पुलिस ने आतंकवादियों के खिलाफ 19 मामले दर्ज किये हैं और उन्हें पूछताछ के लिए अज्ञात स्थान पर ले जाया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बांग्लादेश की शेख हसीना के साथ द्विपक्षीय वार्ता की, संभावित व्यापार समझौते की उम्मीद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हैदराबाद हाउस में अपनी बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना के साथ द्विपक्षीय बैठक की, इससे पहले दिन में राष्ट्रपति भवन में उनका औपचारिक स्वागत किया गया था। नई दिल्लीरू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हैदराबाद हाउस में अपनी बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना के साथ द्विपक्षीय बैठक की, इससे पहले दिन में राष्ट्रपति भवन में उनका औपचारिक स्वागत किया गया था। प्रधानमंत्री मोदी ने व्यक्तिगत रूप से बांग्लादेशी प्रधानमंत्री का स्वागत किया, जो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के बाद भारत आने वाली पहली विदेशी नेता हैं।इससे पहले आज, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रपति निवास पर हसीना का स्वागत किया और उनके आगमन पर उनका औपचारिक स्वागत किया गया। उन्होंने और प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम स्थल पर दोनों देशों के मंत्रियों और प्रतिनिधियों से मुलाकात की, जिसके बाद वह महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट रवाना हो गईं।हसीना का दिन में बाद में प्रधानमंत्री मोदी के साथ एकांतिक बैठक करने का कार्यक्रम है, जिसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी। इसके अतिरिक्त, संभावित व्यापार समझौते पर चर्चा की उम्मीद है। रिपोर्टों के अनुसार, पिछले एक दशक में, एक मजबूत क्षेत्रीय साझेदारी योजना के हिस्से के रूप में कई सीमा पार पहल शुरू की गई हैं।विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेता 2019 से कम से कम दस बार एक–दूसरे से मिल चुके हैं। हसीना हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) और भारतीय पड़ोस के सात शीर्ष नेताओं में से एक थीं, जिन्होंने 9 जून को राष्ट्रपति भवन में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और उनके मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था। उनकी यात्रा पिछले कुछ वर्षों में भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय संबंधों में उछाल के बीच हुई है।दोनों नेता समझौता ज्ञापन (एमओयू) के हस्ताक्षर समारोह के साक्षी बनेंगे और बाद में दिन में अपने प्रेस वक्तव्य देंगे। हसीना हैदराबाद हाउस में पीएम मोदी द्वारा उनके सम्मान में आयोजित भोज में भी शामिल होंगी। बांग्लादेशी प्रधानमंत्री दिन में बाद में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से भी मुलाकात करेंगी।विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार शाम को हसीना से मुलाकात की। उन्होंने बैठक के बाद कहा, "भारत की उनकी राजकीय यात्रा हमारे घनिष्ठ और स्थायी संबंधों को रेखांकित करती है। हमारी विशेष साझेदारी के आगे विकास पर उनके मार्गदर्शन की सराहना करता हूँ। भारत–बांग्लादेश संबंधभारत ने अपनी "पड़ोसी पहले" नीति के तहत हमेशा बांग्लादेश को एक महत्वपूर्ण भागीदार माना है और सहयोग सुरक्षा, व्यापार, वाणिज्य, ऊर्जा, संपर्क, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, रक्षा और समुद्री मामलों के क्षेत्रों में फैला हुआ है।संपर्क क्षेत्र में, भारत और बांग्लादेश त्रिपुरा में फेनी नदी पर मैत्री सेतु पुल और चिलाहाटी–हल्दीबाड़ी रेल लिंक के माध्यम से आगे बढ़ रहे हैं। बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा विकास भागीदार है, जिसके लिए ऋण रेखा के तहत नई दिल्ली की लगभग एक–चौथाई प्रतिबद्धता उस देश को दी गई है। दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों की बात करें तो, बांग्लादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, जबकि भारत एशियाई महाद्वीप में बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। इसके अलावा, भारत एशिया में बांग्लादेश का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। वर्ष 2022–23 तक भारत को बांग्लादेशी निर्यात लगभग 2 बिलियन डॉलर था। इसके अलावा, 2022–23 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 15.9 बिलियन डॉलर बताया गया।

अमेरिका अर्कांसस में किराना स्टोर पर गोलीबारी में 3 की मौत हो गई, 10 घायल हो गए

संयुक्त राज्य अमेरिका के अर्कांसस में शुक्रवार को एक किराना स्टोर पर एक शूटर द्वारा की गई गोलीबारी में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए।

संयुक्त राज्य अमेरिका के अर्कांसस में शुक्रवार को एक किराना स्टोर पर एक शूटर द्वारा की गई गोलीबारी में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी एपी ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि शूटर स्टोर से निकल गया और गोलियों से छलनी कारों को पार्क कर दिया, जबकि आसपास खड़े लोग अंदर और पार्किंग में छिपने के लिए इधर–उधर भागे। राज्य पुलिस के अनुसार, घायल होने वालों

में दो कानून प्रवर्तन अधिकारी भी शामिल हैं, जिन्होंने शूटर के साथ गोलीबारी की। यह गोलीबारी फोर्डिस के मैड बुचर किराना स्टोर में हुई, जो लिटिल रॉक से 65 मील (104 किलोमीटर) दक्षिण में स्थित लगभग 3,200 लोगों का शहर है। शुक्रवार को पत्रकारों से बात करते हुए, राज्य पुलिस के निदेशक और सार्वजनिक सुरक्षा सचिव कर्नल माइक हैगर ने कहा, "यह दुखद है, हमारा दिल टूट गया है," जैसा कि एपी ने उद्धृत किया है। न तो अधिकारियों और न ही संदिग्ध शूटर की चोटें जानलेवा थीं। एपी के अनुसार, बाकी चोटें "जानलेवा नहीं से लेकर बेहद गंभीर" थीं, हैगर ने कहा। पुलिस को तुरंत इस बारे में जानकारी नहीं मिली कि गोलीबारी स्टोर के अंदर हुई या बाहर, न ही उन्होंने संदिग्ध शूटर या पीड़ितों की पहचान की। एपी ने बताया हालांकि, पुलिस ने कहा कि उन्हें शुक्रवार रात को अधिक जानकारी जारी करने की उम्मीद है।एपी द्वारा रिपोर्ट किए गए अनुसार, घटनास्थल पर पत्रकारों द्वारा कैप्चर किए गए दृश्यों में किराने की दुकान की खिड़की में गोलियों के कई निशान और पूरे पार्किंग क्षेत्र में बिखरे हुए खोल दिखाई दिए। अर्कांसस की गवर्नर सारा हुकाबी सैंडर्स ने कहा कि उन्हें गोलीबारी के बारे में जानकारी दी गई है। सैंडर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, "मैं कानून प्रवर्तन और पहले प्रतिक्रिया देने वालों को जीवन बचाने के लिए उनकी त्वरित और वीरतापूर्ण कार्रवाई के लिए धन्यवाद देता हूं।

रफह के निकट राहत शिविरों पर इजराइल के हमलों में 25 लोगों की मौत, 50 घायल

प्रत्यक्षदर्शियों ने बचावकर्मियों को तटीय क्षेत्र में दो स्थानों पर गोलाबारी के बारे में बताया। इन हमलों में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए।इजराइल की सेना ने शुक्रवार को रफह शहर के उत्तरी हिस्से में विस्थापित फलस्तीनियों के लिए बनाए गए शिविरों पर हमला किया, जिसमें कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय और आपातकालीन कर्मचारियों ने यह जानकारी दी। रफह में सिविल डिफेंस फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स के प्रवक्ता अहमद रादवान के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बचावकर्मियों को तटीय क्षेत्र में दो स्थानों पर गोलाबारी के बारे में बताया। इन हमलों में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए।

चिन ने ताइवान के साथ हथियार सौदों को लेकर लाकहीड मार्टिन इकाइयों, तीन अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाया

प्रतिबंधों के अंतर्गत लॉकहीड मार्टिन मिसाइल सिस्टम इंटीग्रेशन लैब, लॉकहीड मार्टिन एडवांस्ड टेक्नोलॉजी लैबोरेटरीज और लॉकहीड मार्टिन वेंचर्स का नाम शामिल है।चीन ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी विमानन निर्माता कंपनी लॉकहीड मार्टिन कॉर्प के ताइवान के साथ हथियार सौदों पर हस्ताक्षर करने को लेकर उसने कंपनी, उसके कई व्यावसायिक इकाइयों और उसके तीन अधिकारियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। ताइवान एक स्वशासित द्वीप है, जिसे चीन अपना क्षेत्र होने का दावा करता है। चीन के विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि कंपनी के ताइवान के साथ सहयोग ने देश की संप्रभुता का उल्लंघन किया है।चीन ताइवान की सरकार को समर्थन देने वाले किसी भी बाहरी सौदे के लिए इसी शब्दावली का इस्तेमाल करता है। प्रतिबंधों का प्रभाव काफी हद तक प्रतीकात्मक प्रतीत होता है, क्योंकि 1989 में बीजिंग और अन्य शहरों में छात्रों के नेतृत्व वाले लोकतंत्र समर्थक विरोध प्रदर्शनों पर चीन की सेना की कार्रवाई के बाद से अमेरिका और चीन के बीच सैन्य सहयोग निलंबित है।प्रतिबंधों के अंतर्गत लॉकहीड मार्टिन मिसाइल सिस्टम इंटीग्रेशन लैब, लॉकहीड मार्टिन एडवांस्ड टेक्नोलॉजी लैबोरेटरीज और लॉकहीड मार्टिन वेंचर्स का नाम शामिल है। शीर्ष अधिकारियों जेम्स डोनाल्ड टेकलेट, फ्रैंक एंड्रयू सेंट जॉन और जीसस मालवे को चीन की यात्रा करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 23 जून 2024
sheelshukla100@gmail.com

डिकॉक की ताबड़तोड़ पारी से दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को सात रन से हराया

डिकॉक ने अपनी 38 गेंद की पारी में चार चौके और इतने ही छक्के जड़े। उनके अलावा सिर्फ डेविड मिलर ही दक्षिण अफ्रीका के लिए तेजी से रन बना पाये। उन्होंने 28 गेंदों में 43 रन की परी में चार चौके और दो छक्के लगाये। सेंट लूसिया। सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक की 65 रन की आक्रामक पारी के बाद केशव महाराज की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में ग्रुप बी के मैच में गत चौम्पियन इंग्लैंड को सात रन से हराया। डिकॉक ने अपनी 38 गेंद की पारी में चार चौके और इतने ही छक्के जड़े। उनके अलावा सिर्फ डेविड मिलर ही दक्षिण अफ्रीका के लिए तेजी से रन बना पाये। उन्होंने 28 गेंदों में 43 रन की परी में चार चौके और दो छक्के लगाये। दक्षिण अफ्रीका ने छह विकेट पर 163 रन बनाने के बाद इंग्लैंड को छह विकेट पर 156 रन पर रोक दिया। इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रूक्स (53) और लियाम लिविंगस्टोन (33) ने पांचवें विकेट के लिए 42 गेंद में 78 रन की साझेदारी की लेकिन इस साझेदारी के टूटने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने वापसी कर मैच को जीत लिया। ब्रूक्स ने 37 गेंद की पारी में सात चौके लगाये तो वहीं लिविंगस्टोन ने 17 गेंद की पारी में तीन चौके और दो छक्के जड़ें। दक्षिण अफ्रीका के लिए केशव महाराज ने चार ओवर में 25 और कागिसो रबाडा ने 32 रन देकर ने दो–दो विकेट लिये। एनरिच नोर्किया और ऑटनील बार्टमैन को एक–एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करते हुए फिल सॉल्ट (11) ने पहले ओवर में यानसेन के खिलाफ छक्का जड़ा लेकिन अगले ओवर में रबाडा ने उन्हें चलता कर दिया। रीजा हेंड्रिक्स ने बायीं ओर ड्राइव लगाकर उनका शानदार कैच लपका। क्रीज पर आये जॉनी बेयरस्टो (16) ने यानसेन जबकि कप्तान जोस बटलर (17) ने महाराज के खिलाफ चौके लगाये। इस बीच चौथे ओवर में रबाडा की गेंद पर क्लासेन ने बेयरस्टो का कैच टपका कर जीवनदान दिया लेकिन वह फायदा नहीं उठा सके। महाराज ने बेयरस्टो और बटलर को चलता कर मैच में दक्षिण अफ्रीका का शिकंजा कस दिया। उन्होंने नोर्किया के हाथों कैच कराकर बेयरस्टो को पवेलियन भेजा जबकि बटलर का कैच क्लासेन ने लपका। बार्टमैन ने 11वें ओवर में मोईन की 10 गेंद में नौ रन की पारी को खत्म किया। इंग्लैंड की टीम 11वें ओवर में 61 रन पर चार विकेट गंवा कर मुश्किल में थी। हैरी ब्रूक और लियाम लिविंगस्टोन की जोड़ी ने इसके बाद 14वें ओवर तक संभल कर बल्लेबाजी की और जब इंग्लैंड को जीत के लिए आखिरी 36 गेंद में 77 रन की जरूरत थी तो उन्होंने आक्रामक रुख अपनाया। लिविंगस्टोन ने रबाडा के खिलाफ छक्का लगाया जबकि ब्रूक ने दो चौके जड़ें, जिससे टीम ने 15वें ओवर में 18 रन बटोर कर रनों का शतक पूरा किया। ब्रूक ने आक्रामक अंदाज जारी रखते हुए नोर्किया के खिलाफ भी दो चौके लगाकर दबाव कम किया। लिविंगस्टोन ने 17वें ओवर में बार्टमैन के खिलाफ लगातार गेंदों पर दो चौके और एक छक्का लगाकर मैच में इंग्लैंड की वापसी करायी। इंग्लैंड को अब आखिरी तीन ओवर में 25 रन चाहिए थे लेकिन रबाडा ने चार देकर लिविंगस्टोन को स्टब्स के हाथों कैच कराया तो वहीं यानसेन ने सिर्फ सात रन खर्च किये। नोर्किया ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर ब्रूक को आउट कर इंग्लैंड पर दबाव बना दिया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की पारी में डिकॉक ने दूसरे ओवर में मोईन के खिलाफ चौका और छक्का लगाने के बाद आर्चर की लगातार गेंदों पर दो छक्के और चौका लगाकर हाथ खोला। पारी के इस चौथे ओवर में रीजा हेंड्रिक्स ने भी चौका लगाया जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 21 रन बटोरे। डिकॉक ने छठे ओवर में सैम कुरेन के खिलाफ अपनी पारी का चौथा छक्का लगाया जिससे दक्षिण अफ्रीका ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 63 रन बना लिये। उन्होंने अगले ओवर में एक रन चुरा कर 22 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। दोनों छोर से आदिल राशीदऔर मोईन अली की स्पिन गेंदबाजी ने दक्षिण अफ्रीका की रनगति पर अंकुश लगाया। इस बीच राशीद की गेंद पर डिकॉक को जीवनदान भी मिला जब मार्क वुड ने कैच पकड़ने के दौरान गेंद को मैदान में सटा दिया। उन्होंने मोईन के खिलाफ अगले ओवर में चौका लगाया लेकिन इस गेंदबाज ने हेंड्रिक्स को आउट कर पहले विकेट के लिए 86 रन की साझेदारी को तोड़ा। हेंड्रिक्स 25 गेंद में 19 रन की बना सके। रनगति को फिर से बढ़ाने के लिए दक्षिण अफ्रीका ने हेनरिच क्लासेन (आठ) को तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी के लिए भेजा लेकिन बटलर ने विकेट के पीछे से गेंदबाजी छोर पर बेहतरीन थ्रो के साथ उन्हें रन आउट कर दिया। बटलर ने इसके बाद गेंद आर्चर को थमाई और इस तेज गेंदबाज ने डिकॉक को आउट कर उनके फैसले को सही साबित किया। बटलर ने शानदार कैच लपक कर उनकी पारी को खत्म किया। राशीद ने इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम (एक) को चलता किया जिससे टीम का स्कोर बिना किसी नुकसान के 86 रन से 15वें ओवर में चार विकेट पर 115 रन हो गया। विकेटों के पतन के बीच मिलर ने एक छोर संभालने के साथ बड़ा शॉट खेलना जारी रखा।

गिलक्रिस्ट के स्तर तक पहुंचने के लिए लंबा रास्ता तय करना होगा पंत को

स्मिथ स्वयं भी विकेटकीपर बल्लेबाज रहे हैं और पंत ने कार दुर्घटना से उबरने के बाद जिस तरह से वापसी की है उससे काफी प्रभावित हैं। पंत ने इंडियन प्रीमियर लीग में अच्छा प्रदर्शन किया और टी20 विश्व कप में भी वह विकेट के आगे और विकेट के पीछे अपनी भूमिकाओं को अच्छी तरह से निभा रहे हैं।ग्रॉस आइलेट। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर इयान स्मिथ का मानना है कि ऋषभ पंत की एडम गिलक्रिस्ट के साथ तुलना करना अभी जल्दबाजी होगी लेकिन उन्होंने कहा कि अगर भारत का विकेटकीपर बल्लेबाज अपनी वर्तमान फॉर्म को जारी रखता है तो वह ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी के करीब पहुंच सकता है। स्मिथ स्वयं भी विकेटकीपर बल्लेबाज रहे हैं और पंत ने कार दुर्घटना से उबरने के बाद जिस तरह से वापसी की है उससे काफी प्रभावित हैं। पंत ने इंडियन प्रीमियर लीग में अच्छा प्रदर्शन किया और टी20 विश्व कप में भी वह विकेट के आगे और विकेट के पीछे अपनी भूमिकाओं को अच्छी तरह से निभा रहे हैं। पंत को वर्तमान समय में विश्व क्रिकेट के सबसे प्रतिभाशाली क्रिकेटरों में गिना जाता है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट शतक लगाए हैं लेकिन गिलक्रिस्ट की बराबरी पर पहुंचने के लिए उन्हें अभी लंबा रास्ता तय करना होगा जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 15000 से अधिक रन बनाने के साथ 800 से अधिक कैच लिए हैं। टी20 विश्व कप में कमेंटेटर की भूमिका निभा रहे स्मिथ ने कहा,''ऋषभ पंत ने दुर्घटना के बाद दमदार वापसी की है और वह बेहतरीन फॉर्म में दिख रहा है। वह बेहद कुशल खिलाड़ी है। वह आक्रामक है, वह खतरनाक खिलाड़ी है।'' गिलक्रिस्ट की तरह पंत ने भी दिखा दिया है कि वह प्रत्येक प्रारूप में किसी भी क्रम में बल्लेबाजी कर सकते हैं। टी20 विश्व कप में उन्हें तीसरे नंबर पर भेजा जा रहा है और उन्होंने अभी तक इस फैसले को सही साबित किया है। स्मिथ ने कहा,''वह किसी भी खिलाड़ी का अच्छी तरह से साथ निभा सकते हैं फिर चाहे वह विराट कोहली हो या रोहित शर्मा। इसलिए उन्हें तीसरे नंबर पर उतारने का फैसला सही है क्योंकि मेरा मानना है कि सीमित ओवरों की क्रिकेट में आपके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को अधिक गेंदों का सामना करने का मौका मिलना चाहिए। यही वजह है जिससे कि वह विशेष बन जाता है।'' उन्होंने कहा,''वह पहली गेंद को ही हिट कर सकता है और उसे सीमा रेखा के पास पहुंचा सकता है। उसके पास रन बनाने के अन्य विकल्प भी हैं।उसने केएल राहुल जैसे अच्छे खिलाड़ी की जगह ली है। केएल राहुल विश्व स्तरीय क्रिकेटर है और उसकी जगह लेना काफी मायने रखता है।'' इस 26 वर्षीय क्रिकेटर की गिलक्रिस्ट से तुलना करने के लिए हालांकि अभी इंतजार करना होगा। स्मिथ ने कहा,'' गिलक्रिस्ट की बराबरी पर पहुंचने के लिए उसे अभी काफी रास्ता तय करना होगा। दोनों एक तरह के ही क्रिकेटर हैं जो टेस्ट क्रिकेट में निचले क्रम और सीमित ओवरों की क्रिकेट में ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी कर सकते हैं। इसलिए उसमें और गिलक्रिस्ट में समानता है। अगर वह आगे कुछ वर्षों तक इसी तरह से खेलता रहा तब लोग कहेंगे कि गिलक्रिस्ट और पंत एक दूसरे के काफी करीब हैं।

धमाकेदार पारी, वेस्टइंडीज की अमेरिका पर बड़ी जीत

सुपर 8 के ग्रुप 2 के अपने पहले मैच में इंग्लैंड से हारने वाले वेस्टइंडीज के लिए इस मैच में सब कुछ सकारात्मक रहा। उसने पहले टॉस जीता और फिर अमेरिका की पूरी टीम को 19.5 ओवर में 128 रन पर आउट कर दिया।ब्रिजटाउन। रोस्टन चेज और आंद्रे रसेल की शानदार गेंदबाजी के बाद सलामी बल्लेबाज शाई होप की धमाकेदार पारी की मदद से वेस्टइंडीज अपने सह मेजबान अमेरिका को 55 गेंद शेष रहते हुए 9 विकेट से हराकर टी20 विश्व कप में अपनी उम्मीदों को पंख लगाए। सुपर 8 के ग्रुप 2 के अपने पहले मैच में इंग्लैंड से हारने वाले वेस्टइंडीज के लिए इस मैच में सब कुछ सकारात्मक रहा। उसने पहले टॉस जीता और फिर अमेरिका की पूरी टीम को 19.5 ओवर में 128 रन पर आउट कर दिया। वेस्टइंडीज ने इसके बाद होप की 39 गेंद पर खेली गई नाबाद 82 रन की परी की मदद से केवल 10.5 ओवर में एक विकेट पर 130 रन बनाकर अपने नेट रन रेट में बहुत सुधार किया। होप ने अपनी पारी में चार चौके और आठ छक्के लगाए। वेस्टइंडीज को अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए दक्षिण अफ्रीका को हराना होगा। इंग्लैंड अगर अपने अगले मैच में अमेरिका को हरा देता है तब भी वेस्टइंडीज आगे बढ़ सकता है क्योंकि अभी उसका नेट रन रेट दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड से बेहतर है। जॉनसन चार्ल्स 14 गेंद पर 15 रन बनाकर आउट हो गए लेकिन होप और निकोलस पूरन ने दूसरे विकेट के लिए केवल 23 गेंद पर 63 रन जोड़कर टीम को बड़ी जीत दिलाई। पूरन ने 12 गेंद पर नाबाद 27 रन बनाए जिसमें तीन छक्के और एक चौका शामिल है। वह इस टूर्नामेंट में अभी तक 17 छक्के लगा चुके हैं जो किसी एक टी20 विश्व कप में नया रिकॉर्ड है। पूरन ने वेस्टइंडीज के अपने पूर्व साथी क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 2012 में 16 छक्के लगाए थे। होप ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया और चार्ल्स के साथ पहले विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी की। उन्होंने छक्के लगाने के अपने कौशल का खुलकर प्रदर्शन किया तथा अपनी पारी के दौरान मिलिंद कुमार पर लगातार तीन छक्के भी लगाए। होप ने विजयी छक्का लगाकर वेस्टइंडीज को लक्ष्य तक पहुंचाया। इससे पहले अमेरिका ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद स्टीवन टेलर (02) का विकेट जल्दी गंवा दिया लेकिन इसके बाद एंड्रियास गौस (29) और नीतीश कुमार (20) ने दूसरे विकेट के लिए 48 रन जोड़कर टीम को शुरुआती झटके से उबारा। चेज (19 रन देकर तीन विकेट) ने बीच के ओवरों में शानदार गेंदबाजी करते हुए अमेरिका की पारी लड़खड़ा दी जिसने 37 रन के अंदर पांच विकेट गंवाए। चेज ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी किया।

रसेल ने 31 रन देकर तीन विकेट लिए और उन्होंने टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज की तरफ से सर्वाधिक विकेट (27) लेने के ड्वेन ब्रावो के रिकॉर्ड की बराबरी की। अमेरिका के लिए मिलिंद कुमार (19) और शैडली वान शाल्कविक (18) ने कुछ देर तक संघर्ष किया जबकि अली खान (नाबाद 14) ने आखिर में एक चौका और छक्का लगाया लेकिन वह वेस्टइंडीज को बड़ा लक्ष्य नहीं दे पाए। वेस्टइंडीज की तरफ से चेज और रसेल के अलावा अलजारी जोसेफ ने 31 रन देकर दो और गुडाकेश मोती ने 14 रन देकर एक विकेट लिया।

धमाकेदार पारी, वेस्टइंडीज की अमेरिका पर बड़ी जीत

सुपर 8 के ग्रुप 2 के अपने पहले मैच में इंग्लैंड से हारने वाले वेस्टइंडीज के लिए इस मैच में सब कुछ सकारात्मक रहा। उसने पहले टॉस जीता और फिर अमेरिका की पूरी टीम को 19.5 ओवर में 128 रन पर आउट कर दिया। ब्रिजटाउन। रोस्टन चेज और आंद्रे रसेल की शानदार गेंदबाजी के बाद सलामी बल्लेबाज शाई होप की धमाकेदार पारी की मदद से वेस्टइंडीज अपने सह मेजबान अमेरिका को 55 गेंद शेष रहते हुए 9 विकेट से हराकर टी20 विश्व कप में अपनी उम्मीदों को पंख लगाए। सुपर 8 के ग्रुप 2 के अपने पहले मैच में इंग्लैंड से हारने वाले वेस्टइंडीज के लिए इस मैच में सब कुछ सकारात्मक रहा। उसने पहले टॉस जीता और फिर अमेरिका को हरा देता है तब भी वेस्टइंडीज आगे बढ़ सकता है क्योंकि अभी उसका नेट रन रेट दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड से बेहतर है। जॉनसन चार्ल्स 14 गेंद पर 15 रन बनाकर आउट हो गए लेकिन होप और निकोलस पूरन ने दूसरे विकेट के लिए केवल 23 गेंद पर 63 रन जोड़कर टीम को बड़ी जीत दिलाई। पूरन ने 12 गेंद पर नाबाद 27 रन बनाए जिसमें तीन छक्के और एक चौका शामिल है। वह इस टूर्नामेंट में अभी तक 17 छक्के लगा चुके हैं जो किसी एक टी20 विश्व कप में नया रिकॉर्ड है। पूरन ने वेस्टइंडीज के अपने पूर्व साथी क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 2012 में 16 छक्के लगाए थे। होप ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया और चार्ल्स के साथ पहले विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी की। उन्होंने छक्के लगाने के अपने कौशल का खुलकर प्रदर्शन किया तथा अपनी पारी के दौरान मिलिंद कुमार पर लगातार तीन छक्के भी लगाए। होप ने विजयी छक्का लगाकर वेस्टइंडीज को लक्ष्य तक पहुंचाया। इससे पहले अमेरिका ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद स्टीवन टेलर (02) का विकेट जल्दी गंवा दिया लेकिन इसके बाद एंड्रियास गौस (29) और नीतीश कुमार (20) ने दूसरे विकेट के लिए 48 रन जोड़कर टीम को शुरुआती झटके से उबारा। चेज (19 रन देकर तीन विकेट) ने बीच के ओवरों में शानदार गेंदबाजी करते हुए अमेरिका की पारी लड़खड़ा दी जिसने 37 रन के अंदर पांच विकेट गंवाए। चेज ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी किया।

रसेल ने 31 रन देकर तीन विकेट लिए और उन्होंने टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज की तरफ से सर्वाधिक विकेट (27) लेने के ड्वेन ब्रावो के रिकॉर्ड की बराबरी की। अमेरिका के लिए मिलिंद कुमार (19) और शैडली वान शाल्कविक (18) ने कुछ देर तक संघर्ष किया जबकि अली खान (नाबाद 14) ने आखिर में एक चौका और छक्का लगाया लेकिन वह वेस्टइंडीज को बड़ा लक्ष्य नहीं दे पाए। वेस्टइंडीज की तरफ से चेज और रसेल के अलावा अलजारी जोसेफ ने 31 रन देकर दो और गुडाकेश मोती ने 14 रन देकर एक विकेट लिया।

अवसाद मिटाने से लेकर मूड बेहतर करने तक, संगीत सुनने से मिलते हैं ये 5 फायदे

संगीत एक तरह की कला है, जिसे कई लोग वैश्विक भाषा भी कहते हैं। यह कई तरह के सुरों और ध्वनियों का माधुर संयोजन होता है, जो मन को सुकून पहुंचाता है।ज्यादातर लोग काम करते वक्त मन बहलाने के लिए संगीत का सहारा लेते हैं। संगीत सुनने से लोगों को तनाव से छुटकारा मिल सकता है और उनका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधर सकता है।आपको इस गतिविधि के जरिए ये 5 लाभ मिल सकते हैं।अवसाद के इलाज में सहायक

इन दिनों वयस्कों के साथ–साथ जवान लोग भी अवसाद और चिंता के शिकार बनते जा रहे हैं।इस समस्या से निपटने के लिए लोग मनोविज्ञानियों के पास जाते हैं और थेरेपी व कई तरह के ट्रीटमेंट लेते हैं।हालांकि, संगीत सुनकर भी इस परेशानी से कुछ हद तक निजात पाया जा सकता है। जब हम निराश या उदास महसूस करते हैं, तब संगीत हमें बेहतर महसूस करवा सकता है।इससे मन के नकारात्मक ख्याल भी दूर हो जाते हैं।

बहतर होता है मूड

संगीत के जरिए किसी भी खराब दिन को अच्छा बनाया जा सकता है। संगीत में वह सकारात्मक प्रभाव होता है, जो आपके मूड को तुरंत बेहतर बना सकता है।यह हमें नया दृष्टिकोण रखने और दुनिया को खुशहाल नजरिए से देखने में मदद करता है। गुस्सा आने पर अपने पसंदीदा गानों की प्लेलिस्ट सुनें।आप अपने मूड को सुधारने के लिए खुशहाल और तेज संगीत सुन सकते हैं। सूफी या धार्मिक गीतों से भी मूड अच्छा हो जाता है।

दिल के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

संगीत सुनना हमारे दिल के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकता है।संगीत सुनने से रक्तचाप को घटाने, कोर्टिसोल के स्तर को कम करने और हृदय गति को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है।यह हृदय रोगों के इलाज में भी कुछ हद तक सहायता कर सकता है। कई लोगों को दिल से जुड़ी बीमारियों के इलाज के लिए म्यूजिक यानि संगीत थेरेपी भी दी जाती है।

दर्द प्रबंधन में मददगार

संगीत शरीर में कोर्टिसोल के स्तर को नियंत्रित करके तनाव के स्तर को कम करने में मदद करता है।यह मस्तिष्क को दर्द के खिलाफ एक मजबूत प्रतिस्पर्धी संकेत भी प्रदान करता है, जिससे दर्द प्रबंधन में मदद मिलती है।

रिपोर्ट के अनुसार, अध्ययनों से पता चलता है कि संगीत एंडोर्फिन जारी करके, कैटेकोलामाइन के स्तर को बदलकर या मरीजों का ध्यान भटका कर दर्द के स्तर को कम कर सकता है।

बढ़ती है तृप्ति की भावना

अक्सर लोग खाना खाते वक्त धीमी आवाज में हल्का और मनमोहक संगीत सुनना पसंद करते हैं। इससे लोग आराम से और धीमी गति से भोजन करते हैं।संगीत सुनते हुए खान–पान करने से लोगों का पेट कम खाने से भी भर जाता है। इससे तृप्ति की भावना को बढ़ाने में मदद मिलती है, जिसके लोग भूख से अधिक खाने से बच सकते हैं।मेडिटेशन करते समय संगीत सुनने से आपको ये 5 फायदे मिल सकते हैं।

गर्मियों में अक्सर नाक रहती है सूखी हुई तो हो सकते हैं ये कारण, ट्राई करें यह घरेलू नुस्खे

गर्मियों में अक्सर नाक सूखने लगते हैं इसके कारण ही कई बार नाक से ब्लड निकलने लगता है. इस मेडिकल भाषा में नेजल ड्राईनेस कहा जाता है. आइए जानें इससे बचने का तरीका.

कई लोगों को गर्मियों में नेजल ड्राईनेस की समस्या काफी ज्यादा परेशान करती है. इसके पीछे कई कारण भी हो सकते हैं. लेकिन इस बीमारी में नाक से खून भी निकलने लगता है.

आपको जानकर हैरानी होगी कि यह गर्मी के कारण तो ही है लेकिन जो व्यक्ति लगातार एसी में रहते हैं उन्हें यह चीज ज्यादा होती है. दरअसल, ऐसी में घंटों रहने के कारण नाक के अंदर मौजूद म्यूकस मेम्ब्रेन ड्राई हो जाती है. जिसके कारण इस बीमारी का लोग शिकार हो जाते हैं.गर्मी, पॉल्यूशन और ड्राइनेस के कारण अक्सर यह बीमारी लोगों को अपना शिकार बना लेती है. आज हम इससे बचने के लिए खास टिप्स बताएंगे.

कुछ लोग ऐसे भी हैं जो रात–दिन एसी में बैठ–सोते रहते हैं. इसके कारण नेजल ड्राईनेस की समस्या हो जाती है. अगर आपको लग रहा है कि नाक ज्यादा ड्राई हो रहा है तो आप इस पर जेल पैच लगा सकते हैं.अगर आपको काफी वक्त से सर्दी है तो इसका जल्दी इलाज करनाएं. इससे भी ड्राई नोज की समस्या होती है. गर्मियों में इम्युनिटी को मजबूत बनाएं ताकि जल्दी बीमारी न पड़े. कोल्ड या फ्लू का इलाज करवाएं.गर्मियों में या सर्दियों में अक्सर हम मॉइश्चराइजर का अप्लाई करते हैं ताकि स्किन ड्राई न पड़े लेकिन कभी भी नाक के आसपास के एरिया में लोशन या क्रीम लगाना भूल जाते हैं जोकि गलत है इसेस नेजल ड्राईनेस की बीमारी बढ़ती है.

इमरान हाशमी और मौनी राय स्टारर शो टाइम का टीजर जारी, 12 जुलाई को डिज्नी हाटस्टार पर रिलीज होंगे बाकी एपिसोड

इमरान हाशमी, नसीरुद्दीन शाह, मौनी रॉय और राजीव खंडेलवाल स्टारर वेब सीरीज शोटाइम 8 मई 2024 को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज की गई थी. शोटाइम के सिर्फ 4 एपिसोड्स ही उस समय रिलीज हुए थे लेकिन बाकी बचे हुए एपिसोड्स को लेकर बड़ी अपडेट आई है. एक टीजर रिलीज करते हुए बताया गया है कि शोटाइम के बचे एपिसोड्स आप कब देख सकेंगे शोटाइम को उस समय दर्शकों का काफी प्यार मिला था और अब एक बार फिर आपके सपोर्ट की इस वेब सीरीज को जरूरत है. शोटाइम के सभी एपिसोड्स आप किस तारीख से देख सकेंगे इसकी डेट सामने आ गई है. डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर शोटाइम का एक प्रोमो शेयर किया गया है. वीडियो के कैप्शन में लिखा है, असली मजा तो अब आएगा. ..हॉटस्टार स्पेशल शोटाइम के सभी एपिसोड्स 12 जुलाई से स्ट्रीम कर रहे हैं. शोटाइम हॉटस्टार पर. वीडियो में आप देख सकते हैं कि शोबिज में जितना ग्लैमर देखने को मिलता है अंदर से इसमें काफी ईर्ष्या भी है. पेज 3 हो यो शोबिज हर तरफ एक ही बात है कि ऊंचाई पर कोई एक रहेगा और इसी की हर किसी में लड़ाई है. मेकर्स ने टीजर शेयर करते हुए लोगों की उत्सुकता और बढ़ा दी है. इस सीरीजी में कई ऐसे सितारे नजर आएंगे जिनका अलग ही रूप आपको देखने को मिलेगा.ठबता दें, शोटाइम का डायरेक्शन मिहिर देसाई और अर्चित कुमार ने किया है. वहीं इस सीरीज को धर्माटिक एंटरटेनमेंट बैनर तले बनाया गया है. सीरीज में इमरान हाशमी और मौनी रॉय के अलावा नसीरुद्दीन शाह, महिमा मकवाना, राजीव खंडेलवाल, विजय राज, श्रिया सरन, विशाल वशिष्ठ जैसे कलाकार नजर आएंगे.

सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म ककुड़ा ओटीटी प्लेटफार्म जी5 पर होगी रिलीज, पहला वीडियो आया सामने

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा पिछली बार निर्देशक संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी में दिखी थीं और इसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई।अब दर्शक सोनाक्षी की आगामी फिल्म ककुड़ा का इंतजार कर रहे हैं, जिसके निर्देशन की कमान आदित्य सरपोतदर ने संभाली है।ताजा खबर यह है कि ककुड़ा सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर दस्तक देने वाली है। अभी तक इस फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।

ककुड़ा का पहला वीडियो सामने आ गया है, जो हॉरर और सस्पेंस से भरपूर है। निर्माताओं ने लिखा, ककुड़ा के आने का वक्त हो गया है...दरवाजा खोलना मत भूलना क्योंकि अब हर मर्द खतरे में है... ।सोनाक्षी के अलावा रितेश देशमुख और साकिब सलीम भी इस फिल्म में नजर आएंगे।ककुड़ा की कहानी गांव में एक अजीब अभिशाप के इर्द–गिर्द घूमती है, जिसमें सोनाक्षी, रितेश और साकिब की तिकड़ी का सामना एक चुनौतीपूर्ण भूत से होता है।

ककुड़ा के निर्देशक आदित्य सरपोतदार ने कहा, एक फिल्म निर्माता और हॉरर–कॉमेडी शैली के प्रशंसक के रूप में, मुझे डर और हंसी के बीच संतुलन साधना अच्छा लगता है. दर्शकों को डराना और खुश करना एक चुनौतीपूर्ण

काम है, लेकिन ककुड़ा के साथ, मैं आश्वस्त हूं, हमने एक बार फिर सही तालमेल बिठाया है. मैं प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करने को लेकर रोमांचित हूं, जिनमें रितेश देशमुख, सोनाक्षी सिन्हा, साकिब सलीम और आसिफ खान शामिल हैं, जिन्होंने कहानी में हास्य और भावनाओं को शानदार तरीके से जोड़ा है. उनकी कॉमिक टाइमिंग और तरीका उन्होंने वास्तविक भावनाओं को चित्रित किया है, जिससे एक निर्देशक के रूप में मेरा काम बहुत आसान हो गया है. साथ में, हमने एक अनूठी और आकर्षक कहानी तैयार की है, जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेगी और ककुड़ा के हर मोड़ का बेसब्री से इंतजार करेगी.

गुरमीत चौधरी ने किया अपनी पहली वेब सीरीज कमांडर करण सक्सेना का ऐलान, टीजर आया सामने

टीवी की दुनिया में भगवान राम का किरदार निभाकर मशहूर हुए अभिनेता गुरमीत चौधरी अब एक्शन अवतार में नजर आने वाले हैं।उन्होंने अपने करियर की पहली वेब सीरीज का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम कमांडर करण सक्सेना है।इस सीरीज में गुरमीत के साथ इकबाल खान और ऋता दुर्गुले भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। निर्माताओं ने कमांडर करण सक्सेना का टीजर जारी कर दिया है, जिसमें गुरमीत जबरदस्त एक्शन करते हुए नजर आ रहे हैं।कमांडर करण सक्सेना का पहला पोस्टर भी सामने आ गया

है, जिसमें गुरमीत हाथों में बंदूक थामे नजर आ रहे हैं।यह सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी हॉटस्टार पर रिलीज होगी। इसकी रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। कमांडर करण सक्सेना का प्रीमियर 8 जुलाई, 2024 से डिज्नी हॉटस्टार पर होगा। श्कमांडर करण सक्सेनाय के टीजर से प्रेरित होना स्वाभाविक है, जिसमें गुरमीत चौधरी के वजूद को देश की रक्षा करते हुए देखने का वादा किया गया है। उनके अभिनय से इस शो को एक नया दिमेंशन मिलेगा, और उनका अभिनय इस ड्रामा को उत्साहित करेगा।यह संदेश देखकर स्पष्ट है कि गुरमीत चौधरी के फैंस उनके इस नए और उत्साहजनक किरदार के लिए बेताब हैं। उन्हें इस सीरीज में उनके पसंदीदा कलाकार के रूप में देखने का इंतजार है।इस सीरीज का निर्देशन जतिन वागले ने किया है, जबकि इसका निर्माण कीलाइट प्रोडक्शंस ने किया है।सीरीज की कहानी अमित खान ने लिखी है।

पिंक लहंगे में बला की खूबसूरत लगीं अवनीत कौर, मदमस्त अदाओं पर मर मिटे फैंस

बी–टाउन की टॉप चाइल्ड एक्ट्रेस अवनीत कौर की सोशल मीडिया पर फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो अक्सर सोशल मीडिया का पारा गर्म कर देती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने लेटेस्ट पिंक कलर के आउटफिट में फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वो बला की खूबसूरत नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस अवनीत कौर आए दिन अपनी फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है।अवनीत कौर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान पिंक कलर का सिंपल सा लहंगा पहना हुआ है और साथ ही हॉल्टर नेक डिजाइन वाले ब्लाउज से पूरे लुक को टिमअप किया है।कानों में इयररिंग्स, बालों का बन बनाकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अवनीत कौर कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देते हुए इंटरनेट का पारा बढ़ा रही हैं। बता दें चाहे इंडियन हो या फिर वेस्टर्न लुक एक्ट्रेस अवनीत कौर अपने हर लुक में कहर ढाती हैं। उनका स्टनिंग लुक फैंस के बीच आते ही ट्रेंड करने लगता है।अवनीत कौर का ये ग्लैमरस लुक और आउटफिट कोई भी फंक्शन के लिए एकदम परफेक्ट है।

सनी देओल की साउथ सिनेमा में एंट्री, पुष्पा के मेकर्स संग मास एक्शन फिल्म एसडीजीएम का एलान

सनी देओल के किस्मत के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर हैं। पिछले साल उनकी फिल्म गदर 2 बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने में कामयाब रही थी, वहीं इस साल वह एक के बाद एक अपनी नई फिल्मों का ऐलान कर रहे हैं।सनी ने बीते दिन गोपीचंद मालिनेनी के साथ नई मास एक्शन फिल्म एसडीजीएम की घोषणा की है, जिसके लिए उन्होंने पुष्पा के निर्माताओं के साथ हाथ मिलाया है।सैयामी खेर भी फिल्म में अदाकारी का तड़का लगाती हुई नजर आएंगी। एसडीजीएम की शूटिंग शुरू हो चुकी है। सैयामी ने मुहूर्त पूजा की कुछ झलकियां साझा किया हैं।उन्होंने लिखा, लाइट्स कैमरा एक्शन! गंभीर एक्शन का समय आ गया है। सनी सर के साथ मिलकर लड़ने का इंतजार नहीं कर सकती। मैं बहुत खुश हूं कि सर ने मुझ पर एक बेहतरीन

एक्शन फिल्म के लिए भरोसा दिखाया है। यह सपना सच होने जैसा है। हमें शुभकामनाएं दें।इस फिल्म को देश की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म बताया जा रहा है।फिल्म में घूमर फेम सैय्यामी खैर और साउथ फिल्मों में एक्टिव खूबसूरत एक्ट्रेस रेगिना कैसेंद्रा लीड रोल में होंगी.इस फिल्म के निर्माता नवीन येर्ननी, वाई रवि शंकर, टीजी विश्व प्रसाद,ऋषि पंजाबी, अविनाश कोला चौरी है. फिल्म में एस, थामन का म्यूजिक होगा.अब सोशल मीडिया पर सनी देओल के फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ चुकी है और सीधा बोल रहे हैं कि यह मास एक्शन फिल्म बॉक्स ऑफिस को हिला डालेगी. बता दें, सनी देओल की फिल्म गदर 2 के हिट होने के बाद उनके पास फिल्मों की लाइन लग गई है. इसमें बॉर्डर 3, लाहौर 1947, सफर, गदर 3 और अब एसजीजीएम भी शामिल हो गई है.

बाक्स आफिस पर मुंज्या की कमाई दूसरे सप्ताह भी जारी, 70 करोड़ रुपये की ओर बढ़ा कारोबार

आदित्य सरपोतदार के निर्देशन में बनी फिल्म मुंज्या को सिनेमाघरों में रिलीज का दूसरा सप्ताह चल रहा है और यह अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है।हॉरर के साथ कॉमेडी के तड़के से भरपूर इस फिल्म में मोना सिंह, अभय सिंह और शरवरी वाघ जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं।फिल्म की कहानी और तमाम सितारों की अदाकारी दर्शकों को खूब पसंद आ रही है।आइए जानते हैं मुंज्या ने 14वें दिन कितने करोड़ रुपये का कारोबार किया।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, मुंज्या ने अपनी रिलीज के 14वें दिन यानी दूसरे गुरुवार 2.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 67.95 करोड़ रुपये हो गया है।मुंज्या में वरुण धवन ने मेहमान की भूमिका निभाई है। दिनेश विजान इस फिल्म के निर्माता

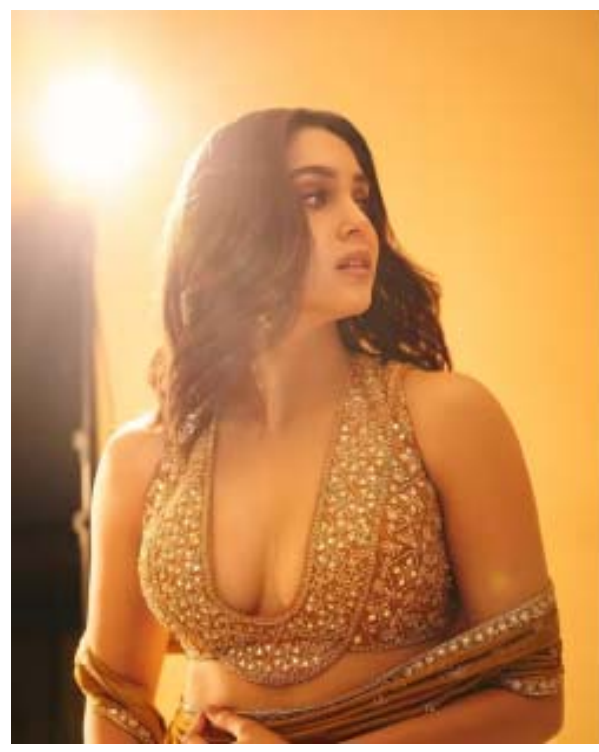

हैं। रूही और स्त्री के बाद यह दिनेश की तीसरी हॉरर–कॉमेडी फिल्म है।फिल्म का बजट 30 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। मुंज्या के बाद शरवरी फिल्म वेदा में नजर आएंगी। इस फिल्म में जॉन अब्राहम मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। तमन्ना भाटिया और अभिषेक बनर्जी जैसे सितारे भी इस फिल्म अहम हिस्सा हैं।फिल्म की कहानी असीम अरोड़ा ने लिखी है। मोनिशा अडवाणी और मधु भोजवानी इसके निर्माता हैं।वेदा 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 से होगा।

फैशन ट्रेंड का अनुसरण करने वाले लोग वे होते हैं जिनका अपना कोई स्टाइल नहीं होता – अनुष्का चौहान

अभिनेत्री अनुष्का चौहान ने साझा किया कि आपके फैशन से यह पता चलना चाहिए कि आप कौन हैं, और कहा कि इसे मौलिक बनाए रखना कितना महत्वपूर्ण है, उन्होंने कहा कि जो लोग फैशन के रुझानों का अनुसरण करते हैं, वे वे लोग होते हैं, जिनका अपना कोई फैशन स्टाइल नहीं होता।

अपने फैशन स्टेटमेंट के बारे में बात करते हुए, अनुष्का, जो वर्तमान में शो कृष्णा मोहिनी में दिखाई दे रही हैं, ने कहारू फैशन एक त्वरित भाषा है। जब मानव संपर्क इतना त्वरित होता है, तो यह जोर से कहना महत्वपूर्ण होता है कि आप क्या दर्शाते हैं और आप कैसे दिखना चाहते हैं। यह सिफ ंइतना ही नहीं है कि आप क्या पहनते हैं या क्या एक्सेसरीज पहनते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कहाँ से आते हैं, आप किस पर विश्वास करते हैं और आप कहाँ जा रहे हैं।रोमांटिक वेब सीरीज कैंपस बीट में माया के रूप में नजर आने वाली दिवा ने आगे बताया जो लोग फैशन के रुझानों का अनुसरण करते हैं, वे ऐसे लोग होते हैं, जिनका अपना कोई फैशन स्टाइल नहीं होता। आप अपनी पहचान खो देते हैं। फैशन

के रुझान हमेशा पर्यावरण के अनुकूल नहीं होते।अगर ट्रेंड के बारे में अपडेट रहना अच्छा है, तो अनुष्का ने कहारू हां, लेकिन आप जो पहनते हैं, वह आपके फैशन स्टाइल और ट्रेंडिंग का मिश्रण होना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि एक कलाकार के तौर पर मुझे कभी भी ट्रेंड का अनुसरण करने की जरूरत महसूस हुई, लेकिन मैं निश्चित रूप से ट्रेंडसेटर बनना चाहती हूं।जब उनसे पूछा गया कि क्या वह ऐसे किरदार को निभाने में सहज हैं, जिसका फैशन सेंस उनके लुक के विपरीत हो, तो अनुष्का ने कहारू मैं जीवन और जीवनशैली के किसी भी सेगमेंट या स्थिति से आने वाले किसी भी तरह के किरदार को निभाने के लिए तैयार हूं। चाहे वह साउथ बॉम्बे की लड़की हो या धारावी की लड़की, यह ऐसा विषय भी नहीं है जो किसी भूमिका का चयन करते समय मेरे दिमाग में आता है।अनुष्का ने कहा, हम स्क्रीन पर जो भी निभाते हैं, वह हमारे किरदार का सच्चा चित्रण होता है। लेकिन हमें इससे बाहर निकलकर अपनी जिंदगी को वैसे ही जीना चाहिए जैसा हम जीना चाहते हैं क्योंकि अन्यथा यह प्रदर्शन कला और सिनेमा की खूबसूरती को खत्म कर देगा। अगर उन्हें लगता है कि फैशन में कोई हद से ज्यादा जा सकता है, तो अनुष्का ने कहारू मैं इसे क्लासी और सिंपल रखना पसंद करती हूँ कुछ ऐसा जो यह दर्शाता हो कि मैं क्या हूँ।

यह एक स्टेटमेंट होना चाहिए। लेकिन एक चीज जो मैं बिल्कुल नहीं पहनूँगी, वह है ब्लैक ड्रेस। अगर आप खुद हैं तो हद से ज्यादा कुछ नहीं कहा जा सकता। लेकिन, यह समझदारी से कहा गया है कि जब रोम में हों तो रोमनों की तरह बनें। मैं अपने स्टाइल के साथ अवसर और जगह के हिसाब से कुछ पहनने की कोशिश करती हूँ।

बाक्स आफिस पर चंदू चौंपियन की कमाई की रफ्तार धीमी, एक हफ्ते में 35 करोड़ के पार हुई

कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चौंपियन ने ठीक एक सप्ताह पहले यानी 14 जून को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर रही।यह फिल्म देश के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण जीतने वाले मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित है।फिल्म में कार्तिक ने मुरलीकांत का किरदार निभाया है। उनकी अदाकारी की खूब प्रशंसा हो रही है।हर गुजरते दिन के साथ फिल्म की कमाई में गिरावट देखने को मिल रही है।चंदू चौंपियन के सातवें दिन के आंकड़े भी सामने आ गए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, चंदू चौंपियन ने गुरुवार को 2.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 35.25 करोड़ रुपये हो गया है।चंदू चौंपियन का निर्देशन कबीर खान ने किया है। साजिद नाडियाडवाला ने इस फिल्म के प्रोडक्शन का जिम्मा संभाला है।राजपाल यादव और विजय राज भी फिल्म का हिस्सा हैं।

कार्तिक जल्द फिल्म भूल भुलैया 3 में नजर आएंगे, जिसमें उनकी जोड़ी पहली बार तृप्ति डिमरी के साथ बनी है।विद्या बालन और माधुरी दीक्षित जैसी अभिनेत्रियां भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाने वाली हैं।इस फिल्म का निर्देशन अनीस बाज्मी ने किया है। यह फिल्म 12 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।भूल भुलैया 3 2007 में आई कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया की तीसरी कड़ी है।

अकेले में मिलो फिर करूंगाा... 18 साल की उम्र में कास्टिंग काउच की शिकार,इशा कोपिकर का छलका दर्द

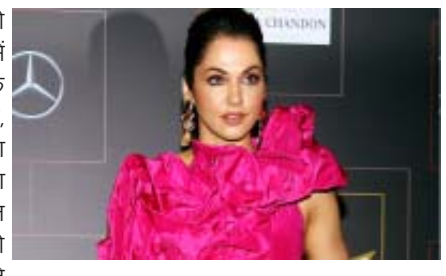

सिद्धार्थ कन्नन के साथ एक साक्षात्कार में, इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दिनों के दौरान कास्टिंग काउच के अपने अनुभव पर चर्चा करते हुए ईशा की आंखें भर आईं। ष्यह कभी इस बारे में नहीं था कि आप क्या कर सकते हैं। ईशा कोप्पिकर कई साउथ फिल्मों में काम करने के बाद फिजा से बॉलीवुड में डेब्यू किया। उन्होंने 18 साल की उम्र में एक भयावह कास्टिंग काउच अनुभव के बारे में खुलकर बात की है। डरना मना है, पिंजर, एलओसी कारगिल, कृष्णा कॉटेज और डॉन जैसी फिल्मों में अभिनय करने के अलावा, ईशा कांटे से ष्इश्क समुंदरष् और कंपनी से ष्खल्लासष् जैसे विशेष डांस नंबरों का हिस्सा थीं।सिद्धार्थ कन्नन के साथ एक साक्षात्कार में, इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दिनों के दौरान कास्टिंग काउच के अपने अनुभव पर चर्चा करते हुए ईशा की आंखें भर आईं। ष्यह कभी इस बारे में नहीं था कि आप क्या कर सकते हैं। हीरो और एक्टर तय करते थे। आपने रुडमज्वव के बारे में सुना होगा, और अगर आपके पास मूल्य थे, तो यह बहुत मुश्किल था। मेरे समय में कई अभिनेत्रियों ने इंडस्ट्री छोड़ दी। या तो लड़कियों ने हार मान ली या उन्होंने हार मान ली। बहुत कम लोग हैं जो अभी भी इंडस्ट्री में हैं और हार नहीं मानी है, और मैं उनमें से एक हूं।इस अनुभव को याद करते हुए ईशा ने कहा, "मैं 18 साल की थी जब एक सेक्रेटरी और एक एक्टर ने कास्टिंग काउच के लिए मुझसे संपर्क किया। उन्होंने मुझसे कहा कि काम पाने के लिए, आपको एक्टर्स के साथ 'दोस्ताना' होना चाहिए। मैं बहुत दोस्ताना हूँ, लेकिन 'दोस्ताना' का क्या मतलब है? मैं इतनी दोस्ताना हूँ कि एकता कपूर ने एक बार मुझसे कहा था कि थोड़ा रवैया रखो।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 23 जून 2024
sheelshukla100@gmail.com

अनाथ, बेसहारा बच्चों के लिए वरदान बनी स्पान्सरशिप योजना

अनाथ व आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए वरदान साबित हो रहा है

सोनभद्रर(आरएनएस)। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के निर्देश के क्रम मे जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाईल्ड हेल्पलाइन यूनिट के संयुक्त टीम द्वारा नगवा ब्लाक के वैनी मार्केट, खलियारी मार्केट सहित विभिन्न स्थानो पर बाल भिक्षा वृत्ति एवं सड़क के किनारे कुडा कर्कट उठाने वाले बच्चो के चिन्हाकन और पुनर्वासन हेतु चलाया गया विशेष अभियान जिसमे चार बच्चो का चिन्हाकन कर परिवार मे पुनर्वासित करवाते हुए स्पान्सरशिप योजना से लाभान्वित कराये जाने हेतु टीम द्वारा बताया गया। जिला बाल संरक्षण इकाई से ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे द्वारा बताया गया की अनाथ या आर्थिक रूप से कमजोर एकल अभिभावक वाले बच्चों को भी अब सामान्य बच्चों जैसा भविष्य संवारने का उचित अवसर 'स्पॉन्सरशिप योजना' शुरू है. जनपद में 101 जरूरतमंद बच्चों को इस योजना के तहत लाभ दिया जा रहा है इस योजना के तहत 1 से 18 साल तक के वह बच्चे पात्र होंगे, जिनके पिता की मृत्यु हो गई या, मां तलाकशुदा हैं, या परिवार से बहार निकाले गए हैं. माता–पिता या उनमें से कोई गंभीर, जानलेवा रोग से ग्रसित है. बेघर, अनाथ या विस्तारित परिवार के साथ रहने वाले बच्चे भी इसके पात्र होंगे. इसके अलावा कानून से संघर्षरत मसलन बाल तस्करी, बाल विवाह, बाल वैश्यावृत्ति, बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति में शामिल बच्चे, किसी प्राकृतिक आपदा के शिकार, दिव्यांग, लापता या घर से भागे हुए, ऐसे बच्चे जिनके माता–पिता या उनमें से कोई एक जेल में हैं वह भी इसके पात्र होंगे. साथ ही एचआइवी या एड्स से प्रभावित ऐसे बच्चे जिनके माता–पिता आर्थिक, शारीरिक या मानसिक रूप से देखभाल के लिए असमर्थ हैं,। सहायता और पुनर्वास की आवश्यकता वाले बच्चे, फुटपाथ पर जीवनयापन करने वाले, प्रताड़ित, उत्पीड़ित या शोषित बच्चे भी पात्रता की श्रेणी में होंगे माता–पिता की मृत्यु पर आय सीमा की बाध्यता नहीं साथ ही बताये गया की आवेदक की पारिवारिक की आय ग्रामीण क्षेत्रों में परिवार की अधिकतम आय 72 हजार रुपये वार्षिक और अन्य क्षेत्रों में अधिकतम आय 96 हजार रुपये वार्षिक होनी चाहिए. पुनर्वास स्पांसरशिप में माता–पिता दोनों अथवा वैध संरक्षक की मृत्यु होने पर परिवार की अधिकतम आय सीमा की जरूरत नहीं है। आवेदन के लिए आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, आयु प्रमाण पत्र, अभिभावक का मृत्यु प्रमाण पत्र, शिक्षण संस्थान में पंजीयन के प्रमाण पत्र की जरूरत होगी. योजना के लिए बच्चों की आर्थिक मदद के लिए जिला बाल संरक्षण इकाई कार्यालय सोनभद्र में आवेदन कराया जा सकता है. । बताया की हम सभी को हर बच्चा मेरा बच्चा" के भाव के साथ समझनी होगी जिम्मेदारी। चाईल्ड हेल्पलाइन यूनिट से परामर्शदाता अमन सोनकर एवं केस वर्कर बजरंग सिंह ने बताया की बाल विवाह, बाल श्रम, बाल तस्करी, सम्बन्धित जानकारी प्राप्त होती है तो तत्काल चाईल्ड हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बर 1098 पर सूचित किया जा सकता है जिससे बच्चो को संरक्षण प्रदान कराया जा सके। टीम मे जिला बाल संरक्षण इकाई से ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे, चाईल्ड हेल्पलाइन यूनिट से केस वर्कर बजरंग सिंह, परामर्शदाता अमन सोनकर, सुपरवाईजर धर्मवीर सिंह, रविन्द्र सिंह, अनिल सिंह, सत्यम चौरसिया, अंशुगिरी, आदि उपस्थित रहे।

जान हथेली पर लेकर काम कर रहे बिजली कर्मी

पूर्व में कई लाइनमैन गवा चुके है जान

करमा सोनभद्र। पसही विद्युत उपकेंद्र पर कार्यरत विद्युत कर्मी लाइनमैन सुविधा के अभाव में लाइनमैन जान हथेली पर लेकर काम करने को मजबूर है संबंधित द्वारा इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जबकि पूर्व में कई लाइनमैन की जान भी चली गई है।

बता दें कि पसही विद्युत उपकेंद्र से संचालित होने वाले 6 फीडरों खैरपुर, करमा, ककराही हिंदूवारी, कुसी, बहुआरा के लगभग 180 गांव की सप्लाई दी जाती है। जिसमें उपकेंद्र पर तैनात विद्युत कर्मी लाइनमैन बिना सेफ्टी बेल्ट, टोपी, ग्लव्स, पिलास, जैकेट के ही बिजली के पोल पर चढ़कर लाइन को बनाते हैं जबकि इस समय बरसात के महीने में और जोखिम बढ़ जाता है। पोल पर चढ़कर लाइन को सही करना सप्लाई देना उनकी जिम्मेदारी बनी रहती है। कहीं भी किसी प्रकार की आपूर्ति में दिक्कत होता है उपभोक्ताओं का लगातार जाने लगता है ऊपर के अधिकारी विद्युत कर्मियों लाईनमैनों को लाइन ठीक करने की दवाव बनाने लगते हैं इससे लाइनमैन गर्मी सर्दी बरसात किसी भी मौसम में बाधित सप्लाई को ठीक करने में जुड़ जाते हैं। जिसके लिए उनके पास सेफ्टी व्यवस्था होना अति आवश्यक हो जाता है।

परंतु इस तरफ विभाग द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिससे आने वाले बारिश के मौसम में विद्युत पोल पर चढ़कर लाइन दुरुस्त करना तो जोखिम भरा हो जाता है इस उप केंद्र पर कुल लगभग 26 से 30 लाइनमैन अलग–अलग फिडरो के लिए तैनात किए गए हैं लाइनमैन राजेश कुमार, चंद्रभान सिंह, शिव प्रकाश, चंद्रशेखर, आशीष, सुनील कुमार, अभय विश्वकर्मा, राहुल, करन, रवि चौहान आदि लोगों ने संबंधित का ध्यान आकृष्ट कराते हुए तत्काल सेफ्टी व्यवस्था देने की मांग की है जिससे बरसात के मौसम में लाइन बनाने में कोई घटना ना हो सके जबकि इसके पूर्व में बिना सेफ्टी व्यवस्था के लाइन बनाते समय विजेंद्र कुमार रामकेश भारती नवीन कुमार लाइनमैन नेअपनी जान गवा चुके हैं।

दलितों को घर में घुसकर हमला, एक गंभीर

जौनपुर(आरएनएस)। जफराबाद थाना क्षेत्र के किरतापुर गांव में प्रधान द्वारा जबरन विवादित जमीन पर मिट्टी डालकर रास्ता ले जाने के मामले में विरोध करने पर तीन दलितों को पीट कर बुरी तरह से घायल कर दिया है । जिसमें एक की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। घटना शनिवार की है। ग्राम प्रधान द्वारा रास्ता बनाने के लिए सोनकर की विवादित जमीन पर मिट्टी डाल रहें थें। एक ने मना किया तो प्रधान अपने साथ आधा दर्जन लोगों को लेकर दलित के घर में घुस गए और लोहे के रॉड से अमर बहादुर सोनकर के सर पर कई वार किया। अमर बहादुर को बचाने के लिए दौड़े परिवार के छाडू सोनकर 75 वर्ष अमरजीत 40 वर्ष को भी हमलावरों ने पीट दिया। तीनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया जहां अमर बहादुर की हालत नाजुक देखते हुए वाराणसी बीएचयू के लिए रेफर कर दिया गया है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है दूसरी तरफ सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि हलके के लेखपाल और पुलिस द्वारा विवादित जमीन पर किसी भी तरह काम करने के लिए ग्राम प्रधान को मना किया गया था। लेकिन ग्राम प्रधान इसके बाद भी उस जमीन पर मिट्टी डालकर रास्ता बना रहा था।

युवा ट्रक चालक की गर्मी से मौत

जौनपुर(आरएनएस)। जलालपुर थाना क्षेत्र सरकोनी ब्लाक के पास हौज टोलप्लाजा पर शनिवार की रात्रि में एक 35 वर्षीय ट्रक चालक की मौत हो गयी। वहां के लोगों में चर्चा रही कि सम्भवतः ट्रक चालक की मौत गर्मी के कारण हुई । इटावा के जसवंत नगर थाना क्षेत्र के नगलकोट गांव निवासी दिनेश कुमार यादव पुत्र राजबीर यादव की ट्रक जौनपुर शहर के पास खराब हो गयी थी।वह ट्रक चालक अपने ट्रक को बनाने का सामान वाराणसी लेने के लिए गया था। वहीं अपने ट्रक का सामान लेकर वह किसी वाहन से आ रहा था। टोलप्लाजा पर आकर वाहन से उतर गया।वह जैसे ही वाहन से उतरने के बाद आगे बढ़ तब वह बेहोश होकर गिर गया। उसे लोग चिकित्सालय ले गए।जहां उसे चिकित्सक द्वारा मृत बताया गया।थानाप्रभारी राजेश यादव ने जब परिजनों से बात किया तो उन लोगों ने कहा कि दिनेश बीमार रहता था।

मीरजापुर में चला पुलिस अधीक्षक का तबादला एक्सप्रेस, कई हुए इधर से उधर

मीरजापुर(आरएनएस)। पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने महकमे में व्यापक पैमाने पर उलट फेर करते हुए 16 निरीक्षक, उप निरीक्षकों के कार्य पटल में परिवर्तन करते हुए फेरबदल किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी विज्ञप्ति के अनुसार निरीक्षक, उप निरीक्षक को जनहित, रिक्ति के सापेक्ष समायोजन के क्रम में तात्कालिक प्रभाव से उनको स्थानान्तरित किया है। जिनमें प्रभारी निरीक्षक चन्द्र प्रकाश पाण्डेय प्रभारी डॉयल–112 से प्रभारी निरीक्षक थाना विन्ध्याचल के रूप में नई तैनाती दी गई है। इसी प्रकार उप निरीक्षक दयाशंकर ओझा थानाध्यक्ष विन्ध्याचल को अपराध शाखा विवेचना सेल भेजा गया है। निरीक्षक अजीत कुमार सिंह को पुलिस लाइन से प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली कटरा बनाया गया है। जबकि अजय कुमार सेठ प्रभारी निरीक्षक श कोतवाली कटरा को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली देहात बनाया गया है। देहात कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक निरीक्षक राणा प्रताप यादव को प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली देहात से प्रभारी डॉयल–112 प्रकोष्ठ भेजा गया है। निरीक्षक त्रिवेणीलाल सेन अपराध शाखा से प्रभारी निरीक्षक थाना कछवां बनाया गया है। उप निरीक्षक संजीत बहादुर सिंह थानाध्यक्ष कछवां से अपराध शाखा विवेचना सेल तैनात किए गए हैं। निरीक्षक अमित कुमार मिश्रा प्रभारी नारकोटिक्स सेल से प्रभारी निरीक्षक थाना चुनार के लिए भेजे गए हैं। निरीक्षक नरेन्द्र कुमार सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना चुनार से अपराध शाखा विवेचना सेल। उप निरीक्षक अमित कुमार पीआरओ, मीडिया सेल से थानाध्यक्ष राजगढ़ बनाएं गए हैं। उप निरीक्षक संजय कुमार सिंह प्रभारी स्वाट, एसओजी से थानाध्यक्ष लालगंज। उप निरीक्षक अजीत कुमार श्रीवास्तव थानाध्यक्ष लालगंज से अपराध शाखा विवेचना सेल। उप निरीक्षक वीरेन्द्र सिंह थानाध्यक्ष राजगढ़ से पुलिस लाइन भेजें गए। उप निरीक्षक विष्णु प्रभा सिंह थानाध्यक्ष हलिया से अपराध शाखा विवेचना सेल। निरीक्षक वीरेन्द्र सिंह अतिरिक्त निरीक्षक थाना चुनार से प्रभारी निरीक्षक थाना हलिया एवं निरीक्षक राजीव कुमार सिंह अतरिक्त निरीक्षक थाना जिगना से प्रभारी स्वाट, एसओजी भेजे गए हैं।

'विवादों से रहा है इनका गहरा नाता'

फतहां चौकी प्रभारी पर कार्य में लापरवाही बरतने को लेकर गाज गिरी है। कोतवाली शहर अंतर्गत फतहां चौकी प्रभारी जय प्रकाश शर्मा लाइन हाजिर किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने उन्हें लाइन हाजिर किया है। बताते चलें कि क्षेत्र में लगातार चौकी प्रभारी के विरूद्ध शिकायतें मिल रहीं थीं। हाल में ही पालिकाध्यक्ष ने भी इनकी शिकायत की थी। चौकी पर आने वाले फरियादियों से दुर्व्यवहार करते थे चौकी प्रभारी, अवैध वसूली को लेकर भी फतहा चौकी प्रभारी जय प्रकाश शर्मा चर्चा में बने रहते थे।

मीरजापुर रूकबाड़ बीनने वाली आत्मनिर्भर महिलाओं व बच्चों ने जाना योग से निरोग रहने के फायदे

मीरजापुर(आरएनएस)। कबाड़ बीनकर जीवन यापन करने वाले परिवारों से लेकर समाज की मुख्य धारा से दूर बनें हुए लोगों को समाज की मुख्य धारा में लाने और उन्हें शिक्षित संस्कारित बनाने के साथ–साथ उनके जीवन में परिवर्तन लाने के लिए दृढ़ संकल्पित संस्था ने ऐसे लोगों को अब योग के जरिए निरोगी काया बनाने और योगासन के लिए प्रेरित किया है। इसी कड़ी में स्ववित्तपोषित पाल्क संस्था द्वारा कबाड़ बिनकर जीवन यापन करने वाली महिलाओं व उनके बच्चों के बीच नगर के नई बस्ती में जाकर अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्था की तरफ से राष्ट्रीय योग कोच आरती सिंह ने योग करके लोगों को स्वस्थ जीवन जीने का तरीका बताया और प्रतिदिन योग करने व स्वच्छता पर ध्यान देने की बात कही। इस मौके पर अश्वनी पाण्डेय, तुषार विश्वकर्मा, संदीप कुमार, गोलू कुमार आदि शामिल रहे। इस दौरान बताया गया कि संस्था निरंतर समाज के दबे–कुचले गरीब बस्तियों में जाकर वहां रहने वाले परिवारों के बच्चों को शिक्षा संस्कार की अलख जगाने में जुटी हुई है। कापी–किताब, पेंसिल वितरण से लेकर हर आवश्यक सामग्री का वितरण कर उन्हें जागरूक भी किया जाता है। इसी कड़ी में योग के जरिए इन्हें निरोगी काया प्रदान करने की दिशा में भी जागरूक किया गया है।

नवरात्र व अन्य पर्वों पर विंध्य विकास

मीरजापुर(आरएनएस)। विन्ध्याचल के दीवान घाट पर जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के निर्देश पर नवरात्र मेला व अन्य पर्वों पर विंध्य विकास परिषद के साथ सहयोग प्रदान करने वाले गोताखोरों, नाविकों व अन्य समूहों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के दृष्टिगत जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के निर्देश पर दीवान घाट पर पंजीकरण शिविर लगाया गया। शिविर में गोताखोरों, नाविकों व अन्य लोगो के द्वारा पंजीकरण कराया गया। शिविर की अध्यक्षता नगर मजिस्ट्रेट लाल बहादुर द्वारा किया गया शिविरि में कुल गोताखोर और नाविकों व अन्य कुल 91 लोगों ने पंजीकरण कराया गया। बताया गया कि इस रजिस्ट्रेशन के माध्यम से गोताखोरा और नाविकों तथा विंध्य विकास परिषद के सहयोग करने वाले समूह के लोगों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के दृष्टिगत लोगों को शिविर के माध्यम से ही आनलाइन फार्म भी भरा गया।

समाधान दिवस, में एसपी ने सुनी समस्या, थाने का किया निरीक्षण

करमाध्सोनभद्र (आरएनएस)। शनिवार को थाना समाधान दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा थाना करमा व महिला थाना पर आम जन की समस्याओं को सुना गया तथा उनके समाधान हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण तथा फरियादी मौजूद रहे। थाना क्षेत्र के वांछित अभियुक्तोंध्वारंटियों की गिरफ्तारी, अवैध शराबध्मादक पदार्थोंध्पशु तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने, नक्सली संचरण पर रोकथाम हेतु समय–समय पर प्रभावी कॉम्बिंग करने तथा थाने पर आने वाले शिकायतों का शत–प्रतिशत निस्तारण करने जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक द्वारा महिला थाना रॉबर्ट्सगंज का आकश्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सम्पूर्ण थाना परिसर का भ्रमण करते हुए कार्यालय, हवालात, कंप्यूटर कक्ष, सीसीटीवी, मेस, बैरक, महिला हेल्पडेस्क, ड्यूटी रजिस्टर आदि का निरीक्षण किया गया तथा सम्पूर्ण परिसर को साफ व स्वच्छ रखने एवं कार्यालय के अभिलेखों को बेहतर व अद्यावधिक करते हुए को व्यवस्थित रखरखाव हेतु महिला थानाध्याक्ष को निर्देशित किया गया।

नगर में धूमधाम से झूमते हुए निकली माता हिंडोला की झांकी

'हजारों भक्तों ने की माता हिंडोला की अगवानी

मीरजापुर(आरएनएस)। जनपद में कई वर्षों से चली आ रही प्राचीन परंपरा के अंतर्गत ज्येष्ठ मास की चतुर्दशी को माता हिंडोला शीतला माता की झांकी निकाली जाती है। जो विभिन्न शीतला मंदिर के पुजारी पंडित द्वारा आयोजित की जाती है । इस दिन माता शीतला की निशानी के रूप में सैकड़ो ध्वज पताकाएँ व शीतला माता की हिंडोला रूप में झांकी नगर के विभिन्न मार्गो से निकल जाती है जो अपनी गंतव्य को पूरा कर मिर्जापुर से विभिन्न मंदिरों शिवालयों से चलकर इलाहाबाद होते हुए कड़ा धाम मानिकपुर में जाकर स्थापित होती हैं । माता हिंडोला की अगवानी में विभिन्न मार्गो मोहल्ले चट्टी चौराहा पर भक्तों द्वारा सुगंधित पानी की फव्वारों की व्यवस्था की गई थी और उनकी अगवानी के लिए सड़क के साफ की जा रही थी। विभिन्न स्थानों पर जगह–जगह मंदिरों पर विद्युत तरंगे स्पीकर भजन आदि चल रहे थे। इसके साथ ही मन की प्रसाद के रूप में हलवा चना शरबत आदि भी भंडारे के रूप में चलाए जा रहे थे। पूरे शहर में माता हिंडोला की झांकी झूमते हुए नाचते हुए भक्तों आशीर्वाद देते हुए अपने गंतव्य को निकली। तो दुर्गा देवी कसती स्थित प्राचीन माता दुर्गा मंदिर भक्तों द्वारा आयोजन किया गया था माता हिंडोला की झांकी को शीतल करने के लिए सुगंध पाने के प्रभारी हुआ प्रसाद सर बता दे की व्यवस्था भव्य रूप से की गई थी भक्तों ने माता शीतला का आशीर्वाद लिया और मनोकामना पूर्ति के लिए उनसे प्रार्थना की। स्थानीय नागरिकों द्वारा बताया गया कि यह प्राचीन परंपरा कई पीढियों से चलती आ रही है और पीढ़ी दर पीढ़ी हम सभी इस परंपरा का अनुकरण करते हुए माता हिंडोला की झांकी निकासी के लिए पूजा पाठ आदि की व्यवस्था करते चले आ रहे हैं। घंटाघर माता शीतला मंदिर, बड़ी माता इमली महादेव, किशुन प्रसाद की गली छोटी माता, दुर्गा देवी दुर्गा मंदिर, संकट मोचन, सिटी क्लब विभिन्न क्षेत्रों से माता हिंडोला की झांकी दिव्य रूप से झूमते गाते निकाली गई। वहां के पुजारी ने समूचे नगर में माता हिंडोला का भ्रमण कर भक्तों को माता के दर्शन का अवसर प्रदान किया।

मंत्रोंच्चार के साथ रथ यात्रा महोत्सव का शुभारंभ

जौनपुर(आरएनएस)। श्री जगन्नाथ जी रथयात्रा समिति तथा श्री जगन्नाथ जी सेवा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में रथ यात्रा महोत्सव का आरंभ नगर के श्री हनुमान घाट से स्नान जल कलश के १०८ जल कलश यात्रा आचार्य डा० रजनीकांत द्विवेदी के मंत्रोच्चारण से आरंभ हुआ। संयोजक नीरज श्रीवास्तव के नेतृत्व में जल कलश यात्रा हनुमान घाट , शाही किला , मानिक चौक होते हुए श्री जगन्नाथ मंदिर रासमंडल पहुँचकर प्रभु श्री जगन्नाथ जी सुभद्रा एवम बलभद्र को १०८ कलश से विधिवत स्नान कराया गया । पौराणिक मान्यता है कि ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा तिथि को अधिक गर्मी से पीड़ित होकर प्रभु श्री जगन्नाथ जी 38 सुभद्रा जी 33 एवं श्री बलभद्र जी 37 जल कलश से स्नान करते हैं। इस पौराणिक मान्यता के अनुसार श्री जगन्नाथ जी मंदिर रासमंडल में रथ यात्रा महोत्सव के अध्यक्ष शशांक सिंह , महामंत्री शिव शंकर साहू, सह संयोजक राजन अग्रहरि , शैलेंद्र मिश्र, यात्रा प्रभारी पंडित निशाकांत जी , राजेश गुप्ता व आशीष यादव , संतोष गुप्ता , आशुतोष मिश्रा ,संजय गुप्ता ब।, भरत कपूर , संजय पाठक , मनीष गुप्ता , मनोज मिश्रा , आलोक वर्मा, सौरभ रस्तोगी , राजेश तिवारी,,केतन अस्थाना समेत तमाम लोग उपस्थित होकर भगवान के विग्रह को विधिवत स्नान कराया भगवान का विधिवत पूजन हुआ तथा हलवा चना का भोग लगाकर वितरित किया गया।

साउथर्न फेडरल यूनिवर्सिटी पीयू से करेगा एमओयू

जौनपुर(आरएनएस) । पूर्वांचल विश्वविद्यालय के डॉ. सुधीर के. उपाध्याय को विजीटिंग प्रोफेसर का सम्मान मिला है। यह सम्मान रूस की साउथर्न फेडरल यूनिवर्सिटी, रोस्तोव–ऑन–डॉन ने विजिटिंग प्रोफेसर से सम्मानित किया गया है। डॉ. सुधीर उपाध्याय को रूस के शिक्षा और विज्ञान मंत्रालय ने 4 जून से 16 जून तक रूस में कई वैज्ञानिक व्याख्यान दने के लिए आमंत्रित किया था। डॉ. उपाध्याय ने गेलेंदिज्हक, रोस्तोव–ऑन–डॉन एवं मास्को के यूनिवर्सिटी का विजिट किय विश्वविद्यालय, के पर्यावरण विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ उपाध्याय को यह आमंत्रण उनके शोध पत्रों की उच्च कोटि के गुणवत्ता के ही आधार पर मिला था। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने डॉ. सुधीर उपाध्याय को रूस से मिले इस सम्मान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के डॉ सुधीर जैसे शिक्षकों की प्रतिभा से विश्वविद्यालय का नाम वैश्विक पटल पर पहुँच रहा है। देश के बाहर के विश्वविद्यालयों से शैक्षिक कार्य हेतु आमंत्रित किया जाना विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। उनका पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ष् पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों के मृदा आवरण के सतत विकास की संभावनाएँ और समस्याएँ ष् और दूसरा अंतर्राष्ट्रीय युवा वैज्ञानिक स्कूल द्वारा आयोजित ष्मानव जनित भार के तहत मृदा पारिस्थितिकी तंत्र की निगरानी, सुरक्षा और बहालीष् पर था। डॉ. सुधीर उपाध्याय रूस के अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में रुसी वैज्ञानिकों, शोध छात्रों के साथ कई दिनों तक वैज्ञानिक विवेचनों में अपना अमूल्य योगदान दिए।

शिक्षक की मौत पर टीएससीटी ने दी सांत्वना

जौनपुर(आरएनएस)।जनपद के शाहगंज क्षेत्र स्थित सुरिस गांव निवासी शिक्षक संजय कुमार उपाध्याय पुत्र स्वर्गीय देवदत्त उपाध्याय के असामयिक निधन पर टीएससीटी के जिलाध्यक्ष शिक्षक अरविंद कुमार यादव अपने सदस्यों के साथ शोकाकुल परिवार में पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी। उन्होंने परिवार वालों से मिलकर इस दुख की घड़ी में साथ होने की बात कही।विकास खंड सोंधी के प्राथमिक विद्यालय पटखौली पूरेआजम में तैनात संजय उपाध्याय का हृदय गति रूक जाने से 18जून को असामयिक निधन हो गया। घटना की जानकारी होने पर टीचर्स सेल्फ केयर टीम के जिलाध्यक्ष अरविन्द कुमार यादव कोर कमेटी संग शनिवार को शोकाकुल परिवार में पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी। ज्ञात हो कि मृतक टीएससीटी का सदस्य भी था।उनके ऊपर तीन बेटों शिवम् ,सत्यम व सुंदरम उपाध्याय की शिक्षा दीक्षा व परिवार के भरण–पोषण की जिम्मेदारी थी।इधर पत्नी कनकलता पति की मौत के बाद बेसुधसी है।फिलहाल उनकी मौत से परिवार पर बज्रपात सा टूट गया है।इस दौरान जिला सहसंयोजक राधेश्याम गौतम ,विनय कुमार व अनिल समेत कोर कमेटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

पर्चा छीनकर चल रहा कमीशन का खेल, लगाम लगाने में सीएमओ फेल

'सूबे में योगीराज को धता बताते हुए सीएचसी चुनार में चलता है दलालों का माफिया राज

मीरजापुर(आरएनएस)। सूबे की योगी सरकार के लाख कवायदों के बावजूद सरकारी अस्पतालों की दशा में सुधार नहीं हो रहा है। सरकारी अस्पतालों में भ्रष्टाचार पुरी तरह से व्याप्त है, दलाली कमीसनखोरी का खेल अपने चरम पर है। जिसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है जिसका जीता जागता उदाहरण मिर्जापुर जिले के चुनार तहसील अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आए दिन देखने को मिलता है। सीएचसी चुनार में एक स्थानीय माफिया का पूरी तरह से राज कायम है। सुबह ओपीडी चालू होते ही अजय, पंकज, विश्वजीत और राजेश नाम के दलाल सीएचसी में पांच से सात की संख्या में एक साथ घुस जाते है और ईलाज कराने आने वालें मरीजों का जबरिया पर्चा छीनकर निजी मेडिकल पर ले जाकर दवा जांच आदि कराकर उनसे अवैध वसूली और कामिसन खोरी करते है। जिनका चिकित्सालय में कार्यरत चिकित्सक भी भरपूर सहयोग करते है, अस्पताल में कार्यरत एक आयुष चिकित्सक ने इन दलालों को कामिशन के लिए अपना रिश्तेदार बना लिया है। यहीं कारण है की जहां कभी सीएचसी चुनार में लगभग पांच सौ से ऊपर मरीज दिखाने आते थे अब वहा मरीजों का टोटा होता दिखाई दे रहा है, पांच सौ ओपीडी वाले सीएचसी चुनार का ये हाल है की हफ्ते में एक या दो दिन छोड़कर शेष दिनो में सौ ओपीडी भी नही हो पाती, दलालों द्वारा जबरन पर्चा पकड़ने तथा डॉक्टरों द्वारा उनको सह देने से अब तो मरीज भी वाकिफ हो चुके है जिसके कारण मरीज सीएचसी में ईलाज कराने के बजाय निजी अस्पतालों का सहारा ले रहें है। हालांकि मामले की जानकारी के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा सीएल वर्मा से दूरभाष पर संपर्क किया गया तो उनका फोन नही रिसीव हुआ वहीं अपर निदेशक डाक्टर शोभना दिवेदी से वार्ता का प्रयास किया गया तो मीटिंग के चलते ज्वाइंट डायरेक्टर डाक्टर एके सिंह ने कॉल रिसीव किया और बताया कि इस तरह का कोई मामला संज्ञान में नहीं है, चूंकि प्रकरण गम्भीर है जिसपर सीएचसी अधिक्षक और मुख्य चिकित्सा अधिकारी स्तर से कार्यवाही की जानी चाहिए, लेकिन यदि ऐसा है तो सीएमओ को ऐसे लोगों को चिन्हित कर कठोर कार्यवाही के लिए निर्देशित किया जाएगा।

मण्डलायुक्त, डीआईजी व एसपी ने थाना समाधान दिवस में आये हुये आमजन की सुनी समस्याएं

मीरजापुर(आरएनएस)। शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक माह के द्वितीय व चतुर्थ शनिवार जनता की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण हेतु जनपद के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। मण्डलायुक्त डॉ मुथुकुमार स्वामी बी व उप पुलिस महानिरीक्षक आरपी सिंह द्वारा उपजिलाधिकारी सदर के साथ कोतवाली शहर पर आये हुये फरियादियों की जन समस्याओ सुना तथा सम्बन्धित अधिकारियों को गुणपत्तापूर्ण निस्तारण का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पैमाइश के मामले में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजते हुये दोनों पक्षों को बुलाकर उनकी समस्या का समाधान कराया जाए। पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन के साथ थाना चुनार पर उपस्थित रह कर आमजन की शिकायतें सुनकर निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। थाना समाधान दिवस पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों यथा कोतवाली शहर पर 4 प्रार्थना पत्र प्राप्त 1 निस्तारित, थाना कोतवाली कटरा पर 6 प्रार्थना पत्र प्राप्त 02 निस्तारित, थाना विन्ध्याचल पर 19 प्रार्थना पत्र प्राप्त 1 निस्तारित, कोतवाली देहात पर 9 प्रार्थना पत्र प्राप्त 2 निस्तारित, थाना चील्ह पर 19 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना कछवां पर 13 प्रार्थना पत्र प्राप्त 6 निस्तारित, थाना पड़री पर 20 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना लालगंज पर 18 प्रार्थना पत्र प्राप्त 6 निस्तारित, थाना हलिया पर 15 प्रार्थना पत्र प्राप्त 2 निस्तारित, थाना जिगना पर 19 प्रार्थना पत्र प्राप्त 01 निस्तारित, थाना ड्रमण्डगंज पर 19 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना सन्तनगर पर 25 प्रार्थना पत्र प्राप्त 1 निस्तारित, थाना चुनार पर 18 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना अदलहाट पर 28 प्रार्थना पत्र प्राप्त 9 निस्तारित किए।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।